● वर्ष : 17 ● अंक : 162 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित गुरुवार 02 अप्रैल 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

विकसित भारत के निर्माण का आधार बनेगा असम का यह चुनावः नरेन्द्र मोदी

एजेंसी, गोगामुख (असम)

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को यहां एक चुनावी जनसभा में असम में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की हैट्रिक का दावा किया। उन्होंने असम में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लागू करने, आदिवासी संस्कृति की सुरक्षा, बाढ़ से राहत, बुनियादी ढांचे के विस्तार और गरीब कल्याण योजनाओं को लेकर कई बड़े वादे किए। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि असम का चुनाव "विकसित असम से विकसित भारत" बनाने का चुनाव है।

मोदी ने धेमाजी जिले के गोगामुख की चुनावी जनसभा में कहा कि जनता का उत्साह साफ संकेत दे रहा है कि इस बार राज्य में भाजपा-नीत राजग सरकार लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटेगी। उन्होंने कहा कि यह उनकी असम में चुनाव घोषणा के बाद पहली जनसभा है और यहां उमड़ी भीड़ 'हैट्रिक' की गारंटी दे रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि असम में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू किया जाएगा, लेकिन साथ ही छठी अनुसूची क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी समुदायों की परंपराओं और संस्कृति की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने इसे "असम की पहचान को बचाने का बड़ा संकल्प" बताया और कहा कि भाजपा अपने वादों को पूरा करने के लिए जानी जाती है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में राज्य ने 'सेवा और सुशासन' का नया दौर देखा है। पहले सर्वानंद सोनोवाल और फिर हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में राज्य में विकास की नई दिशा बनी है। मोदी ने कहा कि असम का यह चुनाव केवल राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि विकसित भारत के निर्माण से जुड़ा हुआ है। प्रधानमंत्री ने गरीब कल्याण योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले एक दशक में असम के 22 लाख से अधिक गरीब परिवारों को पक्के घर दिए गए हैं। भाजपा के घोषणा पत्र में उन सभी परिवारों को घर देने का वादा किया गया है, जिन्हें अभी तक प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि भविष्य में 15 लाख और परिवारों को पक्का घर देने की गारंटी है।

महिला सशक्तीकरण पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने 'लखपति दीदी' अभियान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत अब तक लगभग तीन लाख महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं और आने वाले समय में इस संख्या को 40 लाख तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही 'अरुणोदय योजना' के विस्तार का भी वादा किया गया, जिससे अधिक परिवारों को लाभ मिलेगा। बाढ़ की समस्या को लेकर प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने 18,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 'बाढ़ मुक्त असम मिशन' शुरू किया है। राज्य में आधुनिक तटबंध बनाए जा रहे हैं और स्थायी समाधान के लिए लगातार काम हो रहा है। उन्होंने सुबनसिरी हाइड्रोइलेक्ट्रिक परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि यह असम को बाढ़ से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कृषि क्षेत्र का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत असम के लगभग 11 लाख किसानों को 730 करोड़ रुपये से अधिक का क्लेम दिया जा चुका है। प्रधानमंत्री ने असम को भविष्य का टेक्नोलॉजी हब बताते हुए कहा कि जल्द ही राज्य में सेमीकंडक्टर प्लांट से चिप उत्पादन शुरू होगा। आने वाले समय में मोबाइल फोन, गाड़ियां, टीवी और अन्य उपकरण असम में बनी चिप से संचालित होंगे, जिससे राज्य की पहचान चाय के साथ-साथ तकनीक के लिए भी होगी।

पीएम ने शिवकुमार स्वामीजी की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

एजेंसी, नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिवकुमार स्वामीजी की जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने आज एक्स पर साझा अपने संदेश में स्वामीजी को करुणा, विनम्रता और निस्वार्थ सेवा का प्रतीक बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वामीजी का संपूर्ण जीवन मानवता की सेवा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने शिक्षा, समाज कल्याण और अध्यात्म के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करते हुए समाज के वंचित और जरूरतमंद वर्गों के उत्थान में अहम भूमिका निभाई। उनका जीवन इस बात का सशक्त उदाहरण है कि सच्ची महानता दूसरों की सेवा में निहित होती है।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जाना तय

दुनिया का सबसे ताकतवर देश, अमेरिका इस वक्त अपने देश और वैश्विक स्तर पर दोनों तरफ से भारी दबाव में नजर आ रहा है। एक तरफ पश्चिम एशिया में ईरान के साथ लड़ाई जारी है, दूसरी तरफ देश के अंदर ही ट्रंप के खिलाफ लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर है और लोग सड़कों पर उतर आए हैं। शनिवार को अमेरिका के सभी 50 राज्यों में बड़े पैमाने पर 3300 से ज्यादा स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए। इन प्रदर्शनों का नाम था- नो किंग्स देश में कोई राजा नहीं चलेगा। लोकतंत्र में राजा जनता है। अमेरिका ही नहीं बल्कि यूरोप, लैटिन अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का विरोध हो रहा है।

सवाल उठता है, आखिरकार यह आंदोलन कितना बड़ा है? ट्रंप के खिलाफ विरोध की यह तीसरी बड़ी लहर है। इससे पहले भी लाखों लोग सड़कों पर उतर चुके हैं। इस बार का आंकड़ा सबसे बड़ा है। अमेरिका के सभी राज्यों में इस आंदोलन की आग फैल गई है। 3300 से ज्यादा जगहों पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। इस आंदोलन की खास बात यह है, यह शहरों के साथ-साथ गांवों में भी देखने को मिला है। लोगों ने खुलकर अपना विरोध जताया है। इस बार सबसे बड़ा विरोध मिनसोटा की राजधानी सेंट पॉल में हुआ। जहां मशहूर सिंगर ब्रूस प्रिंस्टीन ने भी आंदोलन में भाग लिया, और एक खास गाना गाया। जो हाल की एक दुखद घटना से जुड़ा हुआ था। उनके साथ कई बड़े सेलिब्रिटी जिसमें एक्टर्स, नेता और सामाजिक कार्यकर्ता भी आंदोलन के मंच पर नजर आए। सवाल उठता है, अमेरिका और आस-पास के देश के लोगों में आखिर किस बात का गुस्सा भरा है? प्रदर्शन करने वालों के पास कम प्रशासन की शिकायतों की लंबी फेहरिस्त थी। सबसे ज्यादा नाराजगी ट्रंप सरकार की इमीग्रेशन नीति को लेकर है। लोगों का मानना है, सख्ती और छापेमारी से आम लोग डर और भय के साथ जी रहे हैं।

इसके अलावा ईरान के साथ चल रहे संघर्ष का विरोध, ट्रांसजेंडर के अधिकारों में कटौती, अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई जैसे मुद्दों पर लोगों ने खुलकर आवाज उठाई है। वाशिंगटन, न्यूयॉर्क और सैंडियागो जैसे शहरों में हजारों लोग सड़कों पर उतरे। बैनर और नारों के साथ सरकार के खिलाफ यहां पर भारी गुस्सा दिखा। ट्रंप के खिलाफ विरोध के असर की बात की जाए, तो यह विरोध अमेरिका तक सीमित नहीं रहा। यूरोप के कई देशों में लोग इसी तरह के संदेश के साथ ट्रंप के विरोध में सड़कों पर उतरे हैं। कहीं तानाशाही के खिलाफ तो कहीं युद्ध के खिलाफ नारे लगे। यूरोप के देशों में अच्छीखासी भीड़ सड़कों पर देखने को मिली। रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने भी हाल ही में बैठक से बहिष्कार कर ट्रंप की नीतियों का विरोध किया। ट्रंप समर्थकों का कहना है, इन प्रदर्शनों को ज्यादा अहमियत नहीं है। उनका कहना है कि यह सब राजनीतिक एजेंडा है। ट्रंप के विरोध में जो तस्वीर जमीन पर दिख रही है, उसके अनुसार जिस तरह संसद और रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों और विशिष्ट वर्ग में राष्ट्रपति ट्रंप का विरोध बढ़ रहा है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के महापौर कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा बढ़ायी गयी

एजेंसी, नई दिल्ली । दिल्ली के सिविक सेंटर स्थित महापौर कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गयीं। दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम, बम निरोधक दस्ता और स्थानीय पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और पूरे सिविक सेंटर परिसर की सघन तलाशी अभियान शुरू किया। जांच में अब तक कोई संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति नहीं मिला है। आसपास के इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। पुलिस के अनुसार दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह के कार्यालय को ई-मेल के जरिए बुधवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इसमें कहा गया था कि अपराह्न 2.11 बजे के आसपास कार्यालय को उड़ा दिया जाएगा। ई-मेल कथित तौर पर 'खालिस्तान नेशनल आर्मी' नामक समूह के नाम से भेजा गया है। सुरक्षा एजेंसियों को तुरंत सूचित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि महापौर कार्यालय के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है और गहन जांच चल रही है। अब तक किसी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति की पुष्टि नहीं हुई है, हालांकि एहतियात के तौर पर हर पहलू की जांच जारी है। मौके पर डॉग स्क्वॉड और अन्य सुरक्षा एजेंसियां भी तैनात हैं, जो परिसर की बारीकी से जांच कर रही हैं। उधर, दिल्ली नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने इस धमकी को लेकर चिंता जतायी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चार इंजन की सरकार होने के बाद भी शहर के प्रथम नागरिक भी सुरक्षित नहीं। नारंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने पोस्ट में कहा कि चार इंजन सरकार में दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था फेल हो गई है, दिल्ली महापौर तक सुरक्षित नहीं।

कुवैत में जान गंवाने वाले 20 भारतीयों के पार्थिव शरीर विशेष विमान से पहुंचे कोच्चि

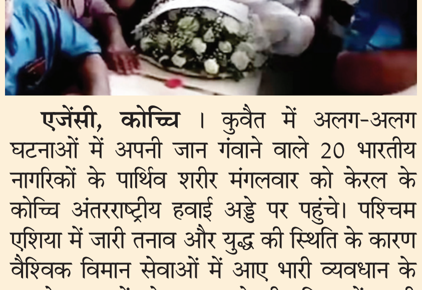

एजेंसी, कोच्चि । कुवैत में अलग-अलग घटनाओं में अपनी जान गंवाने वाले 20 भारतीय नागरिकों के पार्थिव शरीर मंगलवार को केरल के कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और युद्ध की स्थिति के कारण वैश्विक विमान सेवाओं में आए भारी व्यवधान के चलते इन शवों को वतन लाने की प्रक्रिया में काफी विलंब हुआ। कुवैत एयरवेज की विशेष उड़ान (केयू 5632) कोलंबो के रास्ते कोच्चि पहुंची। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यह विमान विशेष रूप से केवल शवों को भारत लाने के लिए ही संचालित किया गया था और इसमें कोई अन्य यात्री सवार नहीं था। जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ समय से कुवैत में विभिन्न प्राकृतिक और अन्य कारणों से जान गंवाने वाले इन भारतीयों के शव वहां फंसे हुए थे। हालांकि इन मौतों का वर्तमान युद्ध से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है, लेकिन इस क्षेत्रीय संघर्ष के कारण उड़ानों के शेड्यूल में आई दिक्कतों ने इस पूरी प्रक्रिया को काफी जटिल बना दिया था। विमान के लैंड करते ही सभी 20 पार्थिव शरीरों को उनके पैतृक स्थानों पर भेजने की त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी गई।

भारत के पास 40 दिनों का ईंधन भंडार सुरक्षित, वैश्विक संकट के बीच घबराने की जरूरत नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) के सचिव अंजन कुमार मिश्रा ने देश की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत के पास वर्तमान में तरल ईंधन का इतना भंडार मौजूद है जो देश की 20 से 40 दिनों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। नई दिल्ली में आयोजित पीएचडीसीसीआई हाइड्रोकार्बन समिट 2026 के दौरान मिश्रा ने वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की। मिश्रा ने वास्तविकता को स्वीकार करते हुए कहा कि हालांकि हम तरल ईंधन का रिजर्व रखते हैं, लेकिन ऐसा भंडार बनाना संभव नहीं है जो छह महीने या उससे अधिक समय तक चल सके। उन्होंने कहा कि

मौजूदा बैकअप 20 से 40 दिनों की मांग के लिए उचित है। पश्चिम एशिया के संकट पर बात करते हुए उन्होंने स्वीकार किया कि इसका प्रभाव भारत पर पड़ रहा है, लेकिन सरकार ने इससे निपटने के लिए पुख्ता योजना बनाई है। उन्होंने आश्वस्त किया कि अधिकारियों की टीम वैश्विक स्थिति पर पल-पल नजर रख रही है। वैश्विक तनाव के कारण पैदा हुई चिंताओं को खारिज करते हुए पीएनजीआरबी अधिकारी ने स्पष्ट किया कि देश में जीवाश्म ईंधन की कोई कमी नहीं है और जनता को घबराने (पैनिक करने) की कतई आवश्यकता नहीं है।

गांदरबल के अरहामा जंगलों में सुरक्षाबलों की बड़ी कार्रवाई, मुठभेड़ में एक आतंकवादी ढेर

एजेंसीं, जम्मू

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में सुरक्षाबलों को आतंकवाद के विरुद्ध अभियान में एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। मध्य कश्मीर के अरहामा जंगल क्षेत्र में बुधवार सुबह सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच हुई भीषण मुठभेड़ में एक अज्ञात आतंकवादी मारा गया है। यह अभियान भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा बेहद रणनीतिक और सुनियोजित तरीके से चलाया गया। इस सैन्य कार्रवाई की शुरुआत मंगलवार शाम को हुई, जब सुरक्षा एजेंसियों को अरहामा के घने जंगली इलाके में आतंकियों की मौजूदगी

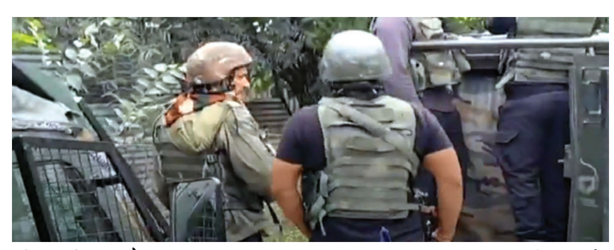

की सटीक और विशिष्ट खुफिया जानकारी मिली थी। सूचना प्राप्त होते ही सेना की चिनार कोर और पुलिस के जवानों ने तत्काल प्रभाव से पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी और व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया।

खुद को चारों ओर से घिरा पाकर छिपे हुए आतंकियों ने जवानों पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद सुरक्षाबलों ने भी मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई की। मंगलवार की रात जंगल की भौगोलिक परिस्थितियों और घने अंधेरे को देखते हुए सुरक्षाबलों ने सीधी मुठभेड़ को अस्थायी रूप से रोक दिया था, लेकिन घेराबंदी को और अधिक कड़ा कर दिया गया था। सेना की चिनार कोर ने इस संबंध में जानकारी साझा करते हुए बताया कि 31 मार्च की पूरी रात रणनीतिक रूप से घेराबंदी को पुनर्गठित किया गया ताकि घने जंगलों का लाभ उठाकर कोई भी आतंकी भागने में सफल न हो सके। बुधवार की सुबह जैसे ही रोशनी हुई, सुरक्षाबलों ने निर्णायक प्रहार किया और प्रभावी जवाबी कार्रवाई में एक आतंकवादी को ढेर कर दिया। सेना के आधिकारिक बयान के अनुसार, रुक-रुक कर हो रही गोलीबारी के बीच जवानों ने अपनी स्थिति को रणनीतिक रूप से मजबूत किया। हमारी ओर से की गई प्रभावी कार्रवाई के परिणामस्वरूप एक आतंकी मारा गया है।

भारत के साथ मजबूती से खड़ा है रूस, पहले कच्चा तेल भेजा अब भर-भर के भेज रहा कोयला

एजेंसी, नई दिल्ली

होर्मुज संकट में भी रूस ने भारत से दोस्ती निभाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पहले कच्चा तेल भेजा और अब भर-भरकर कोयला भेज रहा है। भारत के विशाल उद्योगों और बिजलीघरों के संचालन के लिए कोयला एक अनिवार्य आवश्यकता है। ऐसे समय में जब वैश्विक बाजार में पेट्रोल, डीजल और गैस की कीमतों में भारी उछाल देखा जा रहा है, रूस से आने वाला यह कोयला भारतीय पावर ग्रिड और अर्थव्यवस्था के लिए किसी संजीवनी बूटी से कम नहीं है। रूस ने भारत की जरूरतों को समझते हुए बिना किसी देरी के अपने विशाल मालवाहक जहाजों को भारतीय तटों की ओर रवाना कर दिया है। ईरान द्वारा मार्ग बंद किए जाने के बाद रूस ने न केवल अपने तेल और गैस के टैंकरों का रुख भारत की ओर मोड़ा, बल्कि अब बड़े पैमाने पर उच्च गुणवत्ता वाले कोयले यानी काले सोने की आपूर्ति भी तेज कर दी है। भारतीय बंदरगाहों पर रूसी कोयले से लदे जहाजों की आमद इस बात का प्रमाण है कि दोनों देशों के बीच ऊर्जा सुरक्षा को लेकर रणनीतिक साझेदारी एक नए स्तर पर पहुँच गई है।

उत्तर भारत में बेमौसम बारिश से खड़ी फसल हुई आड़ी, 19 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

उत्तर भारत में मौसम बदलने से किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बुधवार के लिए दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और पंजाब समेत देश के 19 राज्यों में तेज आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। यह बेमौसम बारिश रबी की फसलों, खासकर गेहूं और सरसों, के लिए बेहद हानिकारक साबित हो रहा है। तेज हवाओं और बारिश के कारण खेतों में खड़ी पकी फसलें आड़ी हो गई हैं, जिससे उनके सड़ने और फफूंद लगने का खतरा बढ़ गया है।

दिल्ली और पंजाब समेत मैदानी इलाकों में मंगलवार को मौसम ने अचानक बदल गया। दिल्ली के कई हिस्सों में हल्की बारिश हुई। दोपहर बाद घने बादल छाने और बिजली कड़कने के साथ मौसम एकदम से बदल गया। दिन में ही लोग गाड़ियों की लाइट जलाकर चलते नजर आए। दिल्ली का अधिकतम तापमान 33.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.1 डिग्री ज्यादा था। हवा में नमी का स्तर 96 से 36 प्रतिशत दर्ज हुआ। पंजाब में कई जिलों में ओलावृष्टि के साथ बारिश भी हुई।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 195.50 रुपये की बढ़ोतरी, नई दरें लागू

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण दुनियाभर में क्रूड ऑयल की कीमतों में उछाल के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में बुधवार को 195.50 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। हालांकि, घरेलू रसोई गैस की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई दरें बुधवार से लागू हो गई है। इंडियन ऑयल के वेबसाइट के मुताबिक, कमर्शियल एलपीजी के दाम में 195.50 रुपये की बढ़ोतरी के बाद राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 19 किलोग्राम के वाणिज्यिक एलपीजी

सिलेंडर की कीमत 2,078.50 रुपये हो गई है। इससे पहले 1 मार्च को 19 किलोग्राम के वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमत में 114.5 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार घरेलू रसोई गैस यानी एलपीजी की दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम के घरेलू सिलेंडर की कीमत अभी 913 रुपये है। इससे पहले, सात मार्च को 14.2 किलोग्राम के घरलू एलपीजी के सिलेंडर की कीमत 60 रुपये बढ़ाई गई थी। उल्लेखनीय है कि सरकारी स्वामित्व वाली इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम अंतरराष्ट्रीय मानकों और विनिमय दर के आधार पर हर महीने की पहली तारीख को एटीएफ और एलपीजी की कीमतों की समीक्षा करती हैं। पिछले साल मार्च में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की कमी के बाद से इसकी कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। दिल्ली में फिलहाल पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है।

सरकारी तेल कंपनियों ने एटीएफ के दामों में किया 114.5 फीसदी का भारी इजाफा

मिडिल ईस्ट में एयरस्पेस पर पाबंदियों के कारण एयरलाइंस पर पड़ेगा फाइनेंशियल दबाव

एजेंसी, नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट में जारी भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर अब भारतीय विमानन क्षेत्र पर नजर आने लगा है। भारत में एविएशन टर्बाइन फ्यूल यानी जेट फ्यूल की कीमतों में ऐतिहासिक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सरकारी तेल कंपनियों ने एटीएफ के दामों में 114.5फीसदी का भारी इजाफा हुआ, जिसके बाद दिल्ली में इसकी कीमत 2.07 लाख रुपए प्रति किलोलीटर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। यह नई बढ़ोतरी 2022 में दर्ज पहले के पीक से भी ज्यादा

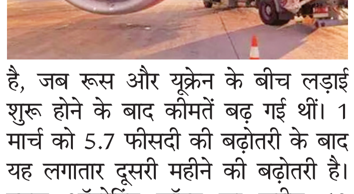

है, जब रूस और यूक्रेन के बीच लड़ाई शुरू होने के बाद कीमतें बढ़ गई थीं। 1 मार्च को 5.7 फीसदी की बढ़ोतरी के बाद यह लगातार दूसरी महीने की बढ़ोतरी है। फ्यूल ऑपरेटिंग कॉस्ट का करीब 40 फीसदी हिस्सा है, इसलिए मिडिल ईस्ट में एयरस्पेस पर पाबंदियों के कारण पहले से ही लंबे चक्कर लगा रही एयरलाइंस पर और ज्यादा फाइनेंशियल दबाव पड़ने की उम्मीद है। रिपोर्ट्स के मुताबिक बढ़ते खर्चों को पूरा करने के लिए एयरलाइन कंपनियों के प्राइसिंग एडजस्ट करने से हवाई किराए और बढ़ने की संभावना है। इस संघर्ष ने तेल सप्लाई चेन को बुरी तरह प्रभावित किया है। कुवैत, सऊदी अरब और इराक जैसे मुख्य तेल प्रोड्यूसर ने प्रोडक्शन कम कर दिया है, जबकि एक्सपोर्ट रूट पर दबाव बढ़ रहा है। कमर्शियल जहाजों और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर पर ईरान के हमलों ने इलाके में अस्थिरता को और बढ़ा दिया है। इस स्थिति ने होर्मुज स्ट्रेट से आवाजाही करीब रोक दी है, जो दुनिया भर में तेल शिपमेंट के करीब पांचवें हिस्से के लिए बहुत ज़रूरी है। एक्सपर्ट्स ने संकेत दिया है कि यात्रियों को महंगे टिकटों के लिए तैयार रहना चाहिए क्योंकि एयरलाइंस अपने किराए के स्ट्रक्चर को फिर से टेली कर रही हैं।

ईरान युद्ध पर राष्ट्रपति ट्रंप का राष्ट्र के नाम संबोधन, खत्म होगा संघर्ष या बढ़ेगी सैन्य कार्रवाई?

एजेंसी, वॉशिंगटन

ईरान और अमेरिका के बीच जारी भीषण संघर्ष एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बुधवार रात 9 बजे (ईटी) मतलब भारतीय समयानुसार गुरुवार सुबह साढ़े 6 बजे, राष्ट्र को संबोधित करने वाले हैं, जिसमें वे ईरान पर एक महत्वपूर्ण अपडेट साझा करेंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लैविट ने इस संबोधन की पुष्टि की है। यह संबोधन ऐसे समय में हो रहा है जब एक तरफ ट्रंप युद्ध से बाहर निकलने के संकेत दे रहे हैं, तो दूसरी तरफ क्षेत्र में हजारों अमेरिकी मरीन्स की तैनाती की खबरें भी सामने आ रही हैं। 28 फरवरी को इजरायल के साथ मिलकर शुरू किए गए इस सैन्य अभियान को लेकर ट्रंप के बदलते रुख ने दुनिया भर में असमंजस की स्थिति पैदा कर दी है। प्यू रिसर्च सेंटर के हालिया सर्वेक्षण के अनुसार, ट्रंप की ईरान नीति को लेकर अमेरिकी जनता में भारी असंतोष है। सर्वे के मुताबिक, लगभग 61 प्रतिशत अमेरिकी नागरिक ईरान के साथ युद्ध को लेकर राष्ट्रपति के रवैये से असहमत हैं, जबकि केवल 37 प्रतिशत लोग ही इस सैन्य कार्रवाई के पक्ष में हैं।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

खास खबर

सिख विरोधी दंगा पीड़ितों के वकील सरदार एच.एस. फूलका भाजपा में शामिल

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। सिख विरोधी दंगा पीड़ितों के वकील सरदार एच. एस. फूलका बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। भाजपा मुख्यालय में उन्होंने समर्थकों के साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ, पंजाब प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़, पंजाब भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष अश्विनी शर्मा, दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख एवं लोकसभा सांसद अनिल बलूनी एवं भाजपा प्रवक्ता सरदार आर. पी. सिंह उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एचएस फूलका का स्वागत करते हुए उन्हें भाजपा की सदस्यता ग्रहण करवाई। मीडिया को संबोधित करते हुए पद्मश्री सरदार एच. एस. फूलका ने पार्टी में शामिल होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं का आभार जताया। उन्होंने साल 1984 की भयावह यादों को भी साझा किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि 1984 में जो घटनाएं हुईं, वह एक नरसंहार था, योजनाबद्ध तरीके से निर्दोष लोगों की हत्या थी, जिसमें हजारों निर्दोषों की जान गई। सरदार फूलका जी एवं उनकी पत्नी तो सिख नरसंहार में बच गए, लेकिन उनके अपने परिवार सहित कई लोगों ने दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में अपनों को खोया है। सरकार फूलका प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं, वरिष्ठ मानवाधिकार कार्यकर्ता भी हैं और साथ ही उन्होंने बाल अधिकार कार्यकर्ता के रूप में भी बड़े काम किये हैं। उनके भाजपा में शामिल होने से पार्टी को और मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि फूलका लंबे समय से मानवाधिकार से जुड़े मामलों में पीड़ितों का पक्ष रखते आये हैं। इस दौरान उन्होंने 70 से अधिक मामलों में कुल 250 से अधिक अपराधियों को सजा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1993 में जब दिल्ली में पहली बार भाजपा की सरकार बनी, तब मुख्यमंत्री स्वर्गीय मदन लाल खुराना ने सरदार फूलका जी को सलाहकार नियुक्त किया था, जिसके बाद सिख हिंसा मामले में न्याय की प्रक्रिया को गति मिली। इसी दौर में दिल्ली में पंजाबी भाषा को मान्यता मिली और पंजाबी समाज से जुड़े कई मुद्दों का समाधान हुआ।

केंद्र सरकार ने विशेष आर्थिक क्षेत्रों के लिए बढ़ाए एकमुश्त विशेष राहत उपाय

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) के लिए कुछ शुल्क लाभों के रूप में एकमुश्त विशेष राहत उपाय की घोषणा की है।

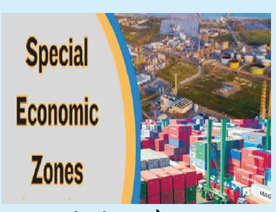

सरकार ने यह कदम वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच इन क्षेत्रों में स्थित इकाइयों को सहारा देने के उद्देश्य से उठाया है, जो आज से प्रभावी हो गया है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने केंद्रीय बजट 2026-27 में घोषित वैश्विक व्यापार व्यवधानों से जुड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्रों में पात्र इकाइयों को घरेलू टैरिफ क्षेत्र में रियायती सीमा शुल्क दरों पर निर्मित वस्तुओं की बिक्री के लिए एकमुश्त राहत उपाय पेश किया है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय बजट की घोषणा को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 25 के तहत जारी छूट अधिसूचना के माध्यम से लागू किया जा रहा है, जो विशेष आर्थिक इकाइयों द्वारा घरेलू टैरिफ क्षेत्र को भेजे गए निर्मित माल पर लागू होगी। यह 1 अप्रैल से 31 मार्च, 2027 तक प्रभावी रहेगी। वित्त मंत्रालय के मताबिक यह छूट केवल उन्हीं इकाइयों को मिलेगी, जिन्होंने 31 मार्च 2025 या उससे पहले वस्तुओं का उत्पादन शुरू कर दिया था।इस राहत योजना के अंतर्गत पात्र विशेष आर्थिक इकाइयों के लिए रियायती दरों का निर्धारण करते समय घरेलू टैरिफ क्षेत्र में कार्यरत इकाइयों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने का पूरा ध्यान रखा गया है। घरेलू उद्योग की सुरक्षा के लिए कुछ संवेदनशील क्षेत्रों को इससे बाहर रखा गया है। घरेलू टैरिफ क्षेत्र बिक्री पिछले तीन वित्तीय वर्षों में से किसी भी वित्तीय वर्ष में पिछले उच्चतम निर्यात प्रदर्शन के 30 फीसदी तक सीमित है। दरअसल, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पेश करते हुए एक एकमुश्त विशेष उपाय का प्रस्ताव किया था, ताकि एसईजेड की पात्र विनिर्माण इकाइयों को घरेलू शुल्क क्षेत्र (डीटीए) में रियायती शुल्क दरों पर बिक्री करने की सुविधा मिल सके। यह प्रस्ताव वैश्विक व्यापार में व्यवधान के कारण एसईजेड की विनिर्माण इकाइयों की क्षमता उपयोग से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के लिए लाया गया था। उन्होंने कहा था कि ऐसी बिक्री की मात्रा उनके निर्यात के एक निर्धारित अनुपात तक सीमित रहेगी।

विपक्ष के बहिर्गमन के बीच सीएपीएफ विधेयक राज्यसभा से पारित

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। विपक्ष के विरोध और बहिर्गमन के बीच बुधवार को राज्यसभा से केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) विधेयक, 2026 ध्वनिमत से पारित हो गया। इस विधेयक पर चर्चा के बाद जवाब देते हुए गृहराज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि इस बिल का मुख्य उद्देश्य सुरक्षा बलों की कार्य कुशलता और मनोबल को बढ़ाना है। यह विधेयक सीएपीएफ अधिकारियों की सेवा शर्तों में अस्पष्टताओं और प्रबंधन से जुड़ी चुनौतियों के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। गृह राज्यमंत्री ने कहा कि सीएपीएफ का दायरा निरंतर बढ़ रहा है। इनके संचालन में असुविधाएं देखने को मिल रही थी। यह विधेयक कमांड पर आधारित है। सीएपीएफ में प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्ति की व्यवस्था विकसित हुई है। इनके लिए एक स्पष्ट ढांचा उपलब्ध कराया जाए इसलिए यह बिल लाया गया है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के नियम वित्तीय लाभ की निरंतरता को सुनिश्चित करते हैं। यह विधेयक संघीय ढांचे को और मजबूत करता है। उन्होंने कहा ग्रुप ए के अधिकारियों को चार पदोन्नति मिलती है। इससे पहले राज्यसभा में दोपहर दो बजे सीएपीएफ विधेयक पर चर्चा की शुरुआत साकेत गोखले ने की। उन्होंने सीएपीएफ अधिकारियों की स्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा कि समान रैंक के सीएपीएफ अधिकारियों की तुलना में आईपीएस अधिकारियों का जीवन अधिक सुविधाजनक होता है। साकेत गोखले ने यह भी आरोप लगाया कि इन बलों के प्रमुख के रूप में आईपीएस अधिकारियों को लाकर इन पर राजनीतिक नियंत्रण चाहते हैं।सीएपीएफ (जनरल एडमिनिस्ट्रेशन) बिल के समर्थन में बोलते हुए भाजपा सांसद अजीत गोपछड़े ने कहा कि पहले जवानों को व्यवस्था से लड़ना पड़ता था लेकिन अब व्यवस्था जवानों के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी की सरकार उन समस्याओं का समाधान दे रही है, जहां पिछली सरकारों ने कमियां छोड़ी थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकारों के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा कमजोर हुई थी। अजीत गोपछड़े ने यह भी कहा कि जो लोग इस बिल का विरोध कर रहे हैं, वे राष्ट्रीय सुरक्षा से ज्यादा राजनीति की चिंता कर रहे हैं।

विधानसभा अध्यक्ष ने लोकसभाध्यक्ष सहित केन्द्रीय मंत्रियों से की मुलाकात

» राज्य के विकास एवं जनहित के मुद्दों पर की विस्तृत चर्चा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राजस्थान के विधानसभाध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने दिल्ली प्रवास के दौरान लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला, केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री श्री अर्जुनराम मेघवाल तथा राज्यसभा सांसद श्री मदन राठौड़ से शिष्टाचार मुलाकात कर विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत एवं सकारात्मक चर्चा की।

लोकसभाध्यक्ष श्री ओम बिरला से मुलाकात-श्री देवनानी ने लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला के साथ हुई भेंट के दौरान लोकतांत्रिक परंपराओं, संसदीय गरिमा एवं जनहित से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया। श्री देवनानी ने श्री बिरला को राजस्थान विधानसभा की प्रगति के प्रतीक स्वरूप संसदीय संस्कृति का उत्कर्ष नवाचारों के 2 वर्ष 'राजस्थान विधानसभा की दैनंदिनी' एवं 'सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि पुस्तक भेंट कीं।

केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से भेंट-विधानसभाध्यक्ष श्री देवनानी ने केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात के दौरान अजमेर के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। विधानसभा अध्यक्ष ने केन्द्रीय मंत्री से अजमेर में वंदे भारत कोच निर्माण कारखाना स्थापित करने का आग्रह करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र में औद्योगिक विकास को गति मिलने तथा युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होने की संभावना होगी। इसके अतिरिक्त उन्होंने श्री वैष्णव से अजमेर आईटी पार्क के विकास, विस्तार एवं उसमें निवेश को प्रोत्साहित करने हेतु भी मंत्री से सहयोग का अनुरोध किया गया।

केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री श्री अर्जुनराम मेघवाल और राज्यसभा सांसद श्री मदन राठौड़ से भेंट-श्री देवनानी ने केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री श्री अर्जुनराम मेघवाल और राज्यसभा सांसद श्री मदन राठौड़ से भेंट के दौरान लोकतांत्रिक मूल्यों, सुशासन एवं समसामयिक विषयों पर सार्थक संवाद किया।

फर्जी नो-एंट्री पास पर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस सख्त, दो मामलों में एफआईआर

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राजधानी में फर्जी नो-एंट्री परमिट के इस्तेमाल पर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है। पिछले दो हफ्तों में पूर्वी और मध्य ट्रैफिक रेंज में ऐसे दो मामले सामने आए हैं, जिनमें व्यावसायिक वाहन फर्जी पास के साथ चलते पाए गए। दोनों मामलों में क्रमशः गोकुलपुरी और वजीराबाद थानों में एफआईआर दर्ज कर वाहनों को जब्त कर लिया गया है।ट्रैफिक जोन-I की अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विजयांता गोयल आर्य ने बुधवार को बताया कि नो-एंट्री परमिट 32 श्रेणियों के वाहनों को जारी किया जाता है, जिनमें दूध, फल-सब्जी, खाद्यान्न, मांस, जमे हुए खाद्य पदार्थ, दवाइयां, ऑक्सीजन, एलपीजी, पानी और सार्वजनिक सेवाओं से जुड़े वाहन शामिल हैं। इन वाहनों को निर्धारित शर्तों के तहत ही शहर में प्रवेश की अनुमति दी जाती है। उन्होंने बताया कि कुछ वाहन चालक अवैध एजेंटों और दलालों के जरिए फर्जी पास बनवाकर नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। ऐसे मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल गंभीर अपराध है, जिसमें वाहन जब्ती के साथ आपराधिक मामला दर्ज किया जाता है।उन्होंने स्पष्ट किया कि दिल्ली ट्रैफिक पुलिस तीन प्रकार के नो-एंट्री पास जारी करती है। वार्षिक पास एक वर्ष के लिए वैध होता है, जिसकी आवेदन फीस 200 रुपये और पास शुल्क 500 रुपये है, जो केवल ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से जारी किया जाता है। अस्थायी पास तीन माह तक के लिए बिना शुल्क के ऑनलाइन जारी होता है, जबकि शॉर्ट टर्म पास एक सप्ताह तक के लिए संबंधित ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त कार्यालय से ऑफलाइन जारी किया जाता है। पुलिस ने बताया कि पास जारी करने में वाहन की श्रेणी, ईंधन मानक, रूट और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाता है। 10 साल से पुराने डीजल वाहनों को अनुमति नहीं दी जाती और सीएनजी व बीएस मानक वाले वाहनों को प्राथमिकता दी जाती है। ट्रैफिक पुलिस ने आम लोगों और ट्रांसपोर्टरों से अपील की है कि वे केवल आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से ही पास बनवाएं और किसी भी दलाल या एजेंट से दूर रहें।

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) ने अपने सदस्यों एवं छात्रों के लिए सुरक्षित एवं स्थानीयकृत क्लाउड समाधान उपलब्ध कराने की पहल की

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली: भारत – इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) ने अपने नवगठित बेनेफिशियरी स्कीम्स डायरेक्टरेट (BSD) के माध्यम से भारतक्लाउड के साथ एक सहयोग समझौता किया है, जिसके तहत देशभर के चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए) को सुरक्षित एवं स्थानीय रूप से होस्ट किए गए क्लाउड समाधान उपलब्ध कराए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य (आईसीएआई) के सदस्यों की डिजिटल अवसंरचना को सुदृढ़ करना है, जिससे उन्हें भारतीय नियमों के अनुरूप डेटा स्टोरेज एवं कंप्यूटिंग सेवाओं तक पहुंच मिल सके। इससे डेटा सॉवरेनिटी, प्राइवेसी एवं ऑपरेशनल एफिशिएंसी में वृद्धि सुनिश्चित होगी। यह साझेदारी (आईसीएआई) की उस सतत प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जिसके तहत वह अपने सदस्यों को आधुनिक तकनीकी उपकरणों से सुसज्जित कर उन्हें तेजी से डिजिटल होते वातावरण में उच्च गुणवत्ता वाली पेशेवर सेवाएं प्रदान करने में सक्षम बना रहा है। इस पार्टनरशिप के अंतर्गत आईसीएआई के सदस्यों को एआई-रेडी क्लाउड सर्विसेज स्पेशल प्राइसिंग बेनिफिट्स के साथ उपलब्ध कराई जाएंगी। ये प्लान्स सिंगल-यूज़र सीए फर्म्स से लेकर लार्ज सीए फर्म्स तक के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। सीए स्टूडेंट्स के लिए 3,000 का स्पेशल एनुअल सब्सक्रिप्शन निर्धारित किया गया है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) के अध्यक्ष, सीए प्रसन्ना कुमार डी ने कहा, "यह सहयोग हमारे सदस्यों को सुरक्षित एवं स्केलेबल क्लाउड समाधान प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। डिजिटल युग में पेशे के निरंतर विकास के साथ यह आवश्यक है कि सीए फर्म्स को ऐसी विश्वसनीय तकनीकी अवसंरचना उपलब्ध हो, जो डेटा सुरक्षा एवं राष्ट्रीय नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करे। यह पहल नवाचार को बढ़ावा देने के साथ-साथ पेशेवर अखंडता की रक्षा करने की आईसीएआई (ICAI) की सोच को दर्शाती है।" इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) के उपाध्यक्ष, सीए मंगेश पांडुरंग किनारे ने कहा, "हम इस पहल का समर्थन करते हुए प्रसन्न हैं, जो स्थानीयकृत क्लाउड सेवाओं को हमारे सदस्यों के और करीब लाती है। इससे आईसीएआई (ICAI) सदस्य अपनी उत्पादकता बढ़ा सकेंगे, संचालन को सुव्यवस्थित कर सकेंगे और अपने ग्राहकों को बेहतर सेवाएं प्रदान कर सकेंगे। यह सहयोग डिजिटल परिवर्तन को अपनाने और सदस्यों को आधुनिक तकनीकी समाधान उपलब्ध कराने की आईसीएआई (ICAI) की सक्रिय प्रतिबद्धता को दर्शाता है।"

प्रियंका गांधी बोलीं- असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा व उनका परिवार भ्रष्टाचार में डूबा हुआ

लोकतंत्र की शान, संवाददाता जीशान अली

नई दिल्ली: कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा है कि असम में भाजपा सरकार के शासन में जनता की योजनाओं का पैसा छीना जा रहा है और मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा व उनका परिवार भ्रष्टाचार में डूबा हुआ है। असम विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान प्रियंका गांधी ने नजीरा, तिंगखोंग और खोवांग में जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि एक परिवार पूरे प्रदेश को लूट रहा है। साथ ही खदान, जमीन समेत सब कुछ बड़े-बड़े उद्योगपतियों को सौंपा जा रहा है। सभाओं में उमड़ी जनता की भारी भीड़ के बीच कांग्रेस महासचिव ने प्रदेश की भाजपा सरकार को बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में लिप्त बताते हुए शारदा, एलसी हिल, गुवाहाटी स्मार्ट सिटी, फ्लाईओवर सहित कई घोटालों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि असम में चारों तरफ भ्रष्टाचार है। प्रदेश को माफिया और सिंडिकेट चला रहे हैं। कोयला, लकड़ी और पत्थर जैसे हर संसाधन पर माफिया का कब्जा है। छोटे से छोटा व्यापार करने के लिए भी पैसा देना पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में स्कूल बंद किए जा रहे हैं और शराब के ठेके खोले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सरमा सिर्फ भ्रष्टाचार में व्यस्त हैं; वे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केवल अपना स्वार्थ साधने में लगे हुए हैं। दोनों वही काम करते हैं, जिसमें उनका फायदा होता है। प्रियंका गांधी ने कहा कि असम की महिलाओं को सरकारी योजनाओं का लाभ देने के बदले जबरन भाजपा की रैलियों में ले जाया जा रहा है। उन्हें डराया जाता है कि अगर वे रैलियों में नहीं आएंगी, तो उनका नाम योजनाओं से काट दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह जनता का पैसा है, मुख्यमंत्री का नहीं और योजनाओं का लाभ बिना किसी शर्त के मिलना चाहिए।

भारत से मालदीव को मिली 2 हाई-स्पीड फेरी की सौगात

लोकतंत्र की शान

माले। भारत ने हाई इम्पैक्ट कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (एचआईसीडीपी) के तहत मालदीव को दो और हाई स्पीड फेरी की सौगात दी है, जो दोनों देशों के बीच सहयोग में एक अहम कदम है। फेरी सेवा मालदीव के द्वीपों के बीच परिवहन में क्रांतिकारी सुधार ला रही है। यह नेटवर्क न केवल निवासियों के लिए आवाजाही को आसान बना रहा है, बल्कि आर्थिक और पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा दे रहा है। मालदीव स्थित भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा भारत के 'हाई इम्पैक्ट कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट' के तहत, 10 करोड़ मालदीवियन रुपये की अनुदान सहायता से मालदीव के पर्यटन एवं पर्यावरण मंत्री थोरिक इब्राहिम ने 2 अतिरिक्त हाई-स्पीड आरटीएल फेरियों का उद्घाटन किया। यह 12 फेरियों और एक टर्मिनल की एक व्यापक परियोजना का हिस्सा है, जो भारत-मालदीव के मज़बूत सहयोग को दर्शाता है। इस पर मालदीव गणराज्य ने भारत सरकार का आभार व्यक्त किया। मालदीव के विदेश मंत्रालय ने एक्स पर लिखा एल. अटोल में आरटीएल फेरी सेवाओं का उद्घाटन हुआ। मालदीव में कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए सरकार के प्रयासों में एक और मील का पत्थर है। अब तक, जनवरी 2025 में हस्ताक्षरित एचआईसीडीपी चरण, एमओयू के तहत भारत के सहयोग से 12 में से 4 फेरियां डिलीवर की जा चुकी हैं। भारत ने अपनी 'पड़ोसी प्रथम' नीति के तहत मालदीव के साथ राज्जे ट्रांसपोर्ट लिंक (आरटीएल) परियोजना के अंतर्गत हाई-स्पीड फेरी सेवाएं शुरू की हैं। इसका उद्देश्य मालदीव के विभिन्न द्वीपों (एटोल्स) के बीच कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करना और स्थानीय मोबिलिटी व आजीविका को बेहतर बनाना है। इस प्रकार के सहयोग के साथ भारत हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में एक विश्वसनीय विकास भागीदार के रूप में अपनी भूमिका को और मजबूत कर रहा है। इससे पहले भारत और मालदीव के बीच सितंबर 2020 में सीधी कार्गो फेरी (पोत) सेवा शुरू की गई थी। यह कार्गो सेवा लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर भारत और मालदीव के बीच घनिष्ठ संबंधों को और मजबूत करने के लिए थी। भारत की ओर से दोनों देशों के बीच परिवहन को मजबूती देने के साथ ही मालदीव में एक से दूसरे द्वीप तक जाने के लिए शुरू की गई फेरी सर्विस भारत के समुद्री पड़ोसी के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यही नहीं, भारत मालदीव को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण, उपकरण और समुद्री सुरक्षा (जैसे- संयुक्त गश्त) में भी सहायता प्रदान करता रहा है।

उपराज्यपाल ने द्वारका में चल रही डीडीए परियोजनाओं की समीक्षा की

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने बुधवार को द्वारका में चल रही दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने क्षेत्र के दौरे के दौरान द्वारका में आयोजनों, व्यापार और संस्कृति के लिए एक प्रमुख वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित होने की अपार क्षमता को रेखांकित किया। यह जानकारी सोशल मीडिया अकाउंट एक्स 'लोक निवास दिल्ली' पर साझा की गई है। उपराज्यपाल ने दौरे के दौरान क्षेत्रों में बारिश के पानी की निकासी, हरित स्थानों के विस्तार, यूईआर-II के साथ सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी इनेबल्ड सर्विसेज (आईटीईएस) केंद्रों के विकास पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यशोभूमि और गोल्फ कोर्स जैसी ऐतिहासिक संपत्तियों को विश्व स्तरीय शहरी अवसंरचना के आधार के रूप में उजागर किया गया। उपराज्यपाल ने द्वारका की रणनीतिक कनेक्टिविटी और तेजी से विकसित हो रहे पारिस्थितिकी तंत्र पर जोर दिया। उन्होंने दिल्ली में वैश्विक संस्थानों, सम्मेलनों, प्रदर्शनियों और उच्चस्तरीय अंतरराष्ट्रीय आयोजनों को आकर्षित करने के लिए एक समग्र और समयबद्ध रोडमैप का आह्वान किया। इसके साथ ही नागरिक-केंद्रित, उच्च गुणवत्ता और टिकाऊ शहरी विकास सुनिश्चित करने भी बल दिया। उपराज्यपाल ने दौरे के दौरान अप्रत्याशित रूप से मेट्रो सफर को छोड़कर एक स्थानीय भोजनालय में पहुंचे और आर्मी कप में घुड़सवारी पदक जीतने के बाद जश्न मना रहे छोटे बच्चों के साथ भोजन किया। उपराज्यपाल ने बच्चों से बातचीत करते हुए राजधानी को लेकर उनकी आकांक्षाओं को सुना और उन्हें स्वस्थ रहने और अच्छा भोजन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

देश में तेल की कीमतें स्थिर, सरकार ने दिया पर्याप्त आपूर्ति का भरोसा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच केंद्र सरकार ने कहा है कि हमारे पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है और अगले दो महीनों के लिए क्रूड ऑयल आपूर्ति की पर्याप्त व्यवस्था कर ली है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बुधवार को अंतर मंत्रालयी प्रेसवार्ता में कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में मची उथल-पुथल के बीच भारत सरकार ने उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। उन्होंने कहा कि वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव के बीच ब्रेंट क्रूड की कीमतों में भारी उछाल के बावजूद भारत ने अपनी ईंधन और कृषि आपूर्ति श्रृंखला को पूरी तरह सुरक्षित रखा है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक गैस के संबंध में घरेलू उपभोक्ताओं और सीएनजी परिवहन के लिए 100 फीसदी आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। इसके अतिरिक्त भारत सरकार ने पीएनजी नेटवर्क का विस्तार करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि मार्च महीने में लगभग 3,25,000 कनेक्शनों को गैस की आपूर्ति की गई। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उतार-चढ़ाव से घरेलू उपभोक्ताओं को बचाने के लिए भारत सरकार ने ईंधन की कीमतों में किसी भी बढ़ोतरी को रोकने के लिए एक्साइज ड्यूटी कम कर दी है। इन कोशिशों के जरिए पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर रखी गई हैं, जिसके चलते सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस मार्केटिंग कंपनियों को दोनों ईंधनों पर नुकसान उठाना पड़ रहा है। शर्मा ने कहा कि घरेलू बाजार में एफटीए और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार ने एक्सपोर्ट लेवी भी लगाई है। नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे घबराहट में खरीदारी न करें। नागरिक उड्डयन मंत्रालय में संयुक्त सचिव असंगबा चुबा ने कहा कि आज सुबह पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की ओर से एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एफटीए) की कीमतों को लेकर एक बहुत ही महत्वपूर्ण घोषणा की गई। भारतीय विमानन उद्योग ने भारत सरकार के इस महत्वपूर्ण और रणनीतिक फैसले का स्वागत किया है, जिसके तहत घरेलू मार्गों पर चलने वाली घरेलू शेड्यूल्ड एयरलाइंस के लिए एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमतों में केवल 25 फीसदी की सीमित बढ़ोतरी लागू की गई है। भारतीय एयरलाइंस के लिए, कुल परिचालन खर्चों में ईंधन का हिस्सा आमतौर पर लगभग 40 फीसदी होता है। इस कदम से पूरे उद्योग पर छा सकने वाले एक संभावित संकट को टालने में मदद मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

4 अप्रैल दिल्ली जाने की हुई समीक्षा बैठक बहराइच जिला मंत्री विजय कुमार उपाध्याय की उपस्थिति में संपन्न हुई

लोकतंत्र की शान : देवेंद्र सिंह : सीतापुर, बिजवार स्थित शिक्षक भवन मे प्रदेश नेतृत्व के द्वारा भेजे गए बहराइच के जिला मंत्री विजय कुमार उपाध्याय की उपस्थिति में समीक्षा बैठक हुई। प्रांतीय उपाध्यक्ष- जिला अध्यक्ष रवींद्र दीक्षित ने कहा कि हमारे सभी ब्लॉकों के अध्यक्ष मंत्रियों ने 4 अप्रैल को दिल्ली रामलीला मैदान में टीईटी को जबरदस्ती थोपना के विरोध में टी.फ.आई के बैनर तले विरोध प्रदर्शन की तैयारी कर ली है। जिला मंत्री हंसराज वर्मा ने सभी ब्लॉकों के अध्यक्ष एवं मंत्रियों से कहा कि वह प्रयास करें की सुबह 5:00 बजे तक रामलीला मैदान अवश्य पहुंच जाए ताकि उन्हें जाम का सामना न करना पड़े व पार्किंग के लिए उन्हें जगह मिल सके। समीक्षा बैठक को लेने आए बहराइच के जिला मंत्री विजय कुमार उपाध्याय ने सभी ब्लॉकों के अध्यक्ष मंत्रियों से यह जानकारी ली कि उनके ब्लॉक के शिक्षक किस साधन से दिल्ली कूच करेंगे व उनकी संख्या नोट की । सभी ब्लॉक अध्यक्षों व उनके मंत्रियों ने दिल्ली जाने वाले शिक्षकों की संख्या दी व गाड़ी के नंबर नोट करवा। 4 अप्रैल को दिल्ली चलने को लेकर पदाधिकारियों में उत्साह है। सभी ब्लॉकों के अध्यक्ष मंत्री व पदाधिकारियों से दी गई संख्या को शत प्रतिशत दिल्ली पहुँचाने का संकल्प दिलाया गया। मंच का संचालन जिला संयुक्त मंत्री पुनीत शुक्ला "जीतू" ने किया। सीतापुर से दिल्ली जाने वाले शिक्षकों की संख्या हजारों में है जो की बस के द्वारा व अपने निजी साधन व ट्रेन से दिल्ली के लिए कूच करेंगे । इस समीक्षा बैठक में बहराइच से आए जिला उपाध्यक्ष चंद्रशेखर व सीतापुर जिले के सभी ब्लॉकों के अध्यक्ष व मंत्री एवं जिला कार्य समिति के पदाधिकारी उपस्थिति रहे।

दीपा सराय में विकास को मिली रफ्तार: चौधरी मुशीर अली खान के नेतृत्व में सांसद आवास से बल्ले की पुलिया तक सड़क निर्माण शुरू

लोकतंत्र की शान : सैय्यद कुमैल ज़ैदी : संभल। दीपा सराय क्षेत्र में विकास कार्यों ने अब तेजी पकड़ ली है। सांसद जियाउर्रहमान बर्क साहब के आवास से लेकर बल्ले की पुलिया तक सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ हो गया है, जिससे क्षेत्र की तस्वीर बदलने की उम्मीद जताई जा रही है। इस महत्वपूर्ण कार्य का निरीक्षण चेयरमैन पति संभल, चौधरी मुशीर अली खान द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और गति का बारीकी से जायज़ा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य को निर्धारित समय सीमा में और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। सड़क निर्माण के इस कार्य से स्थानीय लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी और क्षेत्र में विकास को नई दिशा मिलेगी। दीपा सराय में लंबे समय से सड़क की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। अब इस कार्य के शुरू होने से क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। लोगों का कहना है कि जिस तरह से लगातार नाले, सड़क और लाइट जैसी मूलभूत सुविधाओं पर कार्य हो रहा है, उससे क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव साफ दिखाई दे रहा है। यह सड़क निर्माण कार्य न केवल आवागमन को सुगम बनाएगा, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास को भी गति देगा। आने वाले समय में दीपा सराय एक विकसित और सुविधाजनक क्षेत्र के रूप में उभरकर सामने

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अवध प्रांत की प्रेसवार्ता

अब्दुल्लाह खान ब्यूरो चीफ सीतापुर ,महमूदाबाद सीतापुर : में आयोजित की गई। प्रेसवार्ता के दौरान संगठन के मंत्री अजय प्रताप शुक्ला ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 4-5 मई 2026 को प्रांत कार्यकारिणी बैठक का आयोजन सुनिश्चित किया गया है,उन्होंने बताया कि इस महत्वपूर्ण बैठक में अखिल भारतीय परिषदीय केंद्रीय कार्य समिति सदस्य, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, प्रांत अधिकारी, प्रांत सदस्य, संयोजक, प्रमुख, शाखा प्रमुख, महानगर मंत्री, महानगर अध्यक्ष, जिला प्रमुख, जिला संयोजक सहित संगठन के विभिन्न पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। बैठक के सफल संचालन के लिए व्यवस्था प्रमुख राहुल सिंह, यातायात प्रमुख अमन दीक्षित, तथा विभाग संगठन मंत्री अजय प्रताप शुक्ल,को विशेष जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं। यह प्रांत कार्यकारिणी बैठक महमूदाबाद के राम जानकी पैलेस, निकट सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल, रामपुर मथुरा रोड,में आयोजित की जाएगी।

सऊदी अरब में कमाने गए युवक की दो साल से नहीं मिली कोई खबर

महमूदाबाद सीतापुर से अब्दुल्लाह खान ब्यूरो चीफ : महमूदाबाद मे सऊदी कमाने गए एक युवक जिसका दो साल से कोई अता पता नहीं है परिवार परेशान रोता बिलखता परिवार, थक हारकर मायूस पिता ने डीएम राजा गणपति आर से लगाई गुहार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मुर्तजानगर मानापुर कोतवाली महमूदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने अपने इकलौते पत्र के सऊदी अरब में लापता होने के मामले को लेकर जिलाधिकारी से हस्तक्षेप की मांग की है। पिता का कहना है कि करीब दो साल से बेटे का कोई सुराग नहीं लग सका है, जिससे परिवार गहरी चिंता में है। मुर्तजानगर निवासी मुनव्वर पुत्र वारिस के अनुसार, उनका पुत्र आसिफ दिसंबर 2023 में रोजगार के लिए सऊदी अरब गया था, जहां वह मदीना की एक कंपनी में टेलर का कार्य कर रहा था। परिजनों के मुताबिक 10 जुलाई 2024 के बाद से उससे कोई संपर्क नहीं हो सका है और उसका कोई पता नहीं चल रहा है। पीड़ित ने बताया कि उन्होंने अपने स्तर से अन्य माध्यमों से जानकारी करने का प्रयास किया, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। इसके बाद विदेश मंत्रालय एवं भारतीय दूतावास को भी प्रार्थना पत्र भेजा गया, किन्तु अब तक कोई ठोस जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी है। मुनव्वर ने जिलाधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में पुत्र की तलाश कराए जाने हेतु संबंधित विभागों के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र समाधान कराने की अपील की है

रामपुर को मिला नया पुलिस कप्तान, एसपी सुमिदा मीणा संभालेंगी जिले की कमान

मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा: रामपुर जनपद में पुलिस प्रशासन में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। एसपी विद्यासागर मिश्रा के स्थानांतरण के बाद अब रामपुर की कमान नए पुलिस अधीक्षक सुमिदा मीणा को सौंपी गई है। बताया जा रहा है कि शासन द्वारा जारी आदेश के बाद एसपी सुमिदा मीणा जल्द ही रामपुर में कार्यभार ग्रहण करेंगी। नए एसपी के आने से जिले की कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के साथ-साथ अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और जनसुनवाई को लेकर नई रणनीति अपनाए जाने की उम्मीद की जा रही है। वहीं, पूर्व एसपी विद्यासागर मिश्रा के कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण अभियान चलाए गए, जिसमें अपराधियों पर सख्त कार्रवाई, जनसुनवाई व्यवस्था और पुलिसिंग में सुधार को लेकर कार्य किए गए। अब जिले की जनता की निगाहें नए एसपी सुमिदा मीणा पर टिकी हैं कि उनके नेतृत्व में रामपुर पुलिस किस दिशा में आगे बढ़ेगी।

SOMENDRA MEENA (SP ...

नजीबाबाद प्रीमियर लीग 2026 का शानदार आगाज़, युवाओं के जोश ने जीता दिल

» प्रत्याशी विधानसभा क्षेत्र 17 नजीबाबाद से खुर्शीद मंसूरी

» मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर सराहा आयोजन, PWD और अधिवक्ता टीम के बीच रोमांचक

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद : नजीबाबाद में आयोजित "नजीबाबाद प्रीमियर लीग 2026 – मेगा NPL क्रिकेट टूर्नामेंट" का माहौल उत्साह और जोश से सराबोर नजर आया। इस भव्य आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होकर खेल प्रेमियों और युवाओं के उत्साह को करीब से देखने का अवसर मिला, जो वास्तव में प्रेरणादायक रहा। टूर्नामेंट के दौरान मैदान पर खिलाड़ियों का जोश, खेल के प्रति समर्पण और खेल भावना देखते ही बन रही थी। हर खिलाड़ी अपनी टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने में जुटा नजर आया, जिससे पूरा वातावरण रोमांच से भर गया। आयोजकों द्वारा प्रतियोगिता को जिस भव्य और सुव्यवस्थित तरीके से आयोजित किया गया, वह काबिले तारीफ रहा। इस अवसर पर आयोजकों को बधाई देते हुए कहा गया कि ऐसे आयोजन न केवल युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच देते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करते हैं।

PWD और अधिवक्ता टीम के बीच हुआ रोमांचक मुकाबला-आज का मुख्य मुकाबला PWD टीम और अधिवक्ता टीम के बीच खेला गया, जिसमें दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। मैच के दौरान खिलाड़ियों ने अनुशासन और खेल भावना का बेहतरीन उदाहरण पेश किया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने जीत के लिए पूरा दमखम दिखाया, जिससे मुकाबला अंत तक रोमांचक बना रहा। मैदान पर हर गेंद और हर रन के साथ दर्शकों का उत्साह चरम पर पहुंचता नजर आया।

युवाओं के लिए प्रेरणा बन रहा टूर्नामेंट-इस मौके पर सभी खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी गईं और उम्मीद जताई गई कि ऐसे आयोजन भविष्य में भी लगातार होते रहेंगे। नजीबाबाद प्रीमियर लीग जैसे आयोजन युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर देते हैं और उन्हें प्रदेश व देश स्तर पर अपनी पहचान बनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

फार्मर रजिस्ट्री से जुड़ें सभी किसान, एकीकृत डिजिटल प्रणाली से मिलेगा योजनाओं का लाभ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लोकतंत्र की शान

लखनऊ :- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में फार्मर रजिस्ट्री को व्यापक स्तर पर लागू करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी किसानों का पंजीकरण प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि यथाशीघ्र प्रत्येक ग्राम पंचायत में विशेष शिविर आयोजित कर किसानों को फार्मर रजिस्ट्री से जोड़ा जाए, ताकि कोई भी पात्र किसान इस व्यवस्था से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार फार्मर रजिस्ट्री को कृषि क्षेत्र में एकीकृत लाभ वितरण प्रणाली के रूप में विकसित कर रही है। इसके अंतर्गत कृषि विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों की सभी लाभार्थीपरक योजनाओं को फार्मर रजिस्ट्री से जोड़ा जा रहा है, जिससे किसान को विभिन्न योजनाओं का लाभ एक ही पहचान के आधार पर सरल और व्यवस्थित तरीके से प्राप्त हो सके। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना सहित अन्य योजनाओं में यदि लाभार्थियों के नाम या अभिलेखों में कोई त्रुटि अथवा असंगति है तो उसे आधार से लिंक कर प्राथमिकता के आधार पर संशोधित किया जाए। साथ ही प्रत्येक पात्र किसान का किसान पहचान पत्र बनवाना सुनिश्चित किया जाए, जिससे योजनाओं के लाभ वितरण में किसी प्रकार की बाधा न आए और पात्रता का सत्यापन सुगम हो सके।

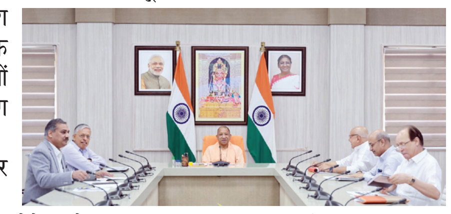

नई दिल्ली में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की ग्रामीण विकास पर हुयी महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय बैठक

लोकतंत्र की शान

लखनऊ/नई दिल्ली: उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय ग्रामीण विकास तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से आत्मीय भेंट कर प्रदेश में संचालित ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत एवं सार्थक चर्चा की। इस अवसर पर केंद्र एवं राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के स्वयं सहायता समूहों की दीदियों द्वारा निर्मित उत्कृष्ट उत्पाद केंद्रीय मंत्री को भेंट कर उनका अभिनंदन किया तथा इन उत्पादों के बेहतर विपणन, ब्रांडिंग एवं व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के विषय में विचार-विमर्श किया गया। केंद्रीय मंत्री ने प्रदेश सरकार के 'लखपति दीदी' अभियान के प्रयासों की सराहना की। बैठक में मनरेगा योजनांतर्गत श्रमिकों के पारिश्रमिक एवं अन्य देयताओं पर विस्तार से चर्चा की गई। केंद्रीय मंत्री द्वारा आश्वस्त किया गया कि प्रदेश को श्रमिकों के भुगतान हेतु धनराशि अतिशीघ्र उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही प्रशासनिक एवं मैटेरियल मद के भुगतान भी प्राथमिकता के आधार पर जारी किए जाएंगे। भुगतान प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी एवं तीव्र बनाने के उद्देश्य से प्रदेश में संचालित एस०एन०ए० स्पर्श प्रणाली को सुदृढ़ करने पर भी विचार-विमर्श हुआ।

मदीना मुनव्वरा में तीन दिवसीय 'उमराह फोरम' का शानदार समापन आज: लखनऊ की 'रियाज़ टूर एंड ट्रेवल्स' का वैश्विक मंच पर बजा डंका

लोकतंत्र की शान, अब्दुल्लाह खान रिपोर्टर

लखनऊ उत्तर प्रदेश : मदीना मुनव्वरा (सऊदी अरब)। मदीना की पवित्र धरती पर आयोजित तीन दिवसीय 'तीसरा उमराह एवं ज़ियारत फोरम' आज, 1 अप्रैल को अपने गौरवमयी समापन की ओर है। किंग सलमान इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में चल रहे इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में दुनिया भर की दिग्गज ट्रैवल कंपनियों ने हिस्सा लिया, जिसमें भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए लखनऊ की प्रतिष्ठित संस्था 'रियाज़ टूर एंड ट्रेवल्स प्राइवेट लिमिटेड' ने अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज कराई। मदीना के गवर्नर महामहिम राजकुमार सलमान बिन सुल्तान बिन अब्दुलअज़ीज़ अल सऊद के संरक्षण में आयोजित इस फोरम में रियाज़ टूर एंड ट्रेवल्स प्राइवेट लिमिटेड, लखनऊ के निदेशक सिराज अहमद और हेड ऑपरेशन्स उमैर नजम शाह को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। समापन के अवसर पर इन दोनों दिग्गजों ने अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों और सऊदी हज-उमराह मंत्रालय के आला अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय चर्चा में भाग लिया। सिराज अहमद और उमैर नजम शाह की इस फोरम में सक्रिय भागीदारी लखनऊ और उत्तर प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने उमराह और ज़ियारत के पारिस्थितिकी तंत्र को और अधिक सुगम और तकनीकी रूप से उन्नत बनाने की दिशा में अपने बहुमूल्य सुझाव साझा किए। मंत्रालय द्वारा आयोजित विभिन्न सत्रों के दौरान उन्होंने भारतीय तीर्थयात्रियों को मिलने वाली सेवाओं में गुणात्मक सुधार और आगामी उमराह सीजन 1448 हिजरी के लिए नई डिजिटल सुविधाओं पर गहन मंथन किया।

महमूदाबाद: अवैध कब्जों पर चला प्रशासन का बुलडोजर, तालाब और चकमार्ग की जमीन कराई गई मुक्त

लोकतंत्र की शान, अब्दुल्लाह खान ब्यूरो

महमूदाबाद (सीतापुर) अवैध अतिक्रमण के खिलाफ उत्तर प्रदेश सरकार के सख्त रुख के बीच, महमूदाबाद प्रशासन ने बुधवार शाम एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। नगर पालिका की टीम ने भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में बुलडोजर चलाकर सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराया।

प्रमुख कार्रवाई और स्थान- यह कार्रवाई मुख्य रूप से दो स्थानों पर की गई, जहाँ लंबे समय से अवैध निर्माण के जरिए सरकारी संपत्ति पर कब्जा किया गया था:

पुरानी बाजार क्षेत्र (तालाब): गाटा संख्या 748 पर स्थित तालाब की जमीन पर रिजवान (निवासी गुलरामऊ) द्वारा बनाई गई अवैध दीवार को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया।

चकमार्ग: पास ही स्थित चकमार्ग की भूमि पर सद्दन (निवासी संगत किला) द्वारा किए जा रहे अवैध निर्माण को भी प्रशासन ने गिरा दिया।

नोटिस के बाद भी नहीं हटा था अतिक्रमण- प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, इन दोनों अवैध कब्जों को लेकर संबंधित व्यक्तियों को पहले ही आधिकारिक नोटिस जारी कर चेतावनी दी गई थी। बावजूद इसके, अतिक्रमण नहीं हटाया गया। निर्देशों का पालन न होने पर अंततः नगर पालिका की टीम ने अधिशासी अधिकारी (ईओ) और लेखपाल की मौजूदगी में यह सख्त कदम उठाया।

प्रशासन की चेतावनी- कार्रवाई के बाद प्रशासन ने कड़ा संदेश देते हुए स्पष्ट किया कि: "सरकारी भूमि, विशेषकर तालाब और चकमार्ग पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अतिक्रमण हटाओ अभियान भविष्य में भी इसी तरह जारी रहेगा।" इस कार्रवाई से क्षेत्र के भू-माफियाओं और अवैध कब्जा करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है।

सशक्त समन्वय से खाद्य प्रसंस्करण को नई गति

लोकतंत्र की शान

लखनऊ/नई दिल्ली: उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्री चिराग पासवान जी से आत्मीय भेंट कर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के विकास, रोजगार सृजन एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के संबंध में विस्तृत एवं सार्थक चर्चा की। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन (पीएमएफएमई) योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए ऋण स्वीकृति एवं वितरण में देश में अग्रणी स्थान पर है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता, पारदर्शी कार्यप्रणाली एवं लाभार्थी केंद्रित दृष्टिकोण का परिणाम है। बैठक में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को और गति देने, लाभार्थियों तक अधिकतम पहुंच सुनिश्चित करने तथा सूक्ष्म उद्यमियों को तकनीकी एवं वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के विभिन्न आयामों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा देने और स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने के उपायों पर सकारात्मक चर्चा हुई।

रामपुर के लोकप्रिय कप्तान विद्यासागर मिश्रा का तबादला, जिले में भावुक माहौल

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर। जनता के दिलों में अपनी अलग पहचान बनाने वाले रामपुर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) विद्यासागर मिश्रा का तबादला होने के बाद जिले में भावुक माहौल देखने को मिला। एसपी विद्यासागर मिश्रा अपने कार्यकाल के दौरान अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था और जनसुनवाई को लेकर लगातार सक्रिय रहे, जिसके चलते उन्होंने आम जनता के बीच विशेष स्थान बना लिया था। विद्यासागर मिश्रा के तबादले की खबर जैसे ही सामने आई, वैसे ही जिले के विभिन्न क्षेत्रों में चर्चा तेज हो गई। कई सामाजिक संगठनों, व्यापार मंडलों और स्थानीय लोगों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने रामपुर में पुलिस व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए कई प्रभावी कदम उठाए। जनता का कहना है कि एसपी मिश्रा ने हमेशा जनता की समस्याओं को प्राथमिकता दी और पीड़ितों की सुनवाई करते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की। महिला सुरक्षा को लेकर मिशन शक्ति अभियान के तहत भी उनके निर्देशन में पुलिस ने लगातार जागरूकता कार्यक्रम चलाए, जिससे महिलाओं में सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ा।

पारस पब्लिक स्कूल में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, 200 के लगभग मरीजों को मिला इलाज और दवाइयों का लाभ

» ईएनटी विशेषज्ञों की टीम ने की जांच, जरूरतमंदों के लिए राहत भरा साबित हुआ शिविर

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद: के मौहल्ला कलालान स्थित पारस पब्लिक स्कूल में मंगलवार को एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 200 मरीजों ने पहुंचकर मुफ्त जांच, उपचार और दवाइयों का लाभ उठाया। सुबह से ही शिविर में मरीजों की भारी भीड़ देखने को मिली और लोगों ने बढ़-चढ़कर इसमें हिस्सा लिया। शिविर में विशेष रूप से ईएनटी (कान, नाक और गला) रोग विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम मौजूद रही, जिन्होंने मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श दिया। साथ ही जर्नल डोमेट्रली थेरपी के माध्यम से कई मरीजों का उपचार भी किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर की सबसे खास बात यह रही कि यहां आने वाले सभी मरीजों के लिए जरूरी जांच और दवाइयां पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। महंगे इलाज से जूझ रहे लोगों के लिए यह शिविर काफी राहत भरा साबित हुआ। शिविर में रजिस्ट्रेशन से लेकर जांच और दवा वितरण तक की व्यवस्था सुव्यवस्थित ढंग से की गई थी। अलग-अलग काउंटर बनाए गए थे, जहां मेडिकल स्टाफ द्वारा मरीजों को बेहतर सुविधाएं प्रदान की गईं। मरीजों ने भी शिविर की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें मुफ्त में जांच और दवाइयां मिलना काफी राहत देने वाला है। इस अवसर पर स्कूल की प्रधानाचार्या फरजाना परवीन, अध्यक्ष मोहम्मद सुलेमान और मैनेजर सुब्हान ने बताया कि उनका उद्देश्य अधिक से अधिक गरीब और जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी स्कूल प्रबंधन की ओर से ऐसे निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

हाजीपुर में ऑटो और पिकअप की टक्कर, 8 लोग घायल

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। हाजीपुर-पटना मुख्य मार्ग पर महात्मा गांधी सेतु पर एक भीषण सड़क हादसे में टेंपू और पिकअप सवार 8 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना एक ट्रक की टक्कर से हुई। सूचना मिलते ही गंगा ब्रिज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत हाजीपुर सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के बाद ट्रक चालक फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। घायलों की पहचान कर ली गई है, जिनमें विभिन्न जिलों के निवासी शामिल हैं। घायलों में बेलसर थाना क्षेत्र के चक तैवत गांव निवासी राधिका महतो के 35 वर्षीय पुत्र सुनील महतो शामिल हैं, जो लुधियाना से घर लौट रहे थे। काजीपुर थाथन थाना क्षेत्र के हरौली गांव के मनोज सिंह के 31 वर्षीय पुत्र राजकुमार सिंह दानापुर से अपने घर जा रहे थे। सारण जिले के नगरा थाना क्षेत्र के नगरा बाजार के राजा राम के 31 वर्षीय पुत्र नितेश कुमार भी घायलों में शामिल हैं। मुंगेर जिले के हापुर थाना क्षेत्र के तारापुर गनेली गांव के बटेश्वर सिंह के 34 वर्षीय पुत्र प्रभु कुमार अपनी बहन के यहां दिघवारा जा रहे थे। संबलपुर, ओडिशा के मोहम्मद बशीर के 30 वर्षीय पुत्र मोहम्मद परवेज, जो पिकअप चालक थे, अपने 6 वर्षीय पुत्र मोहम्मद रैयाजुद्दीन के साथ गोपालगंज में ससुराल जा रहे थे। सदर थाना क्षेत्र के मनुआ गांव के स्वर्गीय रामचंद्र सिंह के 28 वर्षीय पुत्र संजीव कुमार सूरत से आ रहे थे, और सीतामढ़ी के उमाशंकर दास के 17 वर्षीय पुत्र रहीश कुमार भी घायल हुए हैं। इसी बीच, सदर थाना क्षेत्र के दिग्घी के पास एक और सड़क हादसा हुआ। यहां एक ट्रक की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल को हाजीपुर सदर अस्पताल पहुंचाया। इस हादसे में घायल व्यक्ति की पहचान महुआ थाना क्षेत्र के कन्हौली निवासी लालमोहन साह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह रौशन टेबल्स के चालक हैं।

कमरे से संदिग्ध हालत में मिला नवविवाहिता का शव

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। हाजीपुर सदर थाना क्षेत्र के रामाशीष चौक के पास एक नवविवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में किराए के कमरे से बरामद किया गया। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया गया है। मृतका की पहचान कटहरा ओपी क्षेत्र के मुस्तफापुर गांव निवासी स्वर्गीय राम बालक दास की 18 वर्षीय बेटी बबली कुमारी के रूप में हुई है। नवविवाहिता के मामा राजेश कुमार दास ने बताया कि बबली की शादी 6 महीने पहले भगवानपुर थाना क्षेत्र निवासी स्वर्गीय सुरेश दास के पुत्र संतोष कुमार दास से हुई थी। शादी के कुछ दिनों बाद से ही बबली के ससुराल वाले अपाचे मोटरसाइकिल की मांग को लेकर उसे लगातार प्रताड़ित कर रहे थे और मारपीट भी करते थे। बबली ने फोन पर अपने मायके वालों को इस बारे में जानकारी दी थी। राजेश कुमार दास के अनुसार, बबली के ससुराल वाले सदर थाना क्षेत्र के रामाशीष चौक के पास किराए के मकान में रहते थे और सब्जी का कारोबार करते थे। मंगलवार शाम करीब 4 बजे स्थानीय लोगों से बबली की मौत की सूचना मिली। परिजन जब घटनास्थल पर पहुंचे, तो ससुराल के अन्य सदस्य फरार हो चुके थे। केवल सास घर पर मौजूद थी, जो परिजनों को देखकर भागने का प्रयास करने लगी। उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। बबली कुमारी दो बहनों और एक भाई में सबसे बड़ी थी।

बस ने रोड पर चल रहे व्यक्ति को रौंदा, घायल

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के हाजीपुर-छपरा मुख्य मार्ग पर मंगलवार दोपहर एक यात्री बस ने पैदल चल रहे एक राहगीर को कुचल दिया। यह घटना अनजानपीर चौक के पास हुई, जिसमें राहगीर गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने बस चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। यह हादसा उस समय हुआ जब आरा से पटना जा रही एक यात्री बस ने सड़क पर चल रहे राहगीर को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि राहगीर बुरी तरह घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने भागने की कोशिश कर रही बस का पीछा किया और चालक को पकड़ लिया। उन्होंने तुरंत डायल 112 और नगर थाने की पुलिस को सूचना दी। घायल को आनन-फानन में सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर कर दिया। सूचना मिलने पर नगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से बस और उसके चालक को हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार बस चालक की पहचान मोतिहारी जिले के गोविंदगंज थाना अंतर्गत अरेराज गांव निवासी पंका ठाकुर के पुत्र छोटू ठाकुर के रूप में हुई है। पुलिस चालक से घटना के संबंध में पूछताछ कर रही है।

युवक के हाथ को छूते हुए सीने में फंसी गोली

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले के करताहा थाना क्षेत्र के घटारो गांव में बदमाशों ने एक युवक को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। गोली की आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए, जिसके बाद बदमाश फरार हो गए। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। घायल युवक की पहचान घटारो गांव निवासी स्वर्गीय विनय सिंह के 20 वर्षीय पुत्र विवेक कुमार के रूप में हुई है। उसे पहले सदर अस्पताल हाजीपुर में भर्ती कराया गया, लेकिन गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हाजीपुर के एक निजी नर्सिंग होम में रेफर कर दिया गया, जहां उसका इलाज जारी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, विवेक का गांव के ही एक अन्य लड़के से लड़की को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते युवक को गोली मारी गई है। गोली विवेक के दाहिने हाथ को छूते हुए सीने में जा फंसी है। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई है। सदर एसडीपीओ-2 गोपाल मंडल ने बताया कि आपसी विवाद के कारण युवक को गोली मारी गई है। उन्होंने पुष्टि की कि गोली हाथ को छूते हुए सीने में फंसी है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

120 मीटर ऊंचे टावर पर चढ़ा युवक, कहा-मेरी गर्लफ्रेंड को बुलाओ, पुलिस बोली- नीचे आओ, 6 घंटे बाद उतरा

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में गर्लफ्रेंड से शादी करने की जिद में एक लड़का 120 मीटर ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गया। उसका कहना था कि वह अपनी गर्लफ्रेंड से शादी करना चाहता है, लेकिन लड़की की शादी कहीं और तय की जा रही है। वहां मौजूद लोगों ने जब लड़के से उतरने के लिए कहा, लेकिन वो नहीं माना। उसका कहना था कि पहले उसकी गर्लफ्रेंड को बुलाया जाए, तभी वहां उतरेगा। मोबाइल टावर पर चढ़ने के बाद उसने डायल 112 को फोन भी किया। उसने पुलिस से कहा, 'मेरी गर्लफ्रेंड की शादी कहीं और तय हो रही है। आपलोग मेरी गर्लफ्रेंड को लेकर आइए और उससे मेरी शादी तय करवाइए, तभी मैं नीचे उतरूंगा, नहीं तो कूदकर जान दे दूंगा। मामला मुजफ्फरपुर जंक्शन इलाके का है।' मौके पर पहुंची पुलिस ने लड़के से कहा, तुम नीचे आ जाओ, तुमको सीधा ससुराल ले चलेंगे। हम लिखकर देते है, पूरा प्रशासन तुमको लेकर चलेगा। लड़की के परिवार से हमलोग बात करेंगे। चंदा मिलाकर थाने में तुम्हारी शादी होगी।' टावर पर चढ़े युवक का नाम अनीश है। वह पारू धरफरी वार्ड नंबर 9 का रहने वाला है। वो एक महीने पहले ही मुंबई से अपने घर लौटा था। मंगलवार की देर शाम वह फिर से मुंबई जाने के लिए घर से निकला था, लेकिन बुधवार सुबह करीब 8 बजे वह जंक्शन के पास मोबाइल टावर पर चढ़ गया। बताया जा रहा है कि अनीश का प्रेम संबंध मुजफ्फरपुर के देवरिया की एक युवती से है। उसने कहा, "मेरी गर्लफ्रेंड को बुला दो। हम 6 महीने से एक दूसरे से प्यार करते हैं। मैं छठ पर अपने गांव गया था, वहां मेरी उससे मुलाकात हुई। इसके बाद हमारी बातचीत होने लगी। उसने मुझसे शादी का वादा किया था। वो शादी का वादा कर के मुकर रही है। उसने मुझसे झूठा वादा किया, अब उसकी बहन बोल रही है कि वो दूसरी जगह शादी कर रही है। सुबह हमारी बात हुई थी। वो नहीं मान रही थी। उसे बुलाने के लिए मैं टावर पर चढ़ा हूं। वो जब तक नहीं आएगी, मैं नहीं उतरूंगा। मेरी सभी जगह बदनामी हो चुकी है।"

पटना में बदमाशों ने छड़-गिट्टी के कारोबारी को मारी गोली

अपार्टमेंट की सीढ़ियों पर छिपे थे, पीछे से आवाज दी, मुड़ते ही 5 राउंड फायरिंग की

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना में जेडीयू विधायक श्याम रजक के करीबी को अपार्टमेंट में घुसकर बदमाशों ने गोली मार दी। घायल की पहचान दिलीप कुमार(40) के रूप में हुई है। दिलीप छड़-गिट्टी का कारोबार करते हैं। बदमाशों ने पांच राउंड फायरिंग की। दिलीप को एक गोली पेट में लगी है। दूसरी गोली हाथ को छूती हुई निकल गई। घटना शास्त्रीनगर थाना इलाके के जीएस इंक्लेव की है। इस वारदात का 2 मिनट 5 सेकेंड का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे 2 बदमाश हेलमेट लगाए अपार्टमेंट की सीढ़ियों के पास छिपकर बैठे हैं। जैसे ही दिलीप सीढ़िओं पर चढ़ते हैं। बदमाश पीछे से आवाज देते हैं और गोली चला देते हैं। एक गोली दिलीप के पेट में लगी है। वो अंदर की तरफ भागते हैं। बदमाश भी उनके पीछे दौड़ते हैं और 4 गोली और दिलीप को निशाना बनाकर चलाते हैं, लेकिन बदमाशों का निशाना चूक जाता है।

कारोबारी दिलीप कुमार मंगलवार की रात करीब 9.30 बजे अपने दफ्तर से अपार्टमेंट पहुंचते हैं। वो बताते हैं कि, जैसे ही मैं सीढ़ी चढ़कर फ्लैट की ओर बढ़ रहे थे, पहले से घात लगाए दो युवक आए और उसमें से एक ने मुझे पीछे हाथ से नॉक करता है। मैं देखने के लिए पीछे मुड़ा तब तक उसने गोली मार दी। मैं ऊपर की ओर जान बचाने के लिए भागा, लेकिन एक बदमाश पिस्टल लेकर पीछा करता रहा। एक मेरे पीछे-पीछे पिस्टल लेकर बढ़ा। कुछ सीढ़ी चढ़ने के बाद फिर वह वापस लौटकर फायरिंग करते भाग गया। घटना के बाद उन्हें तुरंत रुबान हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

दिलीप कुमार 'एमपी इंजिकॉन' कंपनी चलाते हैं, जिसका दफ्तर बोरिंग रोड स्थित कुमार टावर में है। उनकी कंपनी बड़ी निर्माण कंपनियों को मैटेरियल सप्लाई करती है। एमपी इंजीकौन एसपी सिंगला जैसी बड़ी-बड़ी कंपनियों में छड़ गिट्टी की सप्लाई देती है। दिलीप, जदयू विधायक श्याम रजक के अच्छे मित्र हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद श्याम रजक भी उन्हें देखने आए हैं।

कंस्ट्रक्शन मैटेरियल सप्लाई करते हैं कारोबारः अस्पताल पहुंचे दिलीप के पार्टनर रवि कुमार ने बताया कि, 'दफ्तर से दिलीप सीपी ठाकुर रोड नंबर 2 शिवपुरी स्थित G.S इंक्लेव अपार्टमेंट में आ रहे थे। तभी बदमाशों ने उनके ऊपर फायरिंग कर दी। हमारी कंपनी एसपी सिंगला जैसी बड़ी-बड़ी कंपनियों को मैटेरियल सप्लाई करती है। मुख्य काम भवन, पुल, पुलिया, आदि कंस्ट्रक्शन में मैटेरियल सप्लाई करने का है।' पुलिस सूत्रों का कहना है कि कुछ बिल्डर से हिसाब किताब में रुपए लेनदेन को लेकर देरी चल रही थी, जिसको लेकर विवाद चल रहा था। फिलहाल, इस एंगल से भी पुलिस छानबीन कर रही है। आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। जल्द से जल्द अपराधियों को पकड़ लिया जाएगा।

लंबित कांडों में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई, 144 अनुसंधानकर्ताओं व 5 पुलिस पदाधिकारियों का वेतन रोका गया

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः सहरसा पुलिस द्वारा लंबित कांडों के समय पर निष्पादन में लापरवाही बरतने वाले पुलिस पदाधिकारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाया गया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विभिन्न थानों में लंबित मामलों की समीक्षा के दौरान गंभीर अनियमितताएं सामने आने पर कुल 144 अनुसंधानकर्ताओं एवं 5 पुलिस निरीक्षक-सह-पदाधिकारियों का वेतन अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि कई थानों में तैनात अनुसंधानकर्ताओं द्वारा कांडों का समय पर निष्पादन नहीं किया जा रहा था, जिससे न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित हो रही थी और आम जनता को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए पुलिस प्रशासन ने यह कड़ी कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि सभी संबंधित पदाधिकारी लंबित कांडों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन को सुनिश्चित करें। साथ ही चेतावनी दी गई है कि भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर

और भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। यह कदम पुलिस प्रशासन द्वारा कार्य में पारदर्शिता, जवाबदेही और विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

पटना के फेमस डॉक्टर से मांगी 10 लाख की रंगदारी

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना में चर्चित चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉक्टर से रंगदारी मांगी गई है। जक्कनपुर थाना क्षेत्र के मीठापुर स्थित जन चिकित्सा हॉस्पिटल के डॉक्टर अभिषेक कुमार सिंह से फोन कर 10 लाख रुपये की डिमांड हुई है। वहीं, रकम नहीं देने पर उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई है। इस घटना के बाद डॉक्टर और उनके परिजनों में खौफ का माहौल है। इस मामले में पीड़ित डॉक्टर अभिषेक सिंह ने जक्कनपुर थाना में लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई है।

फोन कर दी धमकी, गाली-गलौज भीः पीड़ित डॉक्टर अभिषेक सिंह के अनुसार, 30 मार्च 2026 की रात करीब 8:52 बजे एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन किया था। कॉल करने वाले ने खुद को दबंग बताते हुए 10

❒ रकम नहीं देने पर जान लेने की धमकी दी, कॉल पर गाली-गलौज किया, 2 अस्पताल के हैं डायरेक्टर

लाख रुपये की मांग की। विरोध करने पर आरोपी ने गाली-गलौज की और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। डॉक्टर ने बताया कि कॉल काटने के बाद भी उसी नंबर से लगातार कॉल आने लगे, लेकिन उन्होंने दोबारा फोन रिसीव नहीं किया।

उर्वरक जमाखोरी पर सख्ती, PNG कार्यों में तेजी लाने के निर्देश -प्रभारी सचिव ने की व्यापक समीक्षा

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः जिलांतर्गत आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं की उपलब्धता, प्रवासी श्रमिकों के हितों की सुरक्षा तथा अन्य समसामयिक बिंदुओं को लेकर आज प्रभारी सचिव श्री नर्मदेश्वर लाल (भा.प्र.से.), प्रधान सचिव, कृषि विभाग की अध्यक्षता में विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उर्वरक की उपलब्धता, LPG गैस सिलेंडर वितरण एवं PNG कनेक्शन कार्यों की प्रगति पर विशेष रूप से चर्चा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि जिले में कृषि कार्यों के लिए उर्वरक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। प्रभारी सचिव ने निर्देश दिया कि किसान आवश्यकता अनुसार ही उर्वरक की खरीद करें तथा किसी भी प्रकार की जमाखोरी या कालाबाजारी को सख्ती से रोका जाए। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निगरानी सुनिश्चित करने तथा किसी भी अनियमितता के संज्ञान में आने पर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। LPG गैस सिलेंडर वितरण की स्थिति पर

जिलाधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि वितरण व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए कार्यरत एजेंसियों के अनुरूप स्टैटिक दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों की तैनाती की गई है। उनके पर्यवेक्षण में उपभोक्ताओं को निर्बाध सेवा प्रदान की जा रही है। आम नागरिकों की शिकायतों के त्वरित निवारण के लिए जिला नियंत्रण कक्ष (06478-222753) लगातार कार्यरत है। प्रभारी सचिव ने इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के भी निर्देश दिए। PNG कनेक्शन कार्यों की समीक्षा में बताया गया कि जिले में लगभग 65 किलोमीटर क्षेत्र में कार्य 15 अप्रैल तक पूर्ण होने की संभावना है, जबकि शेष लगभग 300 किलोमीटर क्षेत्र में कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के लिए संबंधित एजेंसी को युद्ध स्तर पर कार्य करने का सख्त निर्देश दिया गया है। साथ ही अधिकाधिक लोगों को PNG कनेक्शन का लाभ मिले, इसके लिए जागरूकता अभियान चलाने पर बल दिया गया। बैठक में जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार, पुलिस अधीक्षक श्री हिमांशु, उप विकास आयुक्त श्री गौरव कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

LPG आपूर्ति सामान्य, PNG कार्य में तेजी-जिले में कालाबाजारी पर सख्ती और 24x7 निगरानी व्यवस्था लागू

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः पश्चिम एशिया में उत्पन्न वैश्विक परिस्थितियों के मद्देनज़र जिले में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता, प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षा एवं अन्य महत्वपूर्ण विषयों को लेकर समाहरणालय, सहरसा में प्रभारी सचिव श्री नर्मदेश्वर लाल (IAS), प्रधान सचिव, कृषि विभाग-सह-प्रभारी सचिव की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में LPG गैस आपूर्ति की स्थिति को संतोषजनक बताया गया। जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि सभी गैस एजेंसियों को होम डिलीवरी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कालाबाजारी रोकने के लिए प्रत्येक गैस एजेंसी पर दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। वर्तमान में जिले में प्रतिदिन लगभग 5,820 सिलेंडरों की आपूर्ति हो रही है, जबकि 17,885 सिलेंडरों का स्टॉक उपलब्ध है, जो लगभग 3.3 दिनों की आवश्यकता के बराबर है। उपभोक्ताओं में किसी प्रकार की घबराहट न फैले, इसके लिए जिला आपूर्ति कार्यालय द्वारा नियमित ब्रीफिंग जारी की जा रही है तथा एक सक्रिय कंट्रोल रूम भी स्थापित किया गया है। PNG कनेक्शन कार्यों की प्रगति पर चर्चा करते हुए बताया गया कि रेलवे क्रॉसिंग के पूर्वी हिस्से में कार्य पूर्ण हो चुका

है और करीब 2,400 उपभोक्ताओं को कनेक्शन दिया जा चुका है। इस कार्य को 15 अप्रैल 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित है। वहीं पश्चिमी हिस्से में कार्य प्रारंभ करने के लिए समस्तीपुर DRM से वार्ता की गई है, जहां से 7 दिनों के भीतर NOC मिलने की संभावना है। इस क्षेत्र के लिए 15 मई 2026 की समयसीमा तय की गई है। प्रवर्तन कार्रवाई के तहत अब तक 301 अवैध गैस सिलेंडर जब्त किए गए हैं तथा दोषियों के विरुद्ध 5 प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्रभारी सचिव ने निगरानी तंत्र को और मजबूत करते हुए जिला नियंत्रण कक्ष को 24x7 संचालित रखने के निर्देश दिए हैं। खाद एवं कृषि क्षेत्र की समीक्षा में बताया गया कि गेहूं, मक्का और तरबूज की खेती में वृद्धि के कारण यूरिया की मांग में करीब 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। मिट्टी के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यूरिया के संतुलित उपयोग और किसानों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही रबी फसल के स्टॉक की अवैध ढुलाई पर रोक लगाने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में सख्त निगरानी बढ़ाई गई है।

पटना में बंधक बनाकर नाबालिग से रेप, आरोपी गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना में नाबालिग के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी पर 12 वर्षीय बच्ची को बहला-फुसलाकर बंधक बनाकर दो बार रेप करने का आरोप है। पीड़िता मंगलवार को अपने परिजनों के साथ महिला थाना पर शिकायत दर्ज करने पहुंची थी, जहां आरोपी पक्ष के भी लोग पहुंच गए। इस दौरान थाने के बाहर और अंदर समझा बुझाकर मामले को रफा-दफा करने का प्रयास किया गया।

समझौता करने 1 से 10 लाख देने का दिया प्रलोभनः आरोपी के बचाव में उसकी मां और बहन भी थाने पर आई थी। समझौता के लिए 1 लाख से लेकर 10 लाख रुपए तक का प्रलोभन दिया गया। लेकिन पीड़िता अपने स्टेटमेंट पर कायम रही। पीड़िता की ओर से थाने पर लिखित शिकायत की गई। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने जिला सदर अस्पताल गर्दनीबाग में उसका मेडिकल कराया। पीड़िता की ओर से थाने में शिकायत दर्ज कराई

♦ पीड़िता महिला थाना पहुंची, आरोपी पक्ष ने की 10 लाख देकर सेटलमेंट की कोशिश

गई है। आवेदन के मुताबिक, मसौढ़ी का रहने वाला प्रिंस कुमार (32 वर्ष) उनकी नाबालिग बेटी (12 वर्ष) को बहला फुसलाकर मीठापुर बाईपास भूपतीपुर स्थित रेंट के मकान में ले गया। वहां दो बार 16 मार्च और 19 मार्च को उसके साथ रेप किया। फिर बच्ची को डराया कि इस बात की जानकारी किसी को मत देना। इसके बाद मांग में सिंदूर भी भर दिया। पीड़िता की मां ने बताया कि, 'मांग में सिंदूर देखने के बाद जब मैंने बेटी से पूछा तो उसने सारी घटना की जानकारी दी।

नहर में अधेड़ महिला का शव मिला, तीन दिनों से घर से लापता

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना के पालीगंज थाना क्षेत्र के कुरकुरी गांव में बुधवार सुबह एक अधेड़ महिला का शव नहर से बरामद बरामद किया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटनास्थल से पुलिस को कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिलने से पुलिस जांच में जुटी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि, सुबह खेत की ओर जाते समय नहर में महिला का शव देखा गया। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

रामपुर नगमा गांव की है महिलाः मृतक अधेड़ महिला की पहचान पालीगंज थाना क्षेत्र के रामपुर नगमा गांव निवासी सोहराई भगत की 80 वर्षीय पत्नी सीतापति के रूप में

हुई है। वह पिछले तीन दिनों से घर से लापता थी। वह मानसिक रूप से बीमार भी चल रही थी। आज खबर चलने के बाद परिवार के लोग घटनास्थल में पहुंचे और पहचान की।

मामले को लेकर राजीव चंद्र सिंह (डीएसपी-1, पालीगंज) ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची है। फॉरेंसिक जांच के लिए FSL टीम को भी बुलाया गया है। फिलहाल, पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि मामला हत्या का है या फिर कोई हादसा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

बिहार में खनन सेक्टर में निवेश के नए मौके

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार में खनन और राजस्व व्यवस्था को लेकर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने आज प्रेसवार्ता करते हुए कई अहम दावे और घोषणाएं कीं। उन्होंने साफ कहा कि, पहले खनन विभाग पर बाहुबलियों का दबदबा रहता था, लेकिन अब यह विभाग "भय" से निकलकर पूरी तरह "राजस्व आधारित" व्यवस्था में बदल चुका है।

राजस्व में दोगुना उछाल, 3592 करोड़ का आंकड़ा पारः विजय सिन्हा ने बताया कि, वित्तीय वर्ष समाप्त होने के बाद कुल 3592 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल हुआ, जिसे उन्होंने "नया इतिहास" बताया। राज्य के 21 जिलों ने 100% लक्ष्य हासिल कर इस उपलब्धि में अहम योगदान दिया।

अवैध खनन पर सख्ती, 78 घाटों को किया सरेंडरः डिप्टी सीएम ने बताया कि, बिहार में फिलहाल 473 बालू घाट संचालित हो रहे हैं। वहीं, 78 घाटों को संचालकों द्वारा सरेंडर कर

दिया गया, जिससे करीब 600 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। ये घाट अधिक बोली लगाकर अवैध खनन के उद्देश्य से लिए गए थे, लेकिन सख्ती बढ़ने के बाद इन्हें छोड़ना पड़ा। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि सरेंडर करने वाले ऐसे लोगों को भविष्य में किसी भी टेंडर प्रक्रिया में

❒ विजय सिन्हा बोले- राजस्व में दोगुना उछाल, 3592 करोड़ का आंकड़ा पार, रोहतास-बांका में ब्लॉक नीलामी

शामिल नहीं किया जाएगा।

बाहरी खनिज पर सख्त नियमः विजय सिन्हा ने एक बड़ा फैसला लेते हुए कहा कि, 'अब दूसरे राज्यों से बालू या अन्य खनिज लाने वाले वाहनों के लिए ट्रांजिट पास अनिवार्य होगा। नियम का उल्लंघन करने पर 25 गुना तक जुर्माना लगाया जाएगा।'

पत्थर खनन के लिए नई योजनाः सरकार ने पत्थर खनन को व्यवस्थित करने के लिए 30 स्थानों का चयन किया है। जल्द ही इन क्षेत्रों के लिए नई नीति और प्रक्रिया की घोषणा की जाएगी। डिप्टी CM ने कहा कि इन सभी कदमों से न केवल राजस्व में वृद्धि होगी, बल्कि अवैध खनन पर भी प्रभावी नियंत्रण संभव होगा।

संक्षिप्त समाचार

यमुनानगर : जिले में पेट्रोल, डीजल और गैस की पर्याप्त उपलब्धता, अफवाहों से दूर रहने की अपील

लोकतंत्र की शान : यमुनानगर। यमुनानगर जिले में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी आवश्यक ईंधन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं और नागरिकों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। उपायुक्त प्रीति ने बताया कि जिले में गैस एजेंसियों द्वारा घरेलू उपभोक्ताओं को नियमित रूप से गैस सिलेंडर की आपूर्ति की जा रही है। बुकिंग के बाद दो से तीन दिनों के भीतर सिलेंडर की डिलीवरी सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे केवल आवश्यकता के अनुसार ही गैस बुक करें और अनावश्यक रूप से भीड़ एकत्रित न करें। उन्होंने कहा कि अफवाहों के कारण अनावश्यक दबाव उत्पन्न होता है, जिससे वितरण व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। इसलिए आमजन किसी भी प्रकार की भ्रामक जानकारी पर ध्यान न दें और संयम बनाए रखें। उपायुक्त ने वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के उपयोग पर भी बल दिया। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक पीएनजी गैस, इंडक्शन चूल्हे और सौर ऊर्जा आधारित कुकिंग सिस्टम अपनाने का आग्रह किया, ताकि एलपीजी पर निर्भरता कम हो और सभी उपभोक्ताओं को समय पर आपूर्ति मिल सके। जनसुविधा के लिए उपायुक्त कार्यालय में एक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। नागरिक सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक दूरभाष नंबर 01732-237800 पर संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए संबंधित विभाग के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग नियमों के विरुद्ध है। इस पर निगरानी के लिए जिले में सात टीमें सक्रिय हैं, जो लगातार निरीक्षण कर रही हैं। नियमों का उल्लंघन करने पर सिलेंडर जब्त किए जाने सहित सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यमुनानगर: सड़क हादसे में युवक की मौत, मां-बेटा गंभीर

लोकतंत्र की शान : यमुनानगर। यमुनानगर शहर में तेज गति और लापरवाही के चलते हुए सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। रादौर रोड पर हुए दुर्घटना में एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि उसकी मां और नाबालिग पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान मोहम्मद हसन निवासी यमुनानगर के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोहम्मद हसन अपनी मां और बेटे के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर रिश्तेदारी में जा रहे थे। इसी दौरान रादौर रोड पर एक अज्ञात ट्रैक्टर-ट्रॉली ने पीछे से तेज रफ्तार में आकर उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक अनियंत्रित होकर आगे चल रहे एक ऑटो से जा टकराई। इस हादसे में तीनों वाहन आपस में उलझ गए, जिससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास के लोगों ने तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने युवक की हालत गंभीर देखते हुए उसे उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घायल मां और पुत्र का इलाज जारी है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम अस्पताल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी। परिजनों की शिकायत के आधार पर वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के लिए जिम्मेदार चालक की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं और जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

भारत-पाकिस्तान अटारी-बाघा सीमा पर रिट्रीट सेरेमनी का समय बदला

लोकतंत्र की शान : चंडीगढ़। भारत-पाकिस्तान अटारी-बाघा सीमा पर रिट्रीट सेरेमनी के समय में बुधवार से बदलाव कर दिया गया। यहां रोजाना हजारों की संख्या में देश के विभिन्न हिस्सों से लोग पहुंचते हैं। इस बदलाव के बाद उम्मीद है कि लोग समय से पहुंचकर इस अद्भुत दृश्य का आनंद ले पाएंगे। बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी भारत और पाकिस्तान के सैनिकों द्वारा की जाने वाली एक विशेष परंपरा है, जिसमें जोश, अनुशासन और देशभक्ति की झलक देखने को मिलती है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने लोगों से अपील की है कि वे समय का विशेष ध्यान रखें और निर्धारित समय से पहले ही पहुंचकर अपनी सीट सुनिश्चित करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो। नए नियम के अनुसार अब रिट्रीट सेरेमनी शाम 5:30 बजे से शुरू होकर 6:00 बजे तक चलेगी। इससे पहले रिट्रीट सेरेमनी 5 बजे शुरू होकर साढ़े 5 बजे खत्म होती थी। मौसम और दिन की घटती-बढ़ती रोशनी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने यह फैसला लिया है। अधिकारियों का कहना है कि दर्शकों को बेहतर अनुभव देने और सुरक्षा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए समय में यह बदलाव जरूरी था। रिट्रीट का नया समय 1 अप्रैल से लागू कर दिया गया है।

यूरोप भेजने का झांसा, किर्गिस्तान में फंसाया: पलवल के युवक से 10 लाख की ठगी, पासपोर्ट भी जब्त

लोकतंत्र की शान : पलवल। विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी का एक गंभीर मामला सामने आया है। यूरोप भेजने का झांसा देकर एक युवक से 10 लाख रुपये ठग लिए गए और उसे किर्गिस्तान भेजकर वहां फंसा दिया गया। शहर थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी प्रकाशचंद ने बुधवार को बताया कि अगवानपुर गांव निवासी दीक्षांत ने रेवाड़ी रेंज के आईजी को शिकायत दी है। पीड़ित ने बताया कि वह विदेश में नौकरी कर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारना चाहता था। इसी दौरान उसकी मुलाकात उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के मोह सराय जोका सिंह गांव निवासी आनंद से हुई। आरोप है कि आनंद ने खुद को बड़ा सर्विस प्रोवाइडर बताते हुए दीक्षांत को यूरोप में ड्राइवर की नौकरी दिलाने का झांसा दिया और प्रतिमाह एक लाख रुपये वेतन का वादा किया।

गांजा की खेती करने वाला आरोपी पकड़ाया

» मुखबिर की सूचना पर चुरहट पुलिस ने की कार्रवाई

लोकतंत्र की शान

सीधी। चुरहट पुलिस ने खेत में उगाए गए गांजा के दो हरे पौधों को वैधानिक कार्रवाई के पश्चात बरामद किया है। जप्त किए गए पौधों का वजन 5 किलो 500 ग्राम कीमती 77 हजार रुपए है। पुलिस के अनुसार मुखविर से मिली सूचना पर 30 मार्च 2026 को पुलिस टीम द्वारा ग्राम परसवार में मो. कलीम पिता मो. रसूल निवासी वार्ड क्रमांक 4 के कब्जे वाले खेत पर दबिश दी गई। विवेचना के दौरान मालूम पड़ा कि मो. कलीम द्वारा रत्नाकर सिंह के खेत को अधिया में लेकर कृषि कार्य किया जा रहा था। फसलों की खेती के बीच में उसके द्वारा अवैध रूप से गांजा की खेती भी की गई थी। जांच के दौरान गांजा के दो हरे पौधे खेत में मिले। जिनका परीक्षण किया गया तो वह गांजा के थे। कार्रवाई की वीडियोग्राफी कराते हुए गांजा के हरे पौधों को बरामद किया गया है। बरामद किए गए गांजा के दोनो पौधों का तौल पंचनामा के दौरान कराया गया। जिनका वजन 5 किलो 500 ग्राम मिला। जप्त किए गए गांजा को सफेद कपड़े में लपेटकर जप्ती की कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई थाना प्रभारी दीपक सिंह बघेल के नेतृत्व में की गई। आरोपी के विरुद्ध स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम 1985 की धारा 8, 20(ए) स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम 1985 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। इस कार्यवाही में प्रधान आरक्षक 357 धीरेंद्र बागरी, प्रधान आरक्षक 406सुधा सिंह , आरक्षक 279विवेक द्विवेदी, आरक्षक455 विजय साकेत, मय अधिग्रहीत वाहन mp17zc 9856 मय विवेचना किट प्रभात ग्रस्त हेतु रवाना कायमी करता मनोज कुमार प्रजापति सहायक उप निरीक्षक शामिल रहें।

उत्कृष्ट उपलब्धिः दिल्ली विश्वविद्यालय से प्राची तिवारी को पीएचडी की उपाधि

(ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट) लोकतंत्र की शान

सीधी। समाजसेवी उमेश तिवारी की भतीजी एवं भाजपा नेता वरिष्ठ अधिवक्ता शत्रुघ्न तिवारी की सुपुत्री प्राची तिवारी को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। पीएचडी में शोध प्रबंध का विषय प्रारम्भिक स्त्री कथा लेखन का समाजशास्त्रीय अध्ययन (सन् 1900 से 1950 तक) था। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के 102वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि माननीय उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन एवं कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह की अध्यक्षता में डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई। डॉ. प्राची ने अपनी शैक्षणिक यात्रा में उत्कृष्ट विद्यालय सीधी से बारहवीं तक की शिक्षा ग्रहण की, फिर दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के प्रतिष्ठित हिंदू कॉलेज से बीए एवं एमए पूरा किया। एमए (हिंदी) में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। एमए के दौरान ही प्राची ने यूजीसी द्वारा आयोजित नेट एवं जेआरएफ परीक्षा भी उत्तीर्ण की।और दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के हिंदी विभाग से एमफिल और पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। वर्तमान में वे दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में अतिथि प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं साथ ही दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) से पोस्टडॉक कर रही हैं। शुभकामनाएं डॉ. प्राची का भविष्य और भी उज्ज्वल हो।

"शिक्षा ही सशक्त और आत्मनिर्भर समाज की नींव" – विधायक रीती पाठक

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। "स्कूल चले हम" अभियान के तहत जिलेभर में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ आयोजित किए गए। जिला मुख्यालय स्थित सांदीपनि शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विधायक सीधी श्रीमती रीती पाठक के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन से हुई, जिसके बाद नवप्रवेशी छात्राओं का तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया गया। साथ ही उन्हें निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें प्रदान कर शिक्षा के नए सत्र की शुभ शुरुआत कराई गई। पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में भोपाल से राज्य स्तरीय प्रवेशोत्सव के शुभारंभ का सीधा प्रसारण भी देखा गया, जिससे कार्यक्रम को प्रदेश स्तर से जुड़ाव मिला। अपने प्रेरक एवं मार्गदर्शी उद्बोधन में विधायक श्रीमती रीती पाठक ने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति के समग्र व्यक्तित्व निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सरकार का लक्ष्य प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण, सुलभ एवं समावेशी शिक्षा पहुंचाना है, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।

जब.. कलेक्टर ने खुद बंद किया बहता नल : हरदी गांव में दिखा संवेदनशील प्रशासन का चेहरा

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी । प्रशासनिक जिम्मेदारियों के बीच कभी-कभी ऐसे पल सामने आते हैं, जो केवल व्यवस्था नहीं, बल्कि सोच को भी बदल देते हैं। ऐसा ही एक प्रेरणादायक दृश्य बुधवार को ढीमरखेड़ा क्षेत्र के हरदी गांव में देखने को मिला, जब कलेक्टर आशीष तिवारी ने जल संरक्षण का संदेश केवल शब्दों में नहीं, बल्कि अपने व्यवहार से दिया। गांव के निरीक्षण पर निकले कलेक्टर श्री तिवारी गली-गली पैदल घूमकर 'नल-जल योजना' की स्थिति का जायजा ले रहे थे। वे हर घर के बाहर रुककर यह सुनिश्चित कर रहे थे कि ग्रामीणों तक पर्याप्त और नियमित जल आपूर्ति हो रही है या नहीं। निरीक्षण के इसी दौरान उनकी नजर सड़क किनारे एक खुले नल पर पड़ी, जिससे पानी लगातार बह रहा था। पानी की एक-एक बूंद के महत्व को समझते हुए कलेक्टर वहीं रुक गए। उन्होंने आसपास मौजूद ग्रामीणों को समझाया कि जल सिर्फ संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है—और इसकी बर्बादी भविष्य के संकट को न्योता देना है। इसके बाद जो हुआ, उसने वहां मौजूद सभी लोगों को प्रभावित कर दिया। कलेक्टर स्वयं नल के पास पहुंचे, पहले उसी जल से अपनी प्यास बुझाई और फिर अपने हाथों से नल की टोंटी को कसकर बंद कर दिया। यह छोटा सा कार्य एक बड़ा संदेश बन गया—"परिवर्तन की शुरुआत खुद से होती है।"

कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक की संयुक्त बैठक

» राजस्व-पुलिस समन्वय से कानून-व्यवस्था को मिलेगी नई मजबूती

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। जिले की कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ एवं अभेद्य बनाने तथा विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से कलेक्टर विकास मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी की संयुक्त अध्यक्षता में पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित सभागार में उच्च स्तरीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि प्रशासन और पुलिस एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, जिनका एकमात्र उद्देश्य जिले की जनता की सेवा, सुरक्षा और विश्वास को सुदृढ़ करना है।

पुलिस और राजस्व समन्वय से सुशासन की नई रूपरेखा- बैठक में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

जटिल विवादों का मौके पर निराकरणः वर्षों से लंबित भूमि विवाद, सीमांकन एवं अतिक्रमण के मामलों के त्वरित निराकरण के लिए राजस्व (उपखंड अधिकारी/तहसीलदार) और पुलिस (अनुविभागीय अधिकारी पुलिस/थाना प्रभारी) की संयुक्त टीमें मौके पर जाकर कार्रवाई करेंगी। इससे विवादों के समाधान के साथ-साथ संभावित तनाव और हिंसक घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा।

अवैध उत्खनन पर सख्त कार्रवाईः रेत के अवैध उत्खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन के विरुद्ध पुलिस और राजस्व विभाग संयुक्त रूप से सघन अभियान चलाएंगे। कलेक्टर श्री मिश्रा ने स्पष्ट किया कि अवैध खनन के नेटवर्क को समाप्त करना प्राथमिकता है, वहीं एसपी श्री कोरी ने पुलिस बल को कड़ी नाकेबंदी एवं त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

नशा मुक्त जिला अभियानः मादक पदार्थों की तस्करी एवं नशाखोरी के विरुद्ध "जीरो टॉलरेंस" नीति अपनाई जाएगी। अवैध शराब, कोरेक्स एवं अन्य नशीले पदार्थों के स्रोतों को समाप्त करने हेतु खुफिया तंत्र को सशक्त कर संयुक्त छापेमारी की जाएगी। शिक्षण संस्थानों के आसपास विशेष निगरानी रखने पर भी जोर दिया गया। त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ः आगामी त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों को संयुक्त फ्लैग मार्च एवं शांति समिति बैठकों के माध्यम से जनसंवाद बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

स्वस्थ मन और प्रसन्नता का संदेश,-बैठक के समापन सत्र में कलेक्टर ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा— "हम क्षेत्र की सुरक्षा और सेवा की जिम्मेदारी तभी बेहतर ढंग से निभा पाएंगे, जब हम स्वयं स्वस्थ और सकारात्मक रहेंगे। आप सभी अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें और हर परिस्थिति में प्रसन्न रहने का प्रयास करें।" बैठक में अपर जिला मजिस्ट्रेट श्री बी. पी. पाण्डेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अरविन्द श्रीवास्तव, उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) श्री अमन मिश्रा, उप पुलिस अधीक्षक श्री सुजीत कड़वे तथा रक्षित निरीक्षक श्री वीरेंद्र कुमरे सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रमिकों को बनाया जा रहा गुलामः तेज प्रताप

लोकतंत्र की शान

सीधी। संयुक्त ट्रेड यूनियनों व फेडरेसानो के आह्वान पर आज 1 अप्रैल 2026 को अल्ट्राटेक सीधी सीमेंट बक्र्स मझिगवा में सीटू यूनियन द्वारा कारखाने के मेन गेट पर काला दिवस मनाते हुए आक्रोश व्यक्त किया गया। काला दिवस को संबोधित करते हुए इकाई के अध्यक्ष व सीटू के सचिव तेज प्रताप दुबे बताया कि मोदी सरकार द्वारा 125 वर्ष पुराने 44 श्रम कानूनों में से 29 श्रम कानूनों को खत्म करते हुए चार काली श्रम संहिताओं को 1 अप्रैल 2026 से लागू किया गया है, जिसका पूरे देश के ट्रेड यूनियनों ने जोरदार विरोध व्यक्त किया है। तेज प्रताप दुबे ने प्लांट के श्रमिकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि देश के किसी भी ट्रेड यूनियनों से बेगैर बात-चीत किए यह चार काली श्रम संहिताएं बनाई गई है, जिसमे सिर्फ देशी विदेशी पूंजीपतियों के पक्ष में कानून बनाये गए है, इसमें देश की मेहनत कस श्रमिकों के साथ विश्वासघात करते हुए उन्हें गुलाम बनाने के कानून बनाये गए है। आज के विरोध प्रदर्शन प्रमुख रूप से अरबिन्द सिंह बघेल, संजीव कुमार मिश्रा, विभूति भूषण शर्मा, सम्पत शोधिया, श्रवन कुमार द्विवेदी, नितेश मिश्रा, राजेश त्रिपाठी, नागेंद्र सिंह, करोडोध पाण्डेय, योगेंद्र शुक्ला, कमलेश शुक्ला, विनय त्रिपाठी, ब्रजेश सिंह, महाबीर साकेत, गंभीर सिंह सहित कारखाना के सभी श्रमिक साथी उपस्थित रहे।

चंबल कॉलोनी में विधायक, महापौर ने नए शैक्षिक सत्र में बच्चों के साथ मनाया प्रवेश उत्सव

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

मुरैनाः मध्य प्रदेश में नए शैक्षिक सत्र का 1 अप्रैल से आरंभ हो गया है प्रथम दिवस प्रवेश उत्सव के रूप में मनाया गया विद्यालय प्रभारी प्रधानाध्यापक श्रीमती नीरू शर्मा, शिक्षक रामनरेश दंडोतिया जिला अध्यक्ष तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ मध्यप्रदेश द्वारा बताया गया कि एकीकृत माध्यमिक विद्यालय चंबल कॉलोनी में आज मुरैना विधायक दिनेश गुर्जर जी एवं महापौर श्रीमती शारदा सोलंकी जी ने विद्यालय पहुंचकर प्रवेश उत्सवमें भाग लिया सर्वप्रथम विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक श्रीमती नीरू शर्मा,व जिलाअध्यक्ष एवं समस्त स्टाफ द्वारा विधायक एवं महापौर का स्वागत किया गया उसके बाद में विधायक एवं महापौर द्वारा बच्चों को तिलक, रोरी लगाकर विद्यालय में स्वागत किया गया सभी बच्चों को मध्य प्रदेश सरकार की ओर से प्रदान की गई पुस्तकों का वितरण किया गया और बच्चों से लगातार विद्यालय आने एवं मन लगाकर अध्ययन करने को कहा गया विधायक दिनेश गुर्जर जी द्वारा स्वच्छ पानी हेतु वाटर कूलर एवं विद्यालय परिसर में जिम विधायक निधि से लगवाने की घोषणा की साथ ही महापोर जी ने स्कूल परिसर में प्रकाश के लिये लाइट लगाने की उन्होने कहा यह सभी व्यवस्थाएं जल्द से जल्द विद्यालय परिसर में शुरू होंगी साथ ही विधायक जी ने बच्चों को स्वल्प आहार की व्यवस्था की इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ संजू शर्मा,रामनरेश डण्डोतिया,केदार शर्मा, मनोज शर्मा, राममूर्ति डण्डोतिया, अजय डण्डोतिया,श्रीमती नीलम शर्मा, रामप्यारी माहोर,एवं पूरन यादव, रामनिवास राजपूत ,ओमप्रकाश बाबा ,राजकुमारी, पिंकी, पालक उपस्थित रहे

अतिक्रमण से संकीर्ण हुई शहर के मुहल्लों की सड़कें

» परेशानी का सबब बन रही संकीर्ण हुई यह सड़के

» आगजनी हादसे को रोकने कैसे पहुंचेंगे फायर ब्रिगेड

लोकतंत्र की शान

सीधी। शहर में अतिक्रमण के चलते कई मुहल्लों की सडक़ें गलियों में तब्दील हो चुकी हैं। हालात यह हैं कि लोग मकान का निर्माण करने के दौरान सामने की सडक़ पर ही लगातार अतिक्रमण करते जा रहे हैं। लिहाजा जहां कि सडक़ें 10 फिट चौड़ी थी वह आधी हो चुकी हैं। यह अतिक्रमण सडक़ के दोनों तरफ से चल रहा है। शहर के मुहल्लों की स्थिति को जायजा लिया जाय तो मालुम पड़ेगा कि ज्यादातर लोग नगर पालिका के नालियों के ऊपर सीढ़ी बनाए हुए हैं। कुछ लोग तो नालियों के ऊपर निर्माण कराकर उसे चबूतरा का रूप भी दे चुके हैं। मुहल्लों में भारी अतिक्रमण के चलते कई सडक़ों की स्थिति यह बन चुकी है कि यहां से आटो निकलना भी मुश्किल हो चुका है। यदि ऐसे मुहल्लों में कभी आग लगने की घटनाएं सामने आई तो उस दौरान स्थिति काफी भयावह होगी। आग बुझाने के लिए नगर पालिका का फायर ब्रिगेड कई रिहायिसी इलाकों में तंग गलियों के अंदर नहीं पहुंच सकता। उस दौरान लोगों का आक्रोश होगा कि नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारी एवं कर्मचारी कुंभकर्णीय निद्रा में लीन थे। उनके द्वारा कभी भी होने वाले आग लगने के हादसों को दृष्टिगत रखते हुए कोई व्यवस्थाएं क्यों नहीं बनाई गई थी। जबकि नगर पालिका को सडक़ों की कम से कम 10 फिट चौड़ाई निर्धारित करने के लिए अभियान चलाकर बिना किसी भेदभाव के कार्यवाही करनी चाहिए। जिनके द्वारा सडक़ों में अतिक्रमण किया गया है वहां तत्काल मौके पर ही जेसीबी से धराशायी करने की कार्यवाही होनी चाहिए। साथ ही ऐसे अतिक्रमणकारियों के विरूद्ध पुलिस में भी एफआईआर दर्ज कराया जाना चाहिए। जिससे आगे भी लोगों को सबक मिल सके कि सार्वजनिक सडक़े उनकी निजी जागीर नहीं है। इन पर अतिक्रमण करना आपराधिक कृत्य है। नगर पालिका की इसी उदासीनता के चलते आज पटेलपुल श्मशान घाट में गली नं. 1, 2 एवं 3 में सैकड़ों मकान बने हुए हैं। यहां सडक़ों की चौड़ाई अतिक्रमण के चलते करीब 5 फिट रह गई है। इसके बाद भी कई अतिक्रमणकारियों द्वारा तंग सडक़ों में भी सीढ़ी बनाने से गुरेज नहीं किया गया है। नगर पालिका परिषद की मुहल्लों में बनाई गई नालियों की स्थिति यह है कि उसके ऊपर भी कई लोगों द्वारा स्थाई निर्माण कर सीढ़ी एवं चबूतरे बना लिए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व मुख्य जिलाधिकारी कुछ ही घंटों बाद जमानत पर रिहा

लोकतंत्र की शानः काठमांडू। काठमांडू के पूर्व मुख्य जिला अधिकारी (सीडीओ) छवि रिजाल को मंगलवार को उनकी गिरफ्तारी के कुछ ही घंटों बाद जमानत पर रिहा कर दिया गया। उन्हें बीते वर्ष आठ और नौ सितंबर में हुए 'जेन-जी' आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों पर हिंसक दमन और कार्रवाई के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। हालांकि नेपाल पुलिस ने रिजाल को इस शर्त पर 'अटेंडेंस बॉन्ड' पर रिहा किया है कि जब भी अधिकारी उन्हें बुलाएंगे, उन्हें पेश होना होगा। नेपाल पुलिस के क्राइम इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो की एक टीम ने उन्हें काठमांडू में उनके निवास सुबिधानगर से गिरफ्तार कर काठमांडू पुलिस हेडक्वार्टर को सौंपा था। पुलिस प्रवक्ता एसपी पवन भट्टराई के अनुसार आवश्यक होने पर अधिकारियों के समक्ष उपस्थित होने की सहमति देने के बाद उन्हें सामान्य तारीख पर रिहा किया गया। इसी मामले में पुलिस ने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को पिछले शनिवार की सुबह को गिरफ्तार किया गया था। ये दोनों फिलहाल पांच दिनों की पुलिस रिमांड पर हैं।

ओली की गिरफ्तारी के विरोध में यूएमएल का देशव्यापी विरोध प्रदर्शन की घोषणा

लोकतंत्र की शानः काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली की गिरफ्तारी के विरोध में पार्टी ने व्यापक और चरणबद्ध देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों की घोषणा की है। यह निर्णय मंगलवार को पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित सचिवालय बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता पार्टी के उपाध्यक्ष रामबहादुर थापा ने की। पार्टी के सचिव महेश बस्नेत ने बताया कि बैठक में ओली की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए संगठित विरोध कार्यक्रम आगे बढ़ाने का फैसला किया गया। यूएमएल ने पिछले शनिवार को भक्तपुर में पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक के साथ ओली की गिरफ्तारी को बदले की भावना से प्रेरित और राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है। यह गिरफ्तारी बालेन्द्र शाह के प्रधानमंत्री के पद संभालने के तुरंत बाद हुई थी। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ने इन गिरफ्तारियों के विरोध में आयोजित शांतिपूर्ण प्रदर्शनों को दबाने के लिए पुलिस बल का इस्तेमाल किया। यूएमएल ने आगामी 25 अप्रैल को राजधानी काठमांडू में विशाल प्रदर्शन करने की योजना बनाई है। इससे पहले आठ अप्रैल तक जिला स्तर पर भी आंदोलन और जनसंगठन अभियान चलाए जाएंगे।

पाकिस्तान खुद एक समस्या वो क्या समाधान करेगा, भारत सबसे अच्छा मीडिएटरः इजरायल

लोकतंत्र की शानः तेल अवीव। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को कम करने के लिए पाकिस्तान चौधरी बनने की कोशिश कर रहा था। तभी इजरायल ने उसे आइना दिखाते हुए कह दिया कि वो क्या मध्यस्थता करेगा जो खुद समस्या है। इसके लिए एक मात्र भारत ही है जो समाधान का बेहतर रास्ता निकाल सकता है। एक साक्षात्कार के दौरान इजरायली विदेश मंत्रालय की विशेष दूत फ्लूर हसन-नहूम ने पाकिस्तान की भूमिका पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि पाकिस्तानी अधिकारियों का प्रयास केवल खुद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिक बनाए रखने की एक कोशिश है। उन्होंने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि पाकिस्तान स्वयं जिहादी आतंकवाद की समस्या से जूझ रहा है, ऐसे में उनकी मध्यस्थता के सफल होने की संभावना बेहद कम है। हसन-नहूम ने भारत की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत इजरायल का एक बेहद करीबी और भरोसेमंद सहयोगी है। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत के सभी पक्षों के साथ संतुलित और बेहतरीन संबंध हैं, जो उसे पाकिस्तान की तुलना में एक बेहतर विकल्प बनाते हैं। दूसरी ओर, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर इस संघर्ष को सुलझाने के लिए वार्ता की मेजबानी का प्रस्ताव रख चुके हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने भी पुष्टि की थी कि वे सऊदी अरब, मिस्र और तुर्किये के साथ चर्चा के बाद अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। पाकिस्तान का तर्क है कि इस संघर्ष के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर संकट मंडरा रहा है, जिसे रोकने के लिए वे पहल कर रहे हैं। हालांकि, पाकिस्तान और अमेरिका के इन प्रयासों को ईरानी पक्ष से बड़ा झटका लगा है। ईरान ने स्पष्ट रूप से अमेरिका के साथ किसी भी सीधी वार्ता से इनकार कर दिया है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि उन्हें मध्यस्थों के माध्यम से अमेरिका के संदेश मिले हैं, लेकिन उनमें रखी गई शर्तें पूरी तरह अतार्किक हैं। बघाई ने साफ किया कि ईरान पर सैन्य हमला हुआ है और फिलहाल उनकी पूरी प्राथमिकता अपनी रक्षा करने पर है। ईरान ने पाकिस्तान में हो रही बैठकों और मध्यस्थता की कोशिशों से खुद को अलग करते हुए कहा कि यह पाकिस्तान की अपनी व्यक्तिगत पहल हो सकती है, जिसमें तेहरान की कोई भागीदारी नहीं है। ईरान का रुख है कि अब तक जो भी संचार हुआ है, वह केवल तीसरे पक्ष के माध्यम से हुआ है और सीधी बातचीत की कोई संभावना फिलहाल नजर नहीं आती। इस घटनाक्रम ने स्पष्ट कर दिया है कि मध्य पूर्व का संकट कूटनीतिक दांव-पेंचों के बीच और उलझता जा रहा है।

पश्चिम एशिया में चल रही जंग के बीच किम जोंग उन लगातार बढ़ा रहे ट्रंप की टेंशन

लोकतंत्र की शानः प्योंग यांग। पश्चिम एशिया में चल रही जंग के बीच उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने एक नए और शक्तिशाली मिसाइल इंजन के परीक्षण का जायजा लिया। सरकारी मीडिया ने रविवार को इसकी जानकारी दी। यह इंजन एक अपग्रेडेड, हाई-थ्रस्ट, सॉलिड-फ्यूल पर आधारित है और इसकी ताकत पहले से कहीं ज्यादा है। किम जोंग उन ने इसे देश की सैन्य शक्ति बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। इस परीक्षण का मकसद ऐसी मिसाइलें बनाना है जो अमेरिका और उसके सहयोगियों को निशाना बना सकें। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इन मिसाइलों को पहचानना और रोकना बहुत मुश्किल है। यह इंजन कार्बन फाइबर से बना है। इस इंजन की अधिकतम ताकत 2,500 किलोटन मापी गई है। इससे पहले सितंबर में हुए परीक्षण में यह ताकत 1,970 किलोटन थी। यह टेस्ट देश के पांच साल के हथियार विकास कार्यक्रम का हिस्सा है। इसका लक्ष्य परमाणु क्षमता वाली बैलिस्टिक मिसाइलों को और आधुनिक बनाना है। किम जोंग उन ने कहा कि इस टेस्ट से देश की रणनीतिक ताकत सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। हालांकि, यह टेस्ट कब और कहां हुआ, इसकी सटीक जानकारी नहीं दी गई है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि उत्तर कोरिया के दावे बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए हो सकते हैं। दक्षिण कोरिया के एक शोधकर्ता ली चुन ग्यून ने कहा कि उत्तर कोरिया इसमें कुछ बातें छिपा रहा है। उन्होंने इंजन के जलने के कुल समय जैसी जरूरी जानकारी नहीं दी है। उत्तर कोरिया ने सितंबर के परीक्षण को सॉलिड-फ्यूल इंजन का नौवां और अंतिम ग्राउंड परीक्षण बताया था, और पहले कहा था कि इस इंजन का उपयोग इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलों के लिए किया जाएगा। उस समय पर्यवेक्षकों ने अनुमान लगाया था कि उत्तर कोरिया जल्द ही उस इंजन से लैस एक इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण-प्रक्षेपण करेगा, लेकिन उसने अभी तक ऐसा नहीं किया है।

1124 गांव में सदस्यता अभियान चलाएगा भारतीय किसान संघ

लोक तंत्र की शानः
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। ब्लॉक सभागार में बुधवार को भारतीय किसान संघ, जिला अमरोहा की मासिक बैठक का भव्य आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य, मेरठ प्रांत पालक एवं दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हरपाल सिंह डागर उपस्थित रहे। उनके साथ प्रांत संगठन मंत्री सुनील कुमार, प्रांत उपाध्यक्ष नरेंद्र चौधरी और प्रांत युवा प्रमुख संजीव ने भी शिरकत की। बैठक को संबोधित करते हुए हरपाल सिंह डागर ने अमरोहा जिले की ऊर्जा की सराहना की। उन्होंने कहा कि अमरोहा जिला पूरे प्रांत में किसान हितों के कार्यों और सर्वाधिक सदस्यता के लिए अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए उन्होंने जिले के सभी 1124 गांवों में सदस्यता अभियान चलाने का आह्वान किया, ताकि प्रत्येक किसान की समस्या का समाधान सुनिश्चित किया जा सके। डागर ने जिले भर से आए किसानों की सामूहिक व्यथा को सुना और उनके निराकरण हेतु उचित मार्गदर्शन दिया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रदेश स्तरीय जटिल समस्याओं को उच्च स्तर पर प्रभावी ढंग से उठाकर उनका समाधान कराया जाएगा। वहीं, प्रांतीय गन्ना प्रमुख महीपाल सिंह और जिला प्रभारी संजीव शर्मा ने संघ की नीति एवं रीति-नीति पर विस्तार से प्रकाश डाला। जिलाध्यक्ष चन्द्र प्रकाश शर्मा ने मुख्य अतिथि को जिले, ब्लॉक और ग्राम समितियों की सांगठनिक स्थिति से अवगत कराया। बैठक का संचालन जिला मंत्री आलोक कुमार चौहान द्वारा किया गया। अंत में ब्लॉक अध्यक्ष ओमवीर सिंह चौहान और जिला अध्यक्ष ने सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विभाग संगठन मंत्री रमेश, जिला कोषाध्यक्ष धर्मपाल सिंह चौहान, डॉ. शिवचरण सैनी, हरिप्रकाश राणा, यशवीर सिंह और लाखन सिंह सहित समस्त ब्लॉकों के अध्यक्ष, मंत्री, ग्राम समितियों के पदाधिकारी और भारी संख्या में किसान मौजूद रहे।

हनुमान जन्मोत्सव शोभा यात्रा का पालिका अध्यक्ष ने किया शुभारंभ

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः बुधवार को नगर के शिवाला मंदिर से श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में बालाजी पालकी शोभा यात्रा का शुभारंभ आदर्श नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने दीप प्रज्ज्वलित कर एवं नारियल फोड़कर किया, शोभा यात्रा में बाजे गाजे के साथ श्री राम बालाजी भक्त मंडल समिति के तत्वाधान में निकाली गई। शोभायात्रा में श्री गणेश जी की झांकी, श्री बालाजी पालकी, बालाजी महाराज की झांकी, हनुमान जी की झांकी, भगवान श्री रामचंद्र की झांकी, शिव तांडव, भगवान श्री राम लखन हनुमान के प्रवचन दर्शकों का मन मोह रहे थे। वहीं नाना प्रकार की झांकियां को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ गई। जहां नगर के मोहल्ला हिरन वाला, होली वाला, पुराना डाकखाना, जामा मस्जिद, पुरानी घास मंडी, शिव मंदिर, रहरा रोड होते हुए वापस में बाजार जनकपुरी, इंदिरा चौक, अंबेडकर पार्क होते हुए वापस शिवाला मंदिर पर जाकर संपन्न हुई। इस दौरान समिति कार्यकर्ताओं में महाराज सोनू अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, संजीव गोयल, श्री राम बालाजी भक्त मंडल समिति के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

शानदार उपलब्धिः के तीन विद्यालयों में मेधावी छात्रों का सम्मान, 100% अंक पाने वाले बच्चों को मिली साइकिल

अब्दुल्लाह खान ब्यूरो चीफ सीतापुर

महमूदाबाद (सीतापुर)। महमूदाबाद क्षेत्र के प्रकाश विद्या मंदिर, रानी लक्ष्मीबाई मोंटेसरी स्कूल एवं बाबूराम सावित्री देवी इंटर कॉलेज में मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान में भव्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का माहौल उत्साह, ऊर्जा और गर्व से परिपूर्ण रहा। समारोह में कक्षा 8 की छात्रा अनन्या वर्मा और कक्षा 4 (इंग्लिश मीडियम) के छात्र उपेंद्र कुमार ने शत-प्रतिशत 100% अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। उनकी इस अद्भुत उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन की ओर से दोनों बच्चों को साइकिल प्रदान कर सम्मानित किया गया इसके अतिरिक्त अन्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को शील्ड और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार प्राप्त करते समय बच्चों के चेहरों पर खुशी और गर्व साफ झलक रहा था,विद्यालय की प्रधानाचार्य शशि सिंह एवं प्रबंधक ओम प्रकाश वर्मा ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने शिक्षकों के परिश्रम और समर्पण की भी सराहना की, कहा कि उनकी मेहनत और मार्गदर्शन से ही बच्चे इस मुकाम तक पहुंचे हैं। यह आयोजन न केवल मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान का प्रतीक रहा, बल्कि अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा का बड़ा संदेश भी बन गया।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पर सत्यापन में लापरवाही का आरोप, लाभार्थी लगा रहे चक्कर

लोकतंत्र की शानः मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

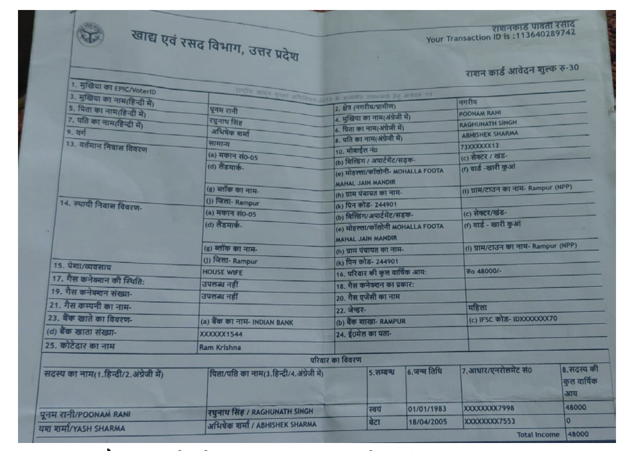

खाद्य एवं रसद विभाग, उत्तर प्रदेश
राशनकार्ड पावती रसीद
Your Transaction ID is :113640289742
राशन कार्ड आवेदन शुल्क रु-30

1. मुखिया का EPIC/VoterID		2. क्षेत्र (नगरीय/ग्रामीण)	नगरीय
3. मुखिया का नाम(हिन्दी में)	पूनम रानी	4. मुखिया का नाम(अंग्रेजी में)	POONAM RANI
5. पिता का नाम(हिन्दी में)	रघुनाथ सिंह	6. पिता का नाम(अंग्रेजी में)	RAGHUNATH SINGH
7. पति का नाम(हिन्दी में)	अभिषेक शर्मा	8. पति का नाम(अंग्रेजी में)	ABHISHEK SHARMA
9. वर्ग	सामान्य	10. मोबाईल नं0	73XXXXX13
13. वर्तमान निवास विवरण	(a) मकान सं0-05	(b) बिल्डिंग / अपार्टमेंट/सड़क-	(c) सेक्टर / खंड-
	(d) लैंडमार्क-	(e) मोहल्ला/कॉलोनी- MOHALLA FOOTA MAHAL JAIN MANDIR	(f) वार्ड -खारी कुआं
	(g) ब्लॉक का नाम-	(h) ग्राम पंचायत का नाम-	(i) ग्राम/टाउन का नाम- Rampur (NPP)
	(j) जिला- Rampur	(k) पिन कोड- 244901	
14. स्थायी निवास विवरण-	(a) मकान सं0-05	(b) बिल्डिंग/अपार्टमेंट/सड़क-	(c) सेक्टर/खंड-
	(d) लैंडमार्क-	(e) मोहल्ला/कॉलोनी MOHALLA FOOTA MAHAL JAIN MANDIR	(f) वार्ड - खारी कुआं
	(g) ब्लॉक का नाम-	(h) ग्राम पंचायत का नाम-	(i) ग्राम/टाउन का नाम- Rampur (NPP)
	(j) जिला- Rampur	(k) पिन कोड- 244901	
15. पेशा/व्यवसाय	HOUSE WIFE	16. परिवार की कुल वार्षिक आय:	रु0 48000/-
17. गैस कनेक्शन की स्थिति:	उपलब्ध नहीं	18. गैस कनेक्शन का प्रकार:	
19. गैस कनेक्शन संख्या-	उपलब्ध नहीं	20. गैस एजेंसी का नाम	
21. गैस कम्पनी का नाम-		22. जेन्डर-	महिला
23. बैंक खाते का विवरण-	(a) बैंक का नाम- INDIAN BANK	(b) बैंक शाखा- RAMPUR	(c) IFSC कोड- IDXXXXXXX70
(d) बैंक खाता संख्या-	XXXXXX1544	24. ईमेल का पता-	
25. कोटेदार का नाम	Ram Krishna		

परिवार का विवरण

सदस्य का नाम(1.हिन्दी/2.अंग्रेजी में)	पिता/पति का नाम(3.हिन्दी/4.अंग्रेजी में)	5.सम्बन्ध	6.जन्म तिथि	7.आधार/एनरोलमेंट सं0	8.सदस्य की कुल वार्षिक आय
पूनम रानी/POONAM RANI	रघुनाथ सिंह / RAGHUNATH SINGH	स्वयं	01/01/1983	XXXXXXXX7998	48000
यश शर्मा/YASH SHARMA	अभिषेक शर्मा / ABHISHEK SHARMA	बेटा	18/04/2005	XXXXXXXX7553	0
				Total Income	48000

रामपुर शहर के मोहल्ला पटला क्षेत्र की आंगनवाड़ी केंद्र पर कार्यरत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुनीता पर राशन कार्ड सत्यापन में लापरवाही बरतने का आरोप लगा है। क्षेत्र के एक लाभार्थी ने बताया कि वह कई बार केंद्र के चक्कर लगा चुका है, लेकिन अब तक उसके राशन कार्ड का सत्यापन नहीं किया गया है। पीड़ित का कहना है कि उसके पास आधार कार्ड सहित सभी आवश्यक दस्तावेज पूर्ण रूप से उपलब्ध हैं और फॉर्म भी विधिवत भरा हुआ है। इसके बावजूद आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा यह कहकर सत्यापन नहीं किया जा रहा कि "सरकार की ओर से कोई जीओ (शासनादेश) नहीं आया है"। लाभार्थी ने बताया कि शासन स्तर पर ऐसा कोई आदेश जारी नहीं किया गया है जिसमें यह कहा गया हो कि आधार कार्ड केवल उसी क्षेत्र में मान्य होगा जहां का वह बना है। नियमों के अनुसार, राशन डिपो धारक आधार कार्ड के आधार पर किसी भी अधिकृत डिपो पर सत्यापन कराकर राशन कार्ड बनवा सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सत्यापन प्रक्रिया में अनावश्यक देरी से पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों से मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है, ताकि पात्र लाभार्थियों को बिना बाधा सरकारी राशन योजना का लाभ मिल सके। इस संबंध में जब आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो उनका पक्ष स्पष्ट नहीं हो सका। अब देखना यह होगा कि विभागीय अधिकारी इस मामले में क्या कदम उठाते हैं।

रामपुर की अनाज मंडी में गूंजे खाटू श्याम बाबा के जयकारे, संकीर्तन में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

लोकतंत्र की शानः मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर शहर के मिस्टनगंज स्थित अनाज मंडी में श्री खाटू श्याम बाबा का भव्य संकीर्तन कार्यक्रम श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ आयोजित किया गया। इस धार्मिक आयोजन का नेतृत्व आयोजक अंकुर अग्रवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर बाबा के दर्शन किए और संकीर्तन में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित किया। संकीर्तन कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद जैसे ही भजनों का क्रम प्रारंभ हुआ, पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। "हारे का सहारा खाटू श्याम हमारा" और "जय श्री श्याम" के जयकारों से अनाज मंडी क्षेत्र गूंज उठा। भक्तों ने भजनों पर झूमते हुए बाबा की भक्ति में अपने आप को समर्पित कर दिया। कार्यक्रम में भजन गायकों द्वारा एक से बढ़कर एक भक्ति गीत प्रस्तुत किए गए, जिनकी मधुर धुन पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते रहे। संकीर्तन के दौरान बाबा के दरबार को आकर्षक फूलों और रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया, जिससे कार्यक्रम की शोभा और भी बढ़ गई। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। सुरक्षा, बैठने, जलपान और प्रसाद वितरण की समुचित व्यवस्था आयोजकों द्वारा की गई। संकीर्तन के समापन पर बाबा का प्रसाद वितरित किया गया, जिसे श्रद्धालुओं ने श्रद्धा भाव से ग्रहण किया। कार्यक्रम में शामिल श्रद्धालुओं ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में भाईचारे और धार्मिक आस्था को मजबूत करते हैं। आयोजक अंकुर अग्रवाल ने बताया कि खाटू श्याम बाबा की कृपा से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। संकीर्तन में शहर और आसपास के क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। देर रात तक भजन-कीर्तन का सिलसिला चलता रहा और भक्तों ने बाबा से सुख-समृद्धि व परिवार की खुशहाली की कामना की। आयोजक अनाज मंडी परिवार मैं उपस्थित सेवादार अंकुर अग्रवाल जतिन सिडाना रवि अग्रवाल संतोष अग्रवाल शिवकुमार अरोड़ा अजय अरोड़ा राहुल अरोड़ा अजय भाटिया रामकुमार प्रवीण अग्रवाल धीरज अग्रवाल अनुज अग्रवाल राम प्रकाश अग्रवाल मनोज भाटिया अनिकेत अग्रवाल विश्व अग्रवाल हर्षित अग्रवाल शुभ अग्रवाल संदीप आदि उपस्थित रहे।

तुर्की पर मिसाइल से हमलाः ईरान ने किया इंकार, फाल्स फ्लैग ऑपरेशन की आशंका

लोकतंत्र की शान

इस्तांबुल। तुर्की में हाल ही में एक मिसाइल हमले की खबर सामने आई, जिसे नाटो के एयर डिफेंस सिस्टम ने इंटरसेप्ट किया। प्रारंभिक रिपोर्ट्स में इसे ईरान से दागे जाने का दावा किया गया था, लेकिन ईरान ने स्पष्ट रूप से इस बात से इंकार किया है। ईरान का कहना है कि उसने तुर्की या उसके पड़ोसी देशों पर कोई हमला नहीं किया है।

विश्लेषकों का मानना है कि अगर यह हमला ईरान की ओर से नहीं किया गया था, तो इसे फाल्स फ्लैग ऑपरेशन के तौर पर देखा जा सकता है। इसका उद्देश्य संभावित रूप से नाटो देशों को युद्ध में खींचना और क्षेत्रीय तनाव बढ़ाना हो सकता है। इस संदर्भ में अमेरिका और इज़राइल पर ऐसे साजिश के आरोप लग रहे हैं।

तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोगान ने स्थिति को संभालते हुए कहा कि यदि कुर्दिश लड़ाके ईरान में हमले की योजना बनाते हैं तो तुर्की इसे गंभीरता से लेगा। उन्होंने किसी भी उकसावे या प्रतिक्रिया में संयम बरतने का संकेत दिया। विशेषज्ञों का कहना है कि तुर्की, जो नाटो का सदस्य है, ने फिलहाल युद्ध में शामिल होने से खुद को अलग रखा है, ताकि क्षेत्रीय जटिलता और नाटो देशों की भागीदारी पर कोई दबाव न पड़े। मिडिल ईस्ट के पड़ोसी देश जैसे मिस्र और अज़रबैजान भी इस घटना पर सतर्क हैं।

यह घटना चौथी बार सामने आई है जब तुर्की पर कथित मिसाइल हमला हुआ है और सभी बार ईरान ने हमले से इंकार किया। इससे मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ने की संभावना बनी हुई है।

दुबई में कुवैती तेल टैंकर को उड़ाया, समुद्र में भारी मात्रा में तेल रिसाव से बढ़ा संकट

लोकतंत्र की शान

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात के दुबई बंदरगाह से एक बेहद चिंताजनक खबर सामने आई है, जिसने खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कुवैत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन ने आधिकारिक पुष्टि की कि उनके एक विशाल कच्चे तेल के टैंकर, अल साल्मी, पर सीधा हमला किया गया है। कुवैत ने इस हमले के लिए सीधे तौर पर ईरान को जिम्मेदार ठहराया है। जिस समय यह हमला हुआ, टैंकर पूरी तरह से कच्चे तेल से भरा हुआ था और बंदरगाह पर खड़ा था। हमले के तुरंत बाद जहाज में भीषण आग लग गई, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। प्रशासन को अब इस बात का डर सता रहा है कि यदि टैंकर से भारी मात्रा में तेल का रिसाव होता है, तो यह समुद्र के पारिस्थितिकी तंत्र और पर्यावरण के लिए एक बड़ी आपदा साबित हो सकता है। इस हमले के बाद पूरे क्षेत्र में युद्ध जैसे हालात पैदा हो गए हैं और तनाव चरम पर पहुंच गया है। एक तरफ जहां दुबई में जहाज को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कुवैत की सेना ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है। कुवैती सैन्य अधिकारियों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से जानकारी दी कि उनके एयर डिफेंस सिस्टम ने देश की सीमा में घुसने का प्रयास कर रहे दुश्मन के कई मिसाइलों और ड्रोनों को हवा में ही मार गिराया है। इस घटनाक्रम को वर्तमान में जारी ईरान-इजरायल संघर्ष की बढ़ती तपिश और क्षेत्रीय अस्थिरता से जोड़कर देखा जा रहा है। राहत की बात यह है कि दुबई मीडिया ऑफिस ने पुष्टि की है कि टैंकर पर लगी भीषण आग को अब पूरी तरह से काबू कर लिया गया है।

जैश सरगना मसूद अजहर को लगा झटका, भाई और आतंकी मास्टरमाइंड ताहिर अनवर की मौत

लोकतंत्र की शान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के भीतर उस समय हड़कंप मच गया जब इसके सरगना मसूद अजहर के बड़े भाई ताहिर अनवर की अचानक मौत की खबर सामने आई। ताहिर की मौत का कारण अभी भी रहस्य बना हुआ है। मसूद अजहर, जो पहले ही ऑपरेशन सिंदूर में अपने परिवार के कई सदस्यों को खो चुका है, उसके लिए ताहिर की मौत एक अपूरणीय क्षति मानी जा रही है। ताहिर अनवर महज मसूद अजहर का भाई नहीं था, बल्कि वह जैश-ए-मोहम्मद के तमाम आतंकी मंसूबों का मुख्य रणनीतिकार और फ्रेमवर्क तैयार करने वाला मास्टरमाइंड था। 11 भाई-बहनों में सबसे बड़ा होने के कारण ताहिर का कद संगठन में बहुत ऊंचा था। साल 2000 में जैश की स्थापना के समय से ही उसने पर्दे के पीछे रहकर सैन्य मामलों की कमान संभाली थी। जहां मसूद अजहर सार्वजनिक रूप से जहर उगलने और संगठन का चेहरा बनने के लिए जाना जाता था, वहीं ताहिर ने कभी खुद को सार्वजनिक नहीं किया। वह बहावलपुर स्थित जैश के मुख्यालय मरकज उस्मान ओ अली से ही अपनी गतिविधियों को संचालित करता था। आतंकी संगठन में ताहिर अनवर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण थी। उसे संगठन की रीढ़ माना जाता था क्योंकि आतंकियों की भर्ती से लेकर उनके प्रशिक्षण शिविरों के संचालन तक की पूरी जिम्मेदारी उसी के पास थी। हाल ही में ताहिर ने एक बेहद खतरनाक कदम उठाते हुए जैश की महिला आतंकी विंग जमात उन मोमिनत की शुरुआत की थी। वह इन महिलाओं को आतंकी गतिविधियों के लिए प्रशिक्षित कर रहा था ताकि संगठन को एक नया और घातक विस्तार दिया जा सके। मसूद अजहर के लिए यह झटका इसलिए भी गहरा है क्योंकि पिछले वर्ष भारतीय सेना द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर में उसके परिवार के 10 सदस्यों सहित 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे। उस समय मसूद के किले को संभालने में ताहिर ने मुख्य भूमिका निभाई थी। अब ताहिर की मौत के बाद जैश के भीतर उत्तराधिकार और कमान को लेकर आपसी जंग छिड़ने की प्रबल संभावना जताई जा रही है। हैरानी की बात यह है कि पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर कई लोग ताहिर को नरमदिल और हकीम साहब कहकर संबोधित कर रहे हैं, जो वहां पनप रहे आतंकी हमदर्दों की मानसिकता को दर्शाता है। बहरहाल, जैश के सैन्य मामलों के प्रमुख की मौत ने भारत विरोधी गतिविधियों के ढांचे को कमजोर किया है और सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इससे सीमा पार से होने वाली घुसपैठ और प्रशिक्षण प्रणालियों पर गहरा असर पड़ेगा। ताहिर का जाना जैश-ए-मोहम्मद के उस संगठित आतंकी तंत्र के पतन की शुरुआत हो सकती है जिसे उसने दो दशकों में तैयार किया था।

नक्सलवाद का अंत,रेडकॉरिडोर का सपना चकनाचूर-क़्या अब भ्रष्टाचार व नशा मुक्ति क़े अंत क़ी अगली ऐतिहासिक डेडलाइन का समय आ गया है? -भारतीय जनता के हर वर्ग की अपेक्षा -समग्र विश्लेषण

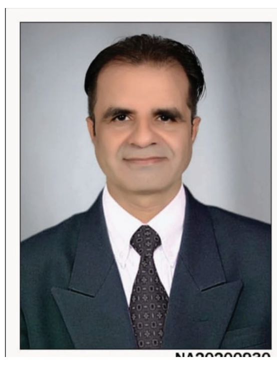

लोकतंत्र की शान

» जब तक समाज में जुगाड़ और काम निकालने की मानसिकता बनी रहेगी,तब तक भ्रष्टाचार पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकता?

» नक्सलवाद के खिलाफ़ जैसे जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई, वैसे ही भ्रष्टाचार व नशाखोरी के खिलाफ़ भी एक सख्त और समयबद्ध रणनीति बनाई जाने की खास जरूरत है -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत के समकालीन राजनीतिक और प्रशासनिक विमर्श में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। दशकों तक देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती रहे नक्सलवाद के लगभग अंत की घोषणा के साथ अब राष्ट्रीय एजेंडा एक नए लक्ष्य की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है,भ्रष्टाचार मुक्त भारत। यह केवल एक नारा या राजनीतिक संकल्प नहीं, बल्कि शासन- प्रणाली, विकास मॉडल और लोकतांत्रिक विश्वसनीयता की परीक्षा है। जिस प्रकार नक्सल मुक्त भारत के लिए एक निश्चित समय-सीमा निर्धारित कर व्यापक रणनीति के साथ कार्य किया गया,उसी प्रकार अब यह प्रश्न उठ रहा है कि क्या भ्रष्टाचार के खिलाफ भी एक ठोस डेडलाइन तय की जानी चाहिए?मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि,अब भारतीय नक्सलवाद क़ा अध्याय लगभग समाप्ति की ओर है,तो स्वाभाविक रूप से ध्यान देश की दूसरी बड़ी समस्या भ्रष्टाचार की ओर जा रहा है।भ्रष्टाचार जो न केवल आर्थिक संसाधनों की बर्बादी करता है,बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता के विश्वास को भी कमजोर करता है,आज विकास की राह में सबसे बड़ा अवरोध बन चुका है। सरकारी योजनाओं का लाभ अक्सर अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुंच पाता, क्योंकि बीच में बिचौलियों और भ्रष्ट अधिकारियों का एक जाल सक्रिय रहता है। ऐसे में यह विचार तेजी से उभर रहा है कि जैसे नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई, वैसे ही भ्रष्टाचार के खिलाफ भी एक सख्त और समयबद्ध रणनीति बनाई जानी चाहिए।सरकारी पैसा सीधे जनता की जेब में यह विचार केवल एक नारा नहीं, बल्कि प्रशासनिक सुधार का एक महत्वपूर्णसिद्धांत है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी योजनाओं ने इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जिससे लाखों लोगों को बिना किसी बिचौलिए के सीधे लाभ मिला है। लेकिन इसके बावजूद भ्रष्टाचार पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है।फाइलों को जानबूझकर अटकाना, रिश्वत की मांग करना और जांच प्रक्रियाओं को लंबित रखना सबसे बड़ी बात ऊपरी लेवल तक ठेको सहित अन्य करों में 40-50 परसेंट का लेनदेन आज भी आम समस्याएं हैं। इसलिए यह आवश्यक हो गया है कि भ्रष्टाचार के मामलों की जांच के लिए स्पष्ट समय- सीमा तय की जाए और उसमें देरी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई केवल कानून और दंड तक सीमित नहीं हो सकती इसको समझने की करें तो, इसके लिए एक व्यापक संस्थागत ढांचे की आवश्यकता है,जिसमें पारदर्शिता,जवाबदेही और नागरिक भागीदारी को प्राथमिकता दी जाए। शिकायतकर्ताओं को सुरक्षा और त्वरित न्याय का भरोसा देना भी इस प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अक्सर देखा गया है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों को ही प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है, जिससे अन्य लोग आगे आने से डरते हैं। यदि इस भय को समाप्त नहीं किया गया, तो भ्रष्टाचार के खिलाफ कोई भी अभियान अधूरा रहेगा।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देखा जाए तो जिन देशों ने भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण पाया है,उन्होंने सख्त कानूनों के साथ- साथ तकनीकी नवाचार और संस्थागत सुधारों को अपनाया है।सिंगापुर और स्कैंडिनेवियाई देशों के उदाहरण इस संदर्भ में उल्लेखनीय हैं, जहां पारदर्शिता और जवाबदेही को शासन की आधारशिला बनाया गया है। भारत में भी डिजिटल इंडिया, आधार और ई-गवर्नेंस जैसी पहलें इस दिशा में सकारात्मक कदम हैं, लेकिन इनका पूर्ण लाभ तभी मिलेगा जब इन्हें एक व्यापक रणनीति के तहत लागू किया जाए।यह भी महत्वपूर्ण है कि भ्रष्टाचार को केवल एक प्रशासनिक समस्या के रूप में न देखा जाए, बल्कि इसे एक सामाजिक और सांस्कृतिक चुनौती के रूप में भी समझा जाए। जब तक समाज में जुगाड़ और काम निकालने की मानसिकता बनी रहेगी, तब तक भ्रष्टाचार पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकता। इसके लिए शिक्षा, जागरूकता और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।जनता की अपेक्षाएं भी अब बदल रही हैं। लोग केवल घोषणाओं से संतुष्ट नहीं हैं, बल्कि वे परिणाम देखना चाहते हैं। नक्सलवाद के खिलाफ सफलता ने यह विश्वास पैदा किया है कि यदि सरकार ठान ले, तो बड़ी से बड़ी चुनौती का समाधान संभव है। यही विश्वास अब भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में भी दिखाई दे रहा है। साथियों बात अगर हम नक्सलवाद समाप्ति टारगेट 31 मार्च 2026 की करें तो भारत में नक्सलवाद का इतिहास 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से शुरू हुआ, जब एक छोटे किसान आंदोलन ने हिंसक विद्रोह का रूप ले लिया। प्रारंभ में यह आंदोलन सामाजिक और आर्थिक असमानताओं के खिलाफ आवाज उठाने का माध्यम था, लेकिन समय के साथ यह देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा बन गया। करीब छह दशकों तक चले इस संघर्ष में हजारों लोगों की जान गई, जिनमें सुरक्षा बलों के जवान और आम नागरिक दोनों शामिल थे। लेकिन 2024 में एक निर्णायक मोड़ आया, जब देश के गृह मंत्री ने नक्सलवाद के अंत के लिए 31 मार्च 2026 की डेडलाइन तय की। इसके बाद सुरक्षा बलों, खुफिया एजेंसियों और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों ने रेड कॉरिडोर के विस्तार को तेजी से सीमित कर दिया। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में बड़े पैमाने पर ऑपरेशन चलाए गए, नक्सली नेतृत्व को कमजोर किया गया और हजारों कैडरों ने आत्मसमर्पण किया। बस्तर जैसे क्षेत्र, जो कभी नक्सल गतिविधियों के गढ़ माने जाते थे, वहां अब स्कूल, सड़कें और राशन की दुकानें खुलने लगी हैं। यह परिवर्तन केवल सुरक्षा की दृष्टि से नहीं, बल्किसामाजिक और आर्थिक विकास के संकेत के रूप में भी महत्वपूर्ण है।हालांकि, इस उपलब्धि पर राजनीतिक मतभेद भी सामने आए हैं। जहां एक ओर सरकार इसे ऐतिहासिक सफलता के रूप में प्रस्तुत कर रही है, वहीं विपक्ष ने इस दावे पर सवाल उठाए हैं। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा इस मुद्दे पर बहस की चुनौती यह दर्शाती है कि नक्सलवाद का पूर्ण अंत अभी भी एक बहस का विषय है। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि नक्सलवाद का प्रभाव पहले की तुलना में काफी कम हुआ है और देश ने इस दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। साथियों बात अगर हम नक्सलवाद और भ्रष्टाचार के बीच एक महत्वपूर्ण समानता को समझने की करें तो वह यह है कि दोनों ही विकास और सुशासन के लिए बाधक हैं। जहां नक्सलवाद ने देश के कुछ हिस्सों को विकास की मुख्यधारा से अलग कर दिया, वहीं भ्रष्टाचार ने पूरे देश में संसाधनों के न्यायसंगत वितरण को प्रभावित किया। इसलिए यदि नक्सलवाद के अंत को एक नई आज़ादी के रूप में देखा जा रहा है, तो भ्रष्टाचार से मुक्ति को वास्तविक आज़ादी की दिशा में अगला कदम माना जा सकता है।अब सवाल यह है कि क्या भ्रष्टाचार के खिलाफ भी एक निश्चित डेडलाइन तय की जा सकती है? यह एक जटिल प्रश्न है, क्योंकि नक्सलवाद की तरह यह एक स्पष्ट और सीमित क्षेत्र में फैली समस्या नहीं है। यह समाज और व्यवस्था के हर स्तर पर मौजूद है। लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि इसके खिलाफ ठोस और समयबद्ध कार्रवाई संभव नहीं है। यदि स्पष्ट लक्ष्यों, मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रभावी कार्यान्वयन के साथ एक रणनीति बनाई जाए, तो निश्चित रूप से इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की जा सकती है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि नक्सल मुक्त भारत से भ्रष्टाचार मुक्त भारत की यात्रा केवल एक नीतिगत बदलाव नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय परिवर्तन का संकेत है। यह यात्रा आसान नहीं होगी, लेकिन यदि इसे सही दिशा और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ाया जाए, तो यह भारत को एक नए युग में प्रवेश कराने का माध्यम बन सकती है एक ऐसा युग जहां विकास समावेशी हो, शासन पारदर्शी हो और नागरिकों का विश्वास अटूट हो।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र
9226229318

भीड़ में भी अपनी अलग दुनिया बसाए इन मासूमों को पहचानिए

लेखक- दिलीप कुमार पाठक

दुनिया की इस भागदौड़ और शोर-शराबे में जब हम सामान्य होने का दिखावा कर रहे होते हैं, तब हमारे बीच ही कुछ ऐसे मासूम चेहरे होते हैं जिनकी अपनी एक खामोश और अलग दुनिया होती है। 2 अप्रैल का दिन कैलेंडर में विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के रूप में दर्ज है, लेकिन सवाल यह है कि क्या हम वाकई इस शब्द के पीछे के मर्म को समझते हैं? ऑटिज्म, जिसे हिंदी में स्वलीनता कहते हैं, कोई बीमारी नहीं है। यह तो कुदरत का एक अलग अंदाज है, जहाँ किसी बच्चे के सोचने, समझने और दूसरों से जुड़ने का तरीका हमसे थोड़ा अलग होता है। अक्सर हम ऐसे बच्चों को देखकर या तो नजरें चुरा लेते हैं या फिर उन पर बेचारा होने का ठप्पा लगा देते हैं। समाज की यही सहानुभूति दरअसल उनके लिए सबसे बड़ा पिंजरा बन जाती है। हमें समझने की जरूरत है कि ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्ति को हमारी दया की नहीं, बल्कि हमारे साथ और सम्मान की जरूरत है। वे दुनिया को वैसे नहीं देखते जैसे हम और आप देखते हैं। उनके लिए रंगों के मायने अलग हो सकते हैं, भीड़ का शोर उन्हें डरा सकता है और उनकी खामोशी में ही सबसे गहरा संवाद छिपा होता है। पहचान की बात करें तो इसके लक्षण बहुत सूक्ष्म होते हैं। ऐसे बच्चे अक्सर सीधे नजरें मिलाने से कतराते हैं। उन्हें अपनी बात कहने या दूसरों की बात समझने में मुश्किल होती है। कई बार वे एक ही क्रिया को बार-बार दोहराते हैं, जैसे हाथों को हिलाना या गोल घूमना। वे अपनी ही धुन में रहना पसंद करते हैं और अचानक हुए किसी शोर से परेशान हो सकते हैं। अगर कोई बच्चा अपनी उम्र के हिसाब से बोलना शुरू नहीं कर रहा या सामाजिक मेलजोल से कट रहा है, तो यह संकेत हो सकता है कि वह अपनी एक अलग दुनिया में स्वलीन है। वैज्ञानिक नजरिए से देखें तो यह स्थिति जन्म से होती है और जीवन भर साथ रहती है। आंकड़े बताते हैं कि दुनिया भर में हर सौ में से एक बच्चा ऑटिज्म के साथ पैदा होता है। भारत में जागरूकता की कमी के कारण इसे अक्सर पागलपन मान लिया जाता है। विडंबना देखिए कि जिस बच्चे को सिर्फ थोड़े से धैर्य और प्यार की जरूरत थी, उसे हम अपनी गलतफहमियों की वजह से समाज से काट देते हैं। सही समय पर पहचान और ट्रेनिंग के जरिए ये बच्चे भी समाज की मुख्यधारा का हिस्सा बन सकते हैं, बस जरूरत है तो हमें अपना नजरिया बदलने की। पिछले एक दशक से पत्रकारिता और समाज को देखते हुए मैंने महसूस किया है कि ऑटिज्म इलाज का नहीं, बल्कि एहसास का विषय है। इसे एक स्पेक्ट्रम कहा जाता है क्योंकि इसके लक्षण हर किसी में अलग होते हैं। कोई बच्चा गणित के सवालों को चुटकियों में हल कर देता है, तो कोई रंगों से ऐसी जादुई पेंटिंग बनाता है कि देखने वाले दंग रह जाएं। इतिहास गवाह है कि अल्बर्ट आइंस्टीन और आइजैक न्यूटन जैसे महान वैज्ञानिकों में भी ऑटिज्म के लक्षण थे। तो फिर हम क्यों इन बच्चों को दूसरों से कमतर आंक लेते हैं? आज के डिजिटल युग में, जहाँ हर रिश्ता लाइक और कमेंट तक सिमट गया है, ऑटिज्म से जूझ रहे लोग हमें मौन की असली ताकत सिखाते हैं। वे बनावटी नहीं होते, वे झूठ नहीं बोलते और वे दुनिया भर की चालाकियों से कोसों दूर होते हैं। असल चुनौती उन बच्चों के साथ नहीं, बल्कि हमारे व्यवहार के साथ है। हम उन्हें अपनी तरह नॉर्मल बनाना चाहते हैं, जबकि असल जरूरत हमें उनकी मासूम दुनिया को समझने की है। अखबारों और टीवी की बहसों में अक्सर सत्ता और सियासत के मुद्दे गूंजते हैं, लेकिन उस मां या पिता के संघर्ष पर बात कम होती है जिसका बच्चा स्कूल में उपहास का पात्र बनता है। हमें अपने बच्चों को यह सिखाना होगा कि जो बच्चा थोड़ा अलग है, उसका मजाक नहीं उड़ाना बल्कि उसका हाथ थामना है। सार्वजनिक जगहों पर इनके लिए एक सहज माहौल तैयार करना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। इस 2 अप्रैल को हमें एक संकल्प लेना चाहिए। स्वलीनता के शिकार इन खास लोगों को सिर्फ दिव्यांग मानकर सरकारी फाइलों तक सीमित न रखें। उन्हें मंच दें, उन्हें आगे बढ़ने के मौके दें और उन्हें यह अहसास दिलाएं कि वे अकेले नहीं हैं। जब हम सहानुभूति का रास्ता छोड़कर बराबरी का हाथ बढ़ाएंगे, तभी हम एक बेहतर समाज कहलाने के हकदार होंगे। ऑटिज्म कोई रुकावट नहीं, बल्कि एक अलग काबिलियत है जिसे सिर्फ प्यार और समझदारी के पुल से ही समझा जा सकता है।

अपने भीतर के हनुमान को जगाने का पर्व

लेखक- ललित गर्ग

हनुमान जयंती केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानव जीवन के चरित्र-निर्माण, आत्मबल, संयम, सेवा और समर्पण की प्रेरणा देने वाला महान दिवस है। यह दिन हमें मंदिरों में दीप जलाने से अधिक अपने भीतर के अंधकार को दूर करने का संदेश देता है। हनुमान केवल शक्ति के प्रतीक नहीं हैं, वे शक्ति के सदुपयोग, ज्ञान की विनम्रता, भक्ति की पराकाष्ठा और सेवा की परंपरा के प्रतीक हैं। इसलिए हनुमान जयंती मनाने का वास्तविक अर्थ है-अपने भीतर के हनुमान को जगाना। हनुमान जी को मंगलकर्ता और विघ्नहर्ता कहा गया है। लेकिन वे विघ्न केवल बाहरी नहीं हटाते, वे मनुष्य के भीतर के विघ्न-अहंकार, भय, आलस्य, क्रोध, लोभ, मोह, इन सबका भी नाश करते हैं। आज का मनुष्य बाहरी समस्याओं से कम और आंतरिक कमजोरियों से अधिक परेशान है। इसलिए आज हनुमान की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक है।

हनुमान शक्ति के प्रतीक हैं, लेकिन उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने कभी अपनी शक्ति का प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने अपनी शक्ति को सेवा में लगाया। आज का युग शक्ति प्रदर्शन का युग बन गया है-धन का प्रदर्शन, पद का प्रदर्शन, ज्ञान का प्रदर्शन, शक्ति का प्रदर्शन। लेकिन हनुमान हमें सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का प्रदर्शन नहीं, उसका संरक्षण और सदुपयोग ही महानता है। सर्वशक्तिमान होकर भी उन्होंने स्वयं को "राम का दास" कहा। इससे बड़ी विनम्रता और क्या हो सकती है? हनुमान हमें यह भी सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का अहंकार नहीं होना चाहिए। ज्ञान यदि विनम्रता नहीं देता, तो वह अज्ञान है। शक्ति यदि सेवा में नहीं लगती, तो वह विनाश का कारण बनती है। इसलिए हनुमान शक्ति और ज्ञान के साथ-साथ विनम्रता और सेवा के भी प्रतीक हैं। हनुमान को ज्ञानियों में अग्रगण्य कहा गया है-"ज्ञानिनामग्रगण्यम"। वे केवल बलवान नहीं थे, वे महान विद्वान, व्याकरणाचार्य, तर्कशास्त्री, संगीतज्ञ और नीतिज्ञ भी थे। लेकिन इतनी विद्या होने पर भी उनमें अहंकार नहीं था। वे सरलता, सादगी और सेवा के प्रतीक बने रहे। आज शिक्षा बढ़ रही है, लेकिन विनम्रता घट रही है। डिग्रियाँ बढ़ रही हैं, लेकिन चरित्र घट रहा है। ऐसे समय में हनुमान का चरित्र हमें ज्ञान के साथ विनम्रता का संतुलन सिखाता है। हनुमानजी को हिन्दू देवताओं में सबसे शक्तिशाली माना गया है, वे रामायण जैसे महाग्रंथ के सह पात्र थे। वे भगवान शिव के ग्यारवें रूद्र अवतार थे जो श्रीराम की सेवा करने और उनका साथ देने त्रेता युग में अवतरित हुए थे। उनको बजरंग बलि, मारुतिनंदन, पवनपुत्र, केशरीनंदन आदि अनेकों नामों से पुकारा जाता है। उनका एक नाम वायुपुत्र भी है, उन्हें वातात्मज भी कहा गया है अर्थात् वायु से उत्पन्न होने वाला। इन्हें सात चिरंजीवियो में से एक माना जाता है। वे सभी कलाओं में सिद्धहस्त एवं माहिर थे। वीरो में वीर, बुद्धिजीवियों में सबसे विद्वान। इन्होंने अपने पराक्रम और विद्या से अनेकों कार्य चुटकीभर समय में पूर्ण कर दिए है। वे शौर्य, साहस और नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। समर्पण एवं भक्ति उनका सर्वाधिक लोकप्रिय गुण है। रामभक्त हनुमान बल, बुद्धि और विद्या के सागर तो थे ही, अष्ट सिद्धि और नौ निधियों के दाता और ज्योतिष के भी प्रकांड विद्वान थे। हनुमान के जीवन में तीन महान तत्व दिखाई देते हैं- ज्ञान, भक्ति और कर्म। ज्ञान उन्हें दिशा देता है, भक्ति उन्हें प्रेरणा देती है और कर्म उन्हें महान बनाता है। यदि किसी व्यक्ति के जीवन में ज्ञान है पर कर्म नहीं, तो वह अधूरा है। यदि कर्म है पर भक्ति नहीं, तो उसमें संवेदना नहीं होगी। यदि भक्ति है पर ज्ञान नहीं, तो वह अंधविश्वास बन सकती है। इन तीनों का समन्वय यदि किसी चरित्र में दिखाई देता है, तो वह हनुमान का चरित्र है। हनुमान का जीवन संयम का जीवन था। वे बलशाली थे, पर ब्रह्मचारी थे। वे विद्वान थे, पर विनम्र थे। वे वीर थे, पर शांत थे। वे शक्तिशाली थे, पर सेवक थे। यह संतुलन ही उन्हें महान बनाता है। आज मनुष्य के पास साधन हैं, पर संयम नहीं। ज्ञान है, पर दिशा नहीं। शक्ति है, पर सेवा नहीं। इसलिए समाज में अशांति बढ़ रही है। हनुमान का जीवन हमें संयम और संतुलन का संदेश देता है। हनुमान के बाल स्वरूप की कथा भी अत्यंत प्रेरणादायक है। बालक हनुमान ने सूर्य को फल समझकर पकड़ने का प्रयास किया। यह केवल एक पौराणिक कथा नहीं, बल्कि एक महान संदेश है। यह बालकों की असीम जिज्ञासा, उत्साह और ऊर्जा का प्रतीक है। यह कथा समाज को संदेश देती है कि बच्चों की जिज्ञासा को दबाया नहीं जाना चाहिए, उसे सही दिशा देनी चाहिए। यदि बालकों को सही मार्गदर्शन मिले, तो उनमें से हर बालक हनुमान बन सकता है-ऊर्जावान, जिज्ञासु, साहसी और रचनात्मक। आज के माता-पिता और समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि वे बच्चों में हनुमान जैसे गुण विकसित करें-साहस, जिज्ञासा, अनुशासन, सेवा, विनम्रता और भक्ति। यदि बचपन में ही यह संस्कार मिल जाएं, तो समाज का भविष्य उज्ज्वल हो सकता है। हनुमान भक्ति का वास्तविक अर्थ भी समझना जरूरी है। हनुमान भक्ति केवल चालीसा पढ़ना नहीं है, बल्कि हनुमान के गुणों को जीवन में उतारना है। हनुमान भक्ति का अर्थ है- अहंकार छोड़ना, सेवा करना, सत्य का साथ देना, संयम रखना, कर्तव्य निभाना और अपने जीवन को किसी महान उद्देश्य से जोड़ना। जब तक भक्ति केवल मंदिर तक सीमित रहेगी, तब तक भगवान अलग रहेंगे और भक्त अलग रहेगा। जब भक्ति जीवन बन जाती है, तब भगवान और भक्त अलग नहीं रहते। हनुमान की भक्ति प्रदर्शन नहीं, आत्मपरिवर्तन की प्रक्रिया है। यह भक्ति व्यक्ति को भीतर से बदल देती है-अहंकार की जगह विनम्रता, क्रोध की जगह क्षमा, भय की जगह साहस और निराशा की जगह आशा भर देती है। आज समाज में सबसे बड़ी समस्या शक्ति की नहीं, चरित्र की है; ज्ञान की नहीं, दिशा की है; साधनों की नहीं, संयम की है। इसलिए आज समाज को हनुमान की जरूरत है-मंदिरों में नहीं, जीवन में; मूर्तियों में नहीं, व्यक्तित्व में। हर व्यक्ति के भीतर एक हनुमान सोया हुआ है- किसी में साहस का हनुमान, किसी में सेवा का हनुमान, किसी में ज्ञान का हनुमान, किसी में भक्ति का हनुमान। जरूरत केवल उसे जगाने की है। अपने भीतर के हनुमान को जगाने का अर्थ है- अपने भीतर के भय को हराना, अपने भीतर के अहंकार को मिटाना, अपने भीतर की शक्ति को सेवा में लगाना, अपने ज्ञान को समाज के काम में लगाना, अपने जीवन को किसी महान उद्देश्य से जोड़ना। यदि हनुमान जयंती पर हम केवल पूजा करें और जीवन न बदलें, तो यह पर्व अधूरा है। यदि हम अपने जीवन में साहस, सेवा, संयम, विनम्रता और भक्ति का एक भी गुण उतार लें, तो हनुमान जयंती सार्थक हो जाएगी। आज आवश्यकता मंदिरों में हनुमान खोजने की नहीं, अपने भीतर हनुमान जगाने की है। जब व्यक्ति के भीतर हनुमान जागेगा, तब उसका भय समाप्त होगा। जब समाज के भीतर हनुमान जागेगा, तब अन्याय समाप्त होगा। जब राष्ट्र के भीतर हनुमान जागेगा, तब कमजोरी समाप्त होगी। हनुमान जयंती हमें यही संदेश देती है कि महानता शक्ति में नहीं, शक्ति के सदुपयोग में है; ज्ञान में नहीं, ज्ञान की विनम्रता में है; भक्ति में नहीं, भक्ति के समर्पण में है। इस हनुमान जयंती पर हमें संकल्प लेना चाहिए- हम शक्ति का प्रदर्शन नहीं, संरक्षण करेंगे।

महिलाओं का अंधविश्वासी होना भी उनके यौन शोषण का बड़ा कारण

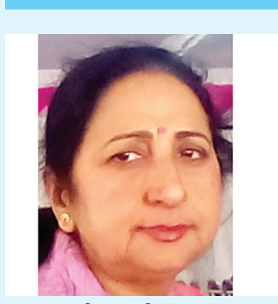

लेखिका- निर्मल रानी

महिलाओं को देवियां कहकर संबोधित करने व देवियों की पूजा करने वाले हमारे देश में आये दिन महिलाओं के यौन शोषण की नई से नई व घिनौनी से घिनौनी ख़बरें सामने आती रहती हैं। वैसे तो राजनीति,निजी व सरकारी सेवा क्षेत्र,शैक्षणिक संस्थान आदि सभी क्षेत्रों में महिलाओं के यौन शोषण की ख़बरें सुनाई देती हैं परन्तु बड़े ही दुःख व शर्म की बात यह है कि महिलाओं का सबसे अधिक शोषण उनके अन्धविश्वास के चलते या उनकी धर्मान्धता के कारण होता है। देश के अनेक बड़े से बड़े स्वयंभू धर्मगुरु जो ईश्वरीय अवतार होने तक का दावा किया करते थे, महिलाओं के यौन शोषण यहाँ तक कि बलात्कार व हत्या जैसे मामलों में जेल की सज़ा काट चुके हैं और कई अब भी जेलों में हैं परन्तु आश्चर्य यह है कि उनके काले कारनामों से पर्दा हटने के बावजूद ऐसे दुराचारी स्वयंभू धर्मगुरुओं के अनुयायियों ख़ासकर महिला अनुयायियों में कोई कमी नहीं देखी जा रही है। बल्कि उनके प्रति अंधआस्था रखने वाले लोग यह कहते सुने जाते हैं कि उनके गुरु जी को जबरन फंसाया गया है। शायद यही वजह है कि हमारे देश में आये दिन इस तरह के नित नये मामले सामने आते रहते हैं। पिछले दिनों ऐसा ही हैरान करने वाला एक मामला महाराष्ट्र के नासिक से सामने आया। यहाँ कैप्टन अशोक खरात उर्फ़ अशोक कुमार उर्फ़ एकनाथ खरात नाम से प्रसिद्ध एक ज्योतिषी की हैरान कर देने वाली काली करतूत उजागर हुई। इस व्यक्ति का नासिक के कनाडा कॉर्नर क्षेत्र में ओकस प्रॉपर्टी डीलर्स एंड डेवलपर्स नाम से एक कार्यालय था जो ज्योतिष के केंद्र के रूप में प्रसिद्ध था । उसके क़रीब ही सिन्नर में उसका एक विशाल फ़ार्म हाउस था जिसमें उसने ईशान्येश्वर मंदिर बना रखा था। वह एक ट्रस्ट बनाकर इस व्यवस्था को स्वयं संचालित करता था। वह ख़ुद ही ट्रस्ट का प्रमुख था। उसके पास और भी अनेक संपत्तियां थीं। खरात के नेताओं, अधिकारियों, सेलिब्रिटी और व्यापारियों से भी गहरे संबंध थे। इस 67 वर्षीय पूर्व मर्चेंट नेवी कर्मचारी जो कि स्वयं को कैप्टन बताता था उसने ज्योतिष और आध्यात्मिक शक्तियों के नाम पर अनेक महिलाओं को अपने जाल में फंसाया हुआ था । वह स्वयं को रसूख़दार व शक्तिशाली ज्योतिषी व आध्यात्मिक गुरु बताता था। यहां तक कि भगवान शिव का अवतार होने का दावा भी किया करता था। यह व्यक्ति संपन्न ऊंचे रसूख़ वाली उच्च पदों पर आसीन महिलाओं व उच्च पदों पर विराजमान लोगों की पत्नियों को उनके व्यक्तिगत , पारिवारिक, वैवाहिक या फिर भविष्य व कैरियर संबंधी समस्याओं का समाधान बताने के बहाने से अपने कार्यालय या अपने फ़ार्म हाउस पर बुलाया करता था। इसके बाद वह उन महिलाओं की कुंडली देखता था। फिर किसी महिला को उसके पति की मौत का ख़तरा बताता तो किसी को कोई और परिवारिक संकट बता देता। किसी को उसका भविष्य ख़राब होने की भविष्यवाणी कर देता तो किसी को गंभीर बीमारी का भय बता देता। और इसी की आड़ में वह पूजा-पाठ व अन्य धार्मिक अनुष्ठान करने की बातें किया करता था। यह स्वयंभू ज्योतिषी अपने कार्यालय या फ़ार्म हाउस के एक प्राइवेट केबिन में शुद्धिकरण या रीतियों के नाम पर अपना शिकार बनाने वाली महिलाओं को किसी पेय के माध्यम से ऐसा नशीला पदार्थ पिलाता जिससे वे बेहोश हो जातीं या फिर सम्मोहित हो जातीं। उसके बाद वह अपने कार्यालय में ही उन महिलाओं का यौन शोषण किया करता था। और वहां गुप्त रूप से लगे सी सी टी वी कैमरों से उनकी वीडियो रिकॉर्ड करता। बाद में इसी वीडियो के माध्यम से शिकार की गयी महिलाओं को डराता धमकाता। वह यह धमकी भी देता कि यदि उन्होंने किसी से इस घटना का ज़िक्र किया तो उनके पति की जान जा सकती है और उसका पूरा परिवार बर्बाद हो सकता है। वह उन महिलाओं को वीडियो वायरल करने की धमकी भी देता। और इसी के बहाने वह न केवल इन महिलाओं का बार-बार शारीरिक शोषण करता बल्कि उनसे पैसे भी ऐंठता रहता था। बहरहाल आख़िरकार उस स्वयंभू आध्यात्मिक गुरु व स्वयंभू शिवावतार के पाप का घड़ा फूट ही गया। एक महिला ने पिछले दिनों उसकी पुलिस में शिकायत की कि तीन साल से भी अधिक समय तक उसने अपने इसी कुचक्र में उसे उलझाये रखा। जबकि अनेक महिलाएं या तो डर के मारे या अपनी बदनामी के भय से ख़ामोश रहीं। इसी महिला की शिकायत पर नासिक क्राइम ब्रांच ने पिछले दिनों उसके फ़ार्म हाउस पर छापा मारा। पुलिस को यहां से जो पेन ड्राइव मिले उसमें लगभग एक सौ के क़रीब महिलाओं की आपत्तिजनक वीडिओ प्राप्त हुई। इसके अलावा उसके ऑफ़िस और फ़ार्म हाउस से पिस्तौल, कारतूस व अनेक संदिग्ध दस्तावेज़ मिले व करोड़ों की संपत्ति का ख़ुलासा हुआ। हद तो यह है कि इस व्यक्ति ने महिलाओं के हितों की रक्षा करने वाली महाराष्ट्र महिला आयोग की एक पूर्व अध्यक्ष को भी नहीं बख़्शा।इस के साथ भी उसकी आपत्ति जनक तस्वीरें व वीडिओ वायरल हुये। अब जबकि खरात पुलिस हिरासत में है और एस आई टी मामले की जांच कर रही है ऐसे में अब और भी कई महिलाएं शिकायत दर्ज कराने के लिये सामने आ रही हैं। परन्तु कई महिलायें अभी भी भय व बदनामी के चलते ख़ामोश हैं। ऐसे में एक बार फिर वही सवाल पैदा होता है कि देश में पाखण्डी व दुराचारी प्रवृति के अनेकानेक धर्मगुरुओं, ज्योतिषियों के तमाम काले कारनामों के उजागर होने के बावजूद भी आख़िर महिलायें क्योंकर ऐसे पाखंडियों के चंगुल में फँस जाती हैं? प्रायः अशिक्षित महिलाओं को तो ऐसे कुचक्रों में फंसता हुआ देखा ही जा चुका है परन्तु इस मामले ने तो सभी को इसलिये भी हैरान कर दिया है कि खरात ने शिक्षित व उच्च पदों पर रहने वाली या रसूख़दार परिवारों की महिलाओं को ही अपने जाल में फंसाया। इससे यह साफ़ ज़ाहिर है कि अंधआस्था व अंधविश्वास केवल ग़रीब व अशिक्षित महिलाओं में ही नहीं बल्कि शिक्षित महिलायें भी इसका शिकार हैं।

4 बल्लेबाज, जिन्होंने एक ही आईपीएल सीजन में 800 से ज्यादा रन कूटे

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खिलाड़ियों ने कई रिकॉर्ड्स बनाए और तोड़े हैं। इस दौरान बल्लेबाजों ने जमकर चौके और छक्कों की बरसात करते हुए फैंस का खूब मनोरंजन किया। आइए, आईपीएल इतिहास के उन 4 खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं, जिन्होंने एक ही सीजन में 800 से ज्यादा रन कूटे।

- **विराट कोहली :** इस बल्लेबाज ने अब तक सभी 18 सीजन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेले हैं। कोहली ने आईपीएल 2016 में 16 मैच खेलते हुए 81.08 की औसत के साथ कुल 973 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 4 शतक और 7 अर्धशतक लगाए। कोहली एक आईपीएल सीजन में सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में संयुक्त रूप से नंबर-1 हैं। उन्होंने आईपीएल 2016 में 38 छक्के और 83 चौके लगाए थे। विराट कोहली आईपीएल इतिहास में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। कोहली ने साल 2008 से अब तक कुल 268 आईपीएल मैच खेले, जिसमें 39.86 की औसत से 8,730 रन बनाए। कोहली सर्वाधिक 8 आईपीएल शतक लगाने वाले खिलाड़ी भी हैं। इस लीग में उनके बल्ले से कुल 296 छक्के और 776 चौके निकले हैं।
- **शुभमन गिल :** गुजरात टाइटंस की ओर से खेलते हुए गिल ने आईपीएल 2023 में 17 मैच खेले, जिसमें 59.33 की औसत के साथ 890 रन बनाए। इस दौरान गिल ने 3 बार शतकीय पारियां खेलीं। गिल ने उस सीजन 33 छक्के और 85 चौके लगाए थे।
- **जोस बटलर :** आईपीएल 2022 में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से 17 मैच खेलते हुए बटलर ने 57.53 की औसत के साथ कुल 863 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 4 शतक और इतने ही अर्धशतक निकले। इस सीजन बटलर के बल्ले से 45 छक्के और 83 चौके निकले।

क्यों BCCI ने लगाया 12 लाख का फाइन?

पंजाब किंग्स की धांसू जीत के बावजूद मिली सजा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 का चौथा मुकाबला पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच खेला गया। बीते 31 मार्च को खेले गए इस मुकाबले में पंजाब ने गुजरात पर 3 विकेट की रोमांचक जीत दर्ज की। रनर्स अप पंजाब किंग्स ने आईपीएल के 19वें सीजन का आगाज जीत के साथ किया है।

● बोस्निया से हारकर इटली फीफा विश्व कप 2026 से बाहर

लगातार तीसरी बार चूकी मौका

बर्लिन, एजेंसी। चार बार की चैंपियन इटली फीफा विश्व कप 2026 से बाहर हो गई है। पेनल्टी से तय हुए एक रोमांचक प्लेऑफ में बोस्निया और हर्जेगोविना से हारने के बाद इटली को लगातार तीसरी बार बार फीफा विश्व कप से बाहर होना पड़ा। जेनिका में हुआ यह मैच अतिरिक्त समय के बाद 1-1 से बराबर रहा, जिसके बाद बोस्निया ने शूटआउट में 4-1 से जीत हासिल की। इस जीत के साथ बोस्निया ने 2014 के बाद पहली बार विश्व कप में जगह बनाई। इटली के डिफेंडर लियोनार्डो स्पिनाजोला ने कहा, 'हमें अभी भी यकीन नहीं हो रहा है। यह सभी के लिए दुखद है।'

हेड कोच जेननारो गुट्टूसो ने मैच के बाद माफी मांगते हुए कहा कि टीम उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। रिपोर्ट के मुताबिक, जेनिका में इटली शुरुआत में ही सही रास्ते पर लग रहा था जब मोइज कीन ने बोस्निया के गोलकीपर निकोला वासिलज की

एक बड़ी गलती का फायदा उठाकर मेहमान टीम को 15वें मिनट में बढ़त दिला दी। हाफटाइम से पहले मैच का रुख तब बदल गया जब इटली के सेंटर-बैक एलेसेंड्रो बास्टोनी को लास्ट-मैन फाउल के लिए बाहर भेज दिया गया, जिससे मेहमान टीम को लंबे समय तक डिफेंसिव लड़ाई लड़नी पड़ी। 10 खिलाड़ियों तक सिमटने के बाद, इटली ने पीछे हटकर बढ़त बचाने की कोशिश की, लेकिन बोस्निया ने दबाव बनाया, और आखिरकार 79वें मिनट में हारिस तबाकोविक ने स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। अतिरिक्त समय में कोई भी टीम जीत नहीं पाई, जिससे मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में चला गया जिसमें इटली को हार का सामना करना पड़ा। सैंड्रो टोनाली स्पॉट से गोल करने वाले अकेले इतालवी खिलाड़ी थे। पियो एस्पोसिटो ने ऊपर से शॉट मारा, जबकि ब्रायन क्रिस्टांटे ने बार के नीचे से शॉट मारा और उनका शॉट बाहर चला गया। बोस्निया ने चारों पेनल्टी को गोल में बदला, जिसमें एस्मिर बजरकतारेविक ने निर्णायक किक लगाई। मंगलवार को दूसरी जगह, चेक रिपब्लिक भी अतिरिक्त समय के बाद डेनमार्क के साथ 2-2 से ड्रॉ के बाद पेनल्टी शूटआउट से आगे बढ़ा।

एक ही ओवर में 11 बॉल फेंक गए अर्शदीप, 5 अन्य गेंदबाज भी कर चुके ऐसा

न्यू चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह का नाम अनचाही फेहरिस्त में जुड़ गया है। बाएं हाथ के 27 वर्षीय गेंदबाज ने मंगलवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के चौथे मुकाबले में एक ही ओवर के दौरान 11 गेंदें फेंकीं। यह आईपीएल इतिहास में गेंदों के हिसाब से संयुक्त रूप से सबसे चौका लगाया। अर्शदीप ने इसके बाद एक नो-बॉल और दो वाइड फेंकी। ओवर की चौथी लीगल डिलीवरी डॉट रही। पांचवीं गेंद पर तेवतिया ने सिंगल चुराया, लेकिन अगली ही गेंद अर्शदीप ने वाइड फेंक दी। आखिरकार, 134.1 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से राशिद खान को फेंकी गेंद इस ओवर की अंतिम डिलीवरी साबित हुई। अर्शदीप से पहले मोहम्मद

लंबा ओवर है। अर्शदीप से पहले 5 अन्य गेंदबाज ऐसा कर चुके थे। मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में जारी इस मुकाबले में अर्शदीप सिंह ने गुजरात टाइटंस की पारी के 20वें ओवर में कुल 11 बॉल फेंकी। टाइटंस 19 ओवरों के खेल तक 6 विकेट खोकर 150 रन बना चुकी थी। इसके बाद गेंद अर्शदीप को सौंपी गई, जिन्होंने नए ओवर की पहली ही गेंद वाइड फेंकी। अगली दो लीगल डिलीवरी पर राहुल तेवतिया कोई रन नहीं बना सके। ओवर की तीसरी गेंद पर तेवतिया ने सिराज (साल 2023), तुषार देशपांडे (साल 2023), शार्दुल ठाकुर (साल 2025), संदीप शर्मा (साल 2025) और हार्दिक पंड्या (साल 2025) एक ही ओवर में 11 गेंदें फेंक चुके थे। न्यू चंडीगढ़ में खेले जा रहे इस मुकाबले की बात करें, तो टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी गुजरात टाइटंस ने 6 विकेट खोकर 162 रन बनाए। कप्तान शुभमन गिल ने सर्वाधिक 39 रन टीम के खाते में जोड़े। जोस बटलर ने 38 रन का योगदान दिया। इनके अलावा, ग्लेन फिलिप्स ने 25 रन टीम के खाते में जुटाए।

एशियन बॉक्सिंग : एशियाई चैंपियनशिप

प्रिया की शानदार जीत

जादुमणि ने शीर्ष वरीय यामागुची को कड़ी टक्कर दी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की प्रिया ने एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के दूसरे दिन मंगलवार को 5-0 से जीत दर्ज की, जबकि जादूमणि सिंह जुझारू प्रदर्शन करने के बावजूद हार गए।

एशियन मुक्केबाजी चैंपियनशिप के दूसरे दिन भारत की प्रिया ने 5-0 से शानदार जीत दर्ज की, जबकि जादुमणि सिंह ने जापान के शीर्ष वरीय मुक्केबाज को मुकाबले के आखिर तक कड़ी टक्कर दी। महिलाओं के 60 किलोग्राम वर्ग में प्रिया ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कजाखस्तान की रिम्मा वोलोसेंको को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया। पूरे मुकाबले के दौरान उन्होंने गजब का नियंत्रण और संयम दिखाया जिसके दम पर वह अगले दौर में पहुंच गईं। अगले मुकाबले में उनका सामना चीन की चेंग्यू यांग से होगा, जो इस वर्ग की दूसरी वरीयता प्राप्त मुक्केबाज हैं। पुरुषों के 55 किलोग्राम वर्ग में जादुमणि ने जापान के रुई यामागुची के खिलाफ कड़ा मुकाबला लड़ा, लेकिन आखिर

में उन्हें 2-3 के खंडित फैसले से हार का सामना करना पड़ा। यामागुची इस वर्ग के शीर्ष वरीयता प्राप्त मुक्केबाज हैं और वह इस टूर्नामेंट में मजबूत दावेदार के तौर पर उतरे हैं। उनके नाम अस्ताना इवेंट में रजत पदक और मुक्केबाजी विश्व कप फाइनल में कांस्य पदक जैसी बड़ी उपलब्धियां दर्ज हैं। इतने अनुभवी और सफल प्रतिद्वंद्वी का सामना करने के बावजूद जादुमणि ने उन्हें हर पंच का करारा जवाब दिया। उन्होंने मुकाबले को आखिरी पल तक रोमांचक बनाए रखा और यह दिन के सबसे करीबी मुकाबलों में से एक साबित हुआ।

प्रज्ञानन्दा को हराकर सिंदारोव नें करूआना के साथ बनाई सयुंक्त बढ़त

नई दिल्ली, एजेंसी। फ़ीडे कैंडिडेट शतरंज में भारत के आर प्रज्ञानन्दा के अभियान को तीसरे राउंड में जोरदार झटका लगा है जब उज़्बेकेकिस्तान के विश्व कप विजेता जावोखीर सिंदारोव नें उन्हें एक बेहद कड़े मुक़ाबले में एक मोहरा क़ुर्बान करते हुए समय के दबाव में डालकर 40 चालों में पराजित कर दिया वहीं यूएसए के फैबियानो करूआना नें कैंडिडेट के इतिहास के सबसे कम चालों में से एक जीत दर्ज की उन्होंने मात्र 19 चालों में चीन के वे यी को पराजित कर दिया और अब सिंदारोव और कारुआना तीन राउंड के बाद दो जीत और एक ड्रा के साथ 2.5 अंक बनाकर सयुंक्त बढ़त पर आ गए है । अन्य बाज़ियों में यूएसए के हिकारू नकामुरा नें नीदरलैंड के अनीश गिरी से और रूस के आंद्रे एसिपेंको नें जर्मनी के मैथियास ब्लूबम से ड्रा खेला ।भारत के प्रज्ञानन्दा आज की हार के बाद 1.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर सरक गए है ।महिला वर्ग में भी समाचार लिखे जाने तक विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख रूस की गोर्याचकिना से हार की कगार पर चल रही है जबकि वैशाली नें यूक्रेन की अन्ना मुज़्यचुक से ड्रा खेला वहीं कज़ाक्स्तिान की बिबीसारा आसुबयेवा नें चीन की जू जीनर को पराजित करते हुए रूस की लग्नों कैटरिना के साथ सयुंक्त बढ़त बना ली है ।

व्यापार

महंगाई का झटका: प्रीमियम पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रीमियम पेट्रोल के दाम में आज बढ़ोतरी हुई है। दिल्ली में इंडियन ऑयल के पेट्रोल पंपों पर एक्सपीवी 00 पेट्रोल 149 से 160 रुपये प्रति लीटर और एक्स्ट्रा ग्रीन डीजल 91.49 से 92.99 रुपये प्रति लीटर हो गया है। दूसरी ओर कच्चे तेल में उछाल के बावजूद आज भी भारत पेट्रोलियम समेत ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने सामान्य पेट्रोल-डीजल के रेट नहीं बढ़ाए हैं। जबकि, कमर्शियल सिलेंडर के दाम में आज भारी बढ़ोतरी की गई है। 1 अप्रैल की सुबह छह बजे जारी रेट के मुताबिक दिल्ली के इंडियन ऑयल के पंपों पर साधारण पेट्रोल की रिटेल कीमत 94.77 और डीजल 87.67 रुपये लीटर है। भारत में सबसे सस्ता तेल पोर्ट ब्लेयर में है। यहां पेट्रोल 82.46 प्रति लीटर है तो डीजल 78.05 प्रति लीटर। दिल्ली में 1 अप्रैल 2026 से सामान्य पेट्रोल की कीमत तय करने में कई हिस्से शामिल हैं। सबसे पहले डीलर्स को बिना वैट के जो बेस प्राइस दिया जाता है। आज 1 अप्रैल को इंडियन ऑयल द्वारा जारी डेटा के मुताबिक यह 74.97 प्रति लीटर है। इसके ऊपर औसतन 4.40 प्रति लीटर डीलर कमीशन जोड़ा गया है। इसके बाद वैट (जिसमें डीलर कमीशन पर लगने वाला टैक्स भी शामिल है) 15.40 प्रति लीटर लगाया गया है। इन सभी को मिलाकर दिल्ली में आज 1 अप्रैल को पेट्रोल की खुदरा कीमत करीब 94.77 प्रति लीटर बैठती है। सामान्य डीजल की कीमत भी इसी तरह तय होती है, जिसमें सबसे पहले डीलर्स का कमीशन, वैट आदि जुड़े होते हैं। आज जारी प्राइस बिल्डअप के मुताबिक दिल्ली में एक लीटर डीजल की कीमत 87.67 है। इसका बेस प्राइस बिना वैट के 71.81 प्रति लीटर है। इसके बाद औसतन 3.03 प्रति लीटर डीलर कमीशन और फिर वैट (जिसमें कमीशन पर टैक्स भी शामिल है)12.83 प्रति लीटर शामिल है।

एटीएफ की कीमतों में 115 प्रतिशत से ज्यादा की भारी बढ़ोतरी

नईदिल्ली, एजेंसी। ईरान-इजराल-अमेरिका युद्ध का असर हावाई उड़ानों पर तो दिख ही रहा है अब यात्रियों की जेब पर भी पड़ सकता है। पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत में एविएशन टरबाइन फ्यूल की कीमतों में 115 प्रतिशत से ज्यादा की बड़ी बढ़ोतरी कर दी गई है। नई दिल्ली में अब एटीएफ की कीमत 1 अप्रैल यानी आज से बढ़कर लगभग 2.07 लाख रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है, जबकि पिछले महीने यह करीब 96,638 रुपये प्रति किलोलीटर थी। इस तेजी का असर आज एविएशन इंडस्ट्री से जुड़ीं कंपनियों के शेयरों पर देखने को मिल सकता है। आज इंडिगो, स्पाइसजेट जैसी कंपनियों के शेयरों में बड़ी हलचल रहने के आसार हैं। एटीएफ के रेट्स में इस बढ़ोतरी की बड़ी वजह ईरान-अमेरिका-

इजराइल के बीच जारी युद्ध के कारण वैश्विक तेल बाजार में आई उथल-पुथल है, जिससे ईंधन की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। आज भी क्रूड ऑयल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर हैं। ब्लूमबर्ग के मुाबिक ब्रेंट क्रूड की कीमत सुबह साढ़े सात बजे के करीब 105.68 डॉलर प्रति बैरल थी और की 102.82 डॉलर पर थी। देश के अन्य बड़े शहरों में भी एटीएफ की कीमतों में जबरदस्त उछाल देखा गया है। कोलकाता में एटीएफ की कीमत अब करीब 2.05 लाख रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है, जो मार्च में लगभग 99,587 रुपये थी। चेन्नई में यह बढ़कर करीब 2.14 लाख रुपये प्रति किलोलीटर पहुंच गई है, जबकि पहले यह करीब 1 रुपये लाख थी। वहीं, मुंबई की बात करें तो यहां अस्र की कीमत करीब 1.94 लाख रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है, जो पिछले महीने लगभग 90,451 थी और बड़े शहरों में यह सबसे कम है। इस भारी बढ़ोतरी का सीधा असर एयरलाइन कंपनियों पर पड़ेगा।

सोना हुआ और महंगा, चांदी के गिरे भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। युद्ध के बीच आज एमसीएक्स पर चांदी के दाम में गिरावट आई है, जबकि सोने की कीमतों में तीसरे दिन भी तेजी जारी रही। मुनाफावसूली के चलते चांदी की कीमतें घट गईं। वहीं, मध्य पूर्व में तनाव समाप्त होने की संभावना से निवेशकों की धारणा बेहतर हुई और अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने से सोने को समर्थन मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सुबह चांदी का भाव 1 प्रतिशत टूटकर 2,38,501 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया। वहीं, सोने की कीमत में 0.73 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई और यह 1,51,870 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्या हैं सोने और चांदी के भाव

अंतरराष्ट्रीय बाजारों की बात करें तो यहां भी गोल्ड के रेट में बढ़त है। पिछले सत्र में 3.5 प्रतिशत की तेजी के बाद सोना आज 1.2 प्रतिशत चढ़कर 4,700 डॉलर प्रति औंस के पार

निकल गया। हालांकि, यहां भी चांदी की चाल इससे उलट रही और यह 0.9 प्रतिशत गिरकर 74.50 डॉलर प्रति औंस पर आ गई।

सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण: गोल्ड-सिल्वर के रेट में ताजा उतार-चढ़ाव की मुख्य वजह अमेरिका और ईरान से मिले बयानों को माना जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका दो से तीन हफ्तों में ईरान के साथ युद्ध समाप्त कर लेगा। इससे संकेत मिलता है कि अमेरिका अपने प्रमुख सैन्य उद्देश्यों को काफी हद तक हासिल मान रहा है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक है। युद्ध से पहले, वैश्विक तेल और एलएनजी शिपमेंट का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा इसी जलमार्ग से गुजरता था। इस मार्ग के फिर से सुचारू रूप से खुलने के संकेतों का तेल, मुद्रास्फीति और वैश्विक बाजार स्थिरता पर बड़ा असर पड़ता है। दूसरी ओर, ईरान ने भी संकेत दिया कि संघर्ष की समाप्ति संभव है, लेकिन उसकी शर्तों पर। ईरान के राष्ट्रपति ने कहा कि देश युद्ध समाप्त करने के लिए तैयार है, बशर्ते उसकी शर्तें मानी जाएं, जिसमें होर्मुज पर नियंत्रण भी शामिल है। युद्ध को लेकर तुरंत चिंता कम होने से अमेरिकी डॉलर पर दबाव बना। ब्लूमबर्ग डॉलर स्पॉट इंडेक्स मामूली गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था। डॉलर के कमजोर होने से चांदी और सोना अन्य मुद्राओं के धारकों के लिए आकर्षक हो जाते हैं, जिससे कीमतों को सहारा मिलता है। साथ ही, निवेशक संघर्ष के मुद्रास्फीति और ब्याज दरों पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन कर रहे हैं। बॉन्ड बाजार के कारोबारी अब इस बात पर दांव घटा रहे हैं कि युद्ध से पैदा हुई मुद्रास्फीति के दबाव से निपटने के लिए केंद्रीय बैंकों को ब्याज दरें बढ़ाने की जरूरत होगी। यह बदलाव कीमती धातुओं के लिए अहम है। ब्याज दरों में बढ़त की उम्मीद कम होने से सोना और चांदी जैसी बिना ब्याज वाली संपत्तियों को फायदा होता है।

कमर्शियल सिलेंडर के दाम 218 तक बढ़े

नईदिल्ली, एजेंसी। युद्ध के बीच एलपीजी सिलेंडर के दाम में भारी इजाफा हुआ है। एक झटके में एलपीजी सिलेंडर के रेट आज 1 अप्रैल को दिल्ली में 194, कोलकाता में 218 , चेन्नई में 203 और मुंबई में 196 रुपये बढ़ गए हैं।। यह बढ़ोतरी कमर्शियल सिलेंडर में हुई है। घरेलू एलपीजी सिलेंडर उपभोक्ताओं को फिलहाल राहत है। दिल्ली में अब कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर आज 1 अप्रैल से 1,884.50 की जगह 2078.50 रुपये का मिलेगा। कोलकाता में 2208 रुपये का हो गया है। पहले यह 1990 रुपये का था। यहां 218 रुपये महंगा हुआ है। मुंबई में 19 किलो वाला कमर्शियल सिलेंडर की कीमत आज 1 अप्रैल से 2031 रुपये हो गई है। पहले यह 1835 रुपये का था। यहां 196 रुपये महंगा हुआ है। चेन्नई में अब यही 19 किलो वाला सिलेंडर 2043.50 रुपये की जगह 2246.50 रुपये में मिलेगा। यहां सिलेंडर 203

रुपये महंगा हुआ है। दाम बढ़ने का असर सीधे आम आदमी की जेब पर पड़ेगा। होटल और रेस्टोरेंट में खाने की कीमतों में बढ़ोतरी होगी। छोटे कारोबारियों के लिए यह स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण बन गई है, क्योंकि उनके खर्च बढ़ने के साथ आय पर असर पड़ा है। ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध के चलते पूरी दुनिया के सामने ऊर्जा संकट खड़ा हो गया है। होर्मूज स्ट्रेट बंद होने से गैस और कच्चे तेल की सप्लाई में भारी कमी है। इससे कच्चे तेल के दाम आसमान छू रहें है। दुनिया के कई देशों में गैस और पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों भारी इजाफा हुआ है। भारत में एलपीजी गैस के दाम युद्ध के बीच दो बार बढ़ चुके हैं। आने वाले समय में की स्थिति काफी हद तक ईरान-अमेरिका-इजरायल के हालात पर निर्भर करेगी। अगर तनाव और बढ़ता है तो गैस की कीमतों में और वृद्धि हो सकती है और सप्लाई की कमी भी गहरा सकती है। अगर हालात सामान्य होते हैं या किसी तरह का समझौता होता है, तो सप्लाई में सुधार और कीमतों में स्थिरता देखने को मिल सकती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)